



Universiteit  
Leiden  
The Netherlands

## A Textual Study of the \*Lakṣaṇaṭīkā

Yonezawa, Y.

### Citation

Yonezawa, Y. (2019, October 24). *A Textual Study of the \*Lakṣaṇaṭīkā*. Retrieved from <https://hdl.handle.net/1887/79823>

Version: Publisher's Version

License: [Licence agreement concerning inclusion of doctoral thesis in the Institutional Repository of the University of Leiden](#)

Downloaded from: <https://hdl.handle.net/1887/79823>

**Note:** To cite this publication please use the final published version (if applicable).

Cover Page



Universiteit Leiden



The handle <http://hdl.handle.net/1887/79823> holds various files of this Leiden University dissertation.

**Author:** Yonezawa, Y.

**Title:** A Textual Study of the \*Lakṣaṇāṭīkā

**Issue Date:** 2019-10-24

Appendix A) Collation Tables of the Commented Treatises with the \*LT

1. Sanskrit Notes on the *Pras*

| ad MMK | LVP_ <i>Pras</i> | § of *LT | *LT MS |
|--------|------------------|----------|--------|
|        |                  | 1        |        |
| I.1    | 1.1-2.4          | 2        |        |
| I.1    | 2.6-3.2          | 3        |        |
| I.1    | 3.5-7            | 4        |        |
| I.1    | 5.4              | 5        |        |
| I.1    | 7.6-8.4          | 6        |        |
| I.1    | 8.5-11           | 7        |        |
| I.1    | 9.6              | 8        |        |
| I.1    | 10.3             | 9        |        |
| I.1    | 10.11-12         | 10       |        |
| I.1    | 12.4-7           | 11       |        |
| I.1    | 13.6-9           | 12       |        |
| I.1    | 14.4-15.2        | 13       |        |
| I.1    | 15.3             | 14       |        |
| I.1    | 16.1             | 15       |        |
| I.1    | 16.9-10          | 16       |        |
| I.1    | 16.11-12         | 17       |        |
| I.1    | 18.5-9           | 18       |        |
| I.1    | 19.1-7           | 19       |        |
| I.1    | 20.7-21.4        | 20       |        |
| I.1    | 21.8-9           | 21       |        |
| I.1    | 22.1-2           | 22       |        |
| I.1    | 22.3-5           | 23       |        |
| I.1    | 22.6-8           | 24       |        |
| I.1    | 22.9-23.2        | 25       |        |
| I.1    | 24.7-25.2        | 26       |        |
| I.1    | 25.7-9           | 27       |        |

| ad MMK | LVP_ <i>Pras</i> | § of * <i>L</i> <sub>T</sub> | * <i>L</i> <sub>T</sub> MS |
|--------|------------------|------------------------------|----------------------------|
| I.1    | 27.7–9           | 28                           |                            |
| I.1    | 30.1–2           | 29                           |                            |
| I.1    | 30.15–16         | 30                           |                            |
| I.1    | 31.1–3           | 31                           |                            |
| I.1    | 31.3–9           | 32                           |                            |
| I.1    | 31.11–13         | 33                           |                            |
| I.1    | 31.13–14         | 34                           |                            |
| I.1    | 31.14–32.2       | 35                           |                            |
| I.1    | 32.4–8           | 36                           |                            |
| I.1    | 32.9–33.3        | 37                           |                            |
| I.1    | 33.3–6           | 38                           |                            |
| I.1    | 35.5–9           | 39                           |                            |
| I.1    | 36.13–37.3       | 40                           |                            |
| I.1    | 38.4; 39.5–6     | 41                           |                            |
| I.1    | 41.1–3           | 42                           |                            |
| I.1    | 44.1–5           | 43                           |                            |
| I.1    | 46.1–4           | 44                           |                            |
| I.1    | 48.9–11          | 45                           |                            |
| I.1    | 48.12            | 46                           |                            |
| I.1    | 50.6–10          | 47                           |                            |
| I.1    | 50.11–52.1       | 48                           |                            |
| I.1    | 52.4–9           | 49                           |                            |
| I.1    | 53.2–5           | 50                           |                            |
| I.1    | 58.3–6           | 51                           |                            |
| I.1    | 58.10–13         | 52                           |                            |
| I.1    | 58.14–15         | 53                           |                            |
| I.1    | 58.15–59.3       | 54                           |                            |
| I.1    | 59.4–9           | 55                           |                            |
| I.1    | 61.10–62.3       | 56                           |                            |
| I.1    | 62.4–5           | 57                           |                            |
| I.1    | 64.14–65.8       | 58                           |                            |



| ad MMK  | LVP_ <i>Pras</i> | § of * <i>L</i> <sub>T</sub> | * <i>L</i> <sub>T</sub> MS |
|---------|------------------|------------------------------|----------------------------|
| I.1     | 65.9–11          | 59                           |                            |
| I.1     | 66.1–8           | 60                           |                            |
| I.1     | 67.3–5           | 61                           |                            |
| I.1     | 67.6–68.4        | 62                           |                            |
| I.1     | 69.11–12         | 63                           |                            |
| I.1     | 69.13–14         | 64                           |                            |
| I.1     | 70.1–4           | 65                           |                            |
| I.1     | 70.8–9           | 66                           |                            |
| I.1     | 71.8–9           | 67                           |                            |
| I.1     | 71.10–72.1       | 68                           |                            |
| I.1     | 72.1–73.3        | 69                           |                            |
| I.1     | 73.4–6           | 70                           |                            |
| I.1     | 74.6–75.2        | 71                           |                            |
| I.1     | 75.2–5           | 72                           |                            |
| I.1     | 75.9–12          | 73                           |                            |
| I.2     | 76.4–77.7        | 74                           |                            |
| I.3     | 78.3–7           | 75                           |                            |
| I.3     | 78.13–15         | 76                           |                            |
| I.4 a   | 79.6–80.4        | 77                           |                            |
| I.4b    | 80.10–11         | 78                           |                            |
| I.8     | 84.3–6           | 79                           |                            |
| I.8     | 84.9–85.5        | 80                           |                            |
| I.9     | 86.5–7           | 81                           |                            |
| I.9     | 90.3–11          | 82                           |                            |
|         |                  |                              | 3a7                        |
| II.9    | 98.12–13         | 83                           |                            |
| II.11ab | 99.5             | 84                           |                            |
| II.12c  | 100.3–4; 8       | 85                           |                            |
| II.15   | 101.13–16        | 86                           |                            |
| II.17   | 102.14–103.5     | 87                           |                            |
| II.17   | 103.11–1         | 88                           |                            |

| ad MMK   | LVP_ <i>Pras</i> | § of * <i>Lṭ</i> | * <i>Lṭ</i> MS |
|----------|------------------|------------------|----------------|
| II.25    | 108.1–3          | 89               |                |
| II.25    | 108.13–109.3     | 90               |                |
| II.25    | 110.5–8          | 91               |                |
| II.25    | 111.1–4          | 92               |                |
|          |                  |                  | 3a8            |
| III.4ab  | 115.5            | 93               |                |
| III.6    | 118.8–11         | 94               |                |
| III.8    | 121.4–7          | 95               |                |
|          |                  |                  | 3a8            |
| IV.5cd   | 125.10–13        | 96               |                |
| IV.6     | 126.1–5          | 97               |                |
| IV.9     | 127.16–128.2     | 98               |                |
| IV.9     | 128.11–2         | 99               |                |
|          |                  |                  | 3b1            |
| V.1      | 129.3–44         | 100              |                |
| V.6      | 133.14–17        | 101              |                |
|          |                  |                  | 3b1            |
| VI.5     | 140. 8–9         | 102              |                |
| VI.10    | 143.5–7          | 103              |                |
| VI.10    | 143.10–144.1     | 104              |                |
|          |                  |                  | 3b2            |
| VII.1    | 145.3–7          | 105              |                |
| VII.2    | 146.5–6          | 106              |                |
| VII.12   | 155.1–4          | 107              |                |
| VII.12   | 156.2–5          | 108              |                |
| VII.13   | 157.5–6          | 109              |                |
| VII.15   | 158.15–16        | 110              |                |
| VII.15   | 158.18–159.3     | 111              |                |
| VII.15   | 159.13–15        | 112              |                |
| VII.17   | 160.16–17        | 113              |                |
| VII.19cd | 162.7            | 114              |                |

| ad MMK   | LVP_ <i>Pras</i> | § of * <i>L</i> <sub>T</sub> | * <i>L</i> <sub>T</sub> MS |
|----------|------------------|------------------------------|----------------------------|
| VII.22   | 164.3–5          | 115                          |                            |
| VII.25   | 166.6–9          | 116                          |                            |
| VII.25   | 166.11–167.2     | 117                          |                            |
| VII.32   | 172.5            | 118                          |                            |
| VII.32   | 173.3–4          | 119                          |                            |
| VII.32   | 174.10–12        | 120                          |                            |
| VII.32   | 174.12–175.2     | 121                          |                            |
|          |                  |                              | 3b4                        |
| VIII.1   | 180.3–4          | 122                          |                            |
| VIII.4ab | 182.8–11         | 123                          |                            |
| VIII.6cd | 184.11–185.2     | 124                          |                            |
| VIII.5cd | 183.14           | 125                          |                            |
| VIII.11  | 188.10–12        | 126                          |                            |
| VIII.13  | 189.11           | 127                          |                            |
|          |                  |                              | 3b5                        |
| IX.8d    | 195.16–196.2     | 128                          |                            |
|          |                  |                              | 3b6                        |
| X.4      | 205.5–6          | 129                          |                            |
| X.5      | 205.9–14         | 130                          |                            |
| X.15     | 213.16–214.1     | 131                          |                            |
| X.16     | 217.7–10         | 132                          |                            |
|          |                  |                              | 3b6                        |
| XI.1     | 218.3–7          | 133                          |                            |
| XI.4     | 222.15–16        | 134                          |                            |
| XI.4     | 223.4–5          | 135                          |                            |
| XI.8     | 225.12–226.2     | 136                          |                            |
|          |                  |                              | 3b7                        |
| XII.2    | 228.1–4          | 137                          |                            |
| XII.3    | 229.1–6          | 138                          |                            |
| XII.5    | 231.12–14        | 139                          |                            |
| XII.6    | 232.5–8          | 140                          |                            |

| ad MMK    | LVP_ <i>Pras</i> | § of * <i>LṬ</i> | * <i>LṬ</i> MS |
|-----------|------------------|------------------|----------------|
| XII.8cd   | 233.9            | 141              |                |
|           |                  |                  | 3b8            |
| XIII.1    | 237.9–10         | 142              |                |
| XIII.8    | 247.2            | 143              |                |
|           |                  |                  | 3b8            |
| XIV.6     | 253.1–4          | 144              |                |
|           |                  |                  | 3b8            |
| XV.2ab    | 260.3–6          | 145              |                |
| XV.2ab    | 262.4–5          | 146              |                |
| XV.5      | 267.1–6          | 147              |                |
| XV.11     | 275.9            | 148              |                |
| XV.11     | 276.4–8          | 149              |                |
|           |                  |                  | 4a1            |
| XVI.1     | 281.3–282.4      | 150              |                |
| XVI.4     | 289.5–14         | 151              |                |
| XVI.9     | 297.1–3          | 152              |                |
| XVI.9     | 297.6–9          | 153              |                |
| XVI.9     | 297.9–298.4      | 154              |                |
| XVI.9     | 298.13–15        | 155              |                |
| XVI.10    | 299.11–300.3     | 156              |                |
|           |                  |                  | 4a2            |
| XVII.2ab  | 305.11–12        | 157              |                |
| XVII.3    | 306.9–307.3      | 158              |                |
| XVII.5    | 308.4–8          | 159              |                |
| XVII.5    | 309.1            | 160              |                |
| XVII.4    | 307.6–9          | 161              |                |
| XVII.14   | 317.4–9          | 162              |                |
| XVII.15cd | 320.4            | 163              |                |
| XVII.16   | 320.8–9          | 164              |                |
| XVII.20   | 323.9.           | 165              |                |
| XVII.32   | 331.7–332.11     | 166              |                |

| ad MMK    | LVP_ <i>Pras</i> | § of * <i>LṬ</i> | * <i>LṬ</i> MS |
|-----------|------------------|------------------|----------------|
| XVII.32   | 333.6–9          | 167              |                |
| XVII.33   | 337.3–6          | 168              |                |
| XVII.33   | 337.7–9          | 169              |                |
| XVII.33   | 337.12–338.3     | 170              |                |
| XVII.33   | 338.4–5          | 171              |                |
| XVII.33   | 49.10–11         | 172              |                |
|           |                  |                  | 4a2            |
| XVIII.1   | 340.7–13         | 173              |                |
| XVIII.1   | 342.4–14         | 174              |                |
| XVIII.1   | 344.9–345.3      | 175              |                |
| XVIII.2ab | 346.4–347.3      | 176              |                |
| XVIII.2ab | 346.9–13         | 177              |                |
| XVIII.2ab | 347.4–10         | 178              |                |
| XVIII.4   | 349.11–14        | 179              |                |
| XVIII.5   | 351.15–352.6     | 180              |                |
| XVIII.5   | 352.7–353.2      | 181              |                |
| XVIII.5   | 353.7–354.2      | 182              |                |
| XVIII.5   | 354.9–355.3      | 183              |                |
| XVIII.6   | 356.1–357.6      | 184              |                |
| XVIII.6ab | 360.3–8          | 185              |                |
| XVIII.6   | 361.3–9          | 186              |                |
| XVIII.6   | 361.12–13        | 187              |                |
| XVIII.6   | 362.3–5          | 188              |                |
| XVIII.6   | 363.3–6          | 189              |                |
| XVIII.6   | 363.8–10         | 190              |                |
| XVIII.7   | 364.3–4          | 191              |                |
| XVIII.7   | 366.3–6          | 192              |                |
| XVIII.7   | 366.8–367.2      | 193              |                |
| XVIII.7   | 367.5–11         | 194              |                |
| XVIII.7   | 368.2–3          | 195              |                |
| XVIII.7   | 368.7–12         | 196              |                |

| ad MMK   | LVP_ <i>Pras</i> | § of * <i>LṬ</i> | * <i>LṬ</i> MS |
|----------|------------------|------------------|----------------|
| XVIII.7  | 369.2–7          | 197              |                |
| XVIII.8  | 370.6–8.         | 198              |                |
| XVIII.8  | 370.12–371.3     | 199              |                |
| XVIII.8  | 371.10–12        | 200              |                |
| XVIII.9  | 372.12–13        | 201              |                |
| XVIII.10 | 377.6–12         | 202              |                |
| XVIII.11 | 379.6–7          | 203              |                |
| XVIII.11 | 379.8–11         | 204              |                |
| XVIII.11 | 379.14–380.2     | 205              |                |
| XVIII.11 | 380.6–7          | 206              |                |
| XVIII.11 | 380.11–381.5     | 207              |                |
|          |                  |                  | 4b4            |
| XIX.4    | 383.14–385.2     | 208              |                |
| XIX.5    | 385.15–386.3     | 209              |                |
| XIX.6    | 387.15–388.4     | 210              |                |
| XIX.6    | 388.5–9          | 211              |                |
| XIX.6    | 388.10–389.4     | 212              |                |
|          |                  |                  | 4b5            |
| XX.3     | 393.15           | 213              |                |
| XX.5, 6  | 394.1            | 214              |                |
| XX.8     | 395.11–13        | 215              |                |
| XX.10    | 397.12–13        | 216              |                |
| XX.11    | 399.10–400.3     | 217              |                |
| XX.11    | 400.4–8          | 218              |                |
| XX-24    | 407.10–408.8     | 219              |                |
| XX-24    | 408.9–409.6      | 220              |                |
|          |                  |                  | 4b7            |
| XXI.4    | 412.12–413.4     | 221              |                |
| XXI.4    | 413.8–12         | 222              |                |
| XXI.4    | 414.1–7          | 223              |                |
| XXI.5    | 414.8–15         | 224              |                |

| ad MMK   | LVP_ <i>Pras</i> | § of * <i>Lṭ</i> | * <i>Lṭ</i> MS |
|----------|------------------|------------------|----------------|
| XXI.7    | 415.8–11         | 225              |                |
| XXI.8    | 417.1–9          | 226              |                |
| XXI.9    | 417.10–418.3     | 227              |                |
| XXI.11   | 418.12–419.10    | 228              |                |
| XXI.12   | 420.12–16        | 229              |                |
| XXI.18ab | 425.4–13         | 230              |                |
| XXI.20   | 426.8–14         | 231              |                |
| XXI.21   | 428.10–12        | 232              |                |
|          |                  |                  | 5a5            |
| XXII.1   | 431.3–432.2      | 233              |                |
| XXII.1   | 432.12–433.3     | 234              |                |
| XXII.1   | 434.10–435.8     | 235              |                |
| XXII.2   | 436.5–6          | 236              |                |
| XXII.3   | 437.1–6          | 237              |                |
| XXII.5   | 438.2–3          | 238              |                |
| XXII.10  | 441.4–443.3      | 239              |                |
| XXII.11  | 444.11–14        | 240              |                |
| XXII.11  | 445.3–4          | 241              |                |
| XXII.11  | 445.6–446.4      | 242              |                |
| XXII.13  | 447.7–10         | 243              |                |
| XXII.15  | 448.3–4          | 244              |                |
| XXII.15  | 448.11–15        | 245              |                |
| XXII.16  | 449.4–12         | 246              |                |
|          |                  |                  | 5b1            |
| XXIII.1  | 451.3–10         | 247              |                |
| XXIII.1  | 452.6–9          | 248              |                |
| XXIII.4  | 453.13–14        | 249              |                |
| XXIII.5  | 454.6–13         | 250              |                |
| XXIII.7  | 456.9–457.2      | 251              |                |
| XXIII.13 | 460.5–6          | 252              |                |
| XXIII.13 | 460,12–461,13    | 253              |                |

| ad MMK        | LVP_ <i>Pras</i> | § of * <i>Lṭ</i> | * <i>Lṭ</i> MS |
|---------------|------------------|------------------|----------------|
| XXIII.14      | 462.1–14         | 254              |                |
| XXIII.14      | 462.15–463.16    | 255              |                |
| XXIII.14      | 464.15–20        | 256              |                |
| XXIII.17,18   | 467.1–4          | 257              |                |
| XXIII.21      | 469.1–7          | 258              |                |
| XXIII.23      | 470.4–13         | 259              |                |
| XXIII.23      | 472.3–473.10     | 260              |                |
|               |                  |                  | 5b5            |
| XXIV.1        | 476.10–14        | 261              |                |
| XXIV.1        | 477.3–4          | 262              |                |
| XXIV.3, 4, 5a | 478.4–481.4      | 263              |                |
| XXIV.3, 4, 5a | 481.10–11        | 264              |                |
| XXIV.3, 4, 5a | 481.12–484.5     | 265              |                |
| XXIV.3, 4, 5a | 484.6–9          | 266              |                |
| XXIV.3, 4, 5a | 484.10–486.7     | 267              |                |
| XXIV.3, 4, 5a | 486.9–487.4      | 268              |                |
| XXIV.3, 4, 5a | 489.1            | 269              |                |
| XXIV.7        | 490.6–7          | 270              |                |
| XXIV.11       | 494.15–495.12    | 271              |                |
| XXIV.11       | 496.7–13         | 272              |                |
| XXIV.12       | 498.9–499.2      | 273              |                |
| XXIV.15       | 501.10–502.2     | 274              |                |
| XXIV.19       | 505,4–8          | 275              |                |
| XXIV.40       | 516.14–517.4     | 276              |                |
| XXIV.40       | 517.5–11         | 277              |                |
| XXIV.40       | 517.12–518.6     | 278              |                |
|               |                  |                  | 6a4            |
| XXV.1         | 519.6–520.9      | 279              |                |
| XXV.3         | 522.3–10         | 280              |                |
| XXV.3         | 523.6–13         | 281              |                |
| XXV.3         | 524.1–4          | 282              |                |



| ad MMK            | LVP_ <i>Pras</i> | § of * <i>L</i> <i>T</i> | * <i>L</i> <i>T</i> MS |
|-------------------|------------------|--------------------------|------------------------|
| XXV.3             | 524.7–9          | 283                      |                        |
| XXV.10            | 530.4–11         | 284                      |                        |
| XXV.11            | 531.1–5          | 285                      |                        |
| XXV.16            | 533.1–534.2      | 286                      |                        |
| XXV.17            | 534.3–9          | 287                      |                        |
| XXV.21            | 536.1–2          | 288                      |                        |
| XXV.23            | 537.5–10         | 289                      |                        |
| XXV.24            | 538.2–539.2      | 290                      |                        |
| XXV.24            | 540.7–9          | 291                      |                        |
| XXV.24            | 540.10–541.5     | 292                      |                        |
|                   |                  |                          | 6a7                    |
| XXVI.1            | 542.10–543.4     | 293                      |                        |
| XXVI.2cd          | 543.7–544.4      | 294                      |                        |
| XXVI.2cd          | 544.5–545.6      | 295                      |                        |
| XXVI.2cd          | 545.7–546.2      | 296                      |                        |
| XXVI.2cd          | 546.3–8          | 297                      |                        |
| XXVI.2cd          | 548.6–9          | 298                      |                        |
| XXVI.2cd          | 550.9–12         | 299                      |                        |
| XXVI.2cd          | 551.5–12         | 300                      |                        |
| XXVI.2cd          | 551.13–15        | 301                      |                        |
| XXVI.2cd          | 552.1–3          | 302                      |                        |
| XXVI.2cd          | 552.4–7          | 303                      |                        |
| XXVI.3ab          | 552.7–553.3      | 304                      |                        |
| XXVI.3cd, 4, 5abc | 553.3–554.5      | 305                      |                        |
| XXVI.5cd          | 554.5–8          | 306                      |                        |
| XXVI.6ab          | 554.10–555.6     | 307                      |                        |
| XXVI.6cd          | 555.6–9          | 308                      |                        |
| XXVI.8cd, 9       | 557.5–13         | 309                      |                        |
| XXVI.12           | 561.7–562.2      | 310                      |                        |
| XXVI.12           | 563.1–11         | 311                      |                        |
| XXVI.12           | 564.1–6          | 312                      |                        |

| ad MMK      | LVP_ <i>Pras</i> | § of * <i>LṬ</i> | * <i>LṬ</i> MS |
|-------------|------------------|------------------|----------------|
| XXVI.12     | 566.7–16         | 313              |                |
| XXVI.12     | 567.7–11         | 314              |                |
| XXVI.12     | 568.13–16        | 315              |                |
| XXVI.12     | 569.9–10         | 316              |                |
|             |                  |                  | 6b5            |
| XXVII.1     | 571.1            | 317              |                |
| XXVII.1d    | 572.8–13         | 318              |                |
| XXVII.1d    | 572.14–573.2     | 319              |                |
| XXVII.10c   | 579.5–11         | 320              |                |
| XXVII.12    | 580.9–581.10     | 321              |                |
| XXVII.14    | 582.1–12         | 322              |                |
| XXVII-20    | 586.10–587.2     | 323              |                |
| XXVII.21    | 587.3–7          | 324              |                |
| XXVII.23~24 | 588.4–5          | 325              |                |
| XXVII.26    | 590.1–5          | 326              |                |
| XXVII.30    | 593.3–594.6      | 327              |                |
|             |                  |                  | 6b7            |
| MŚS 1       |                  | 328              |                |
| MŚS 2       |                  | 329              |                |
| MŚS 4       |                  | 330              |                |
| MŚS 5       |                  | 331              |                |
| MŚS 6       |                  | 332              |                |
| MŚS 7       |                  | 333              |                |
| MŚS 8       |                  | 334              |                |
| MŚS 9       |                  | 335              |                |
| MŚS 10      |                  | 336              |                |
| MŚS 11      |                  | 337              |                |
| MŚS 12      |                  | 338              |                |
| MŚS 14      |                  | 339              |                |
|             |                  |                  | 7a4            |

## 2. Tibetan Notes on the *Pras*

| LVP_ <i>Pras</i> | Related § in Sanskrit Notes | § of * <i>Lṭ</i> |
|------------------|-----------------------------|------------------|
| 5.1              |                             | 1                |
| 5.1–4            |                             | 2                |
| 5.4              | 5                           | 3                |
| 5.4              |                             | 4                |
| 5.7              |                             | 5                |
| 5.7–8            |                             | 6                |
| 6.1–2            |                             | 7                |
| 6.3–4            |                             | 8                |
| 6.5–7.2          |                             | 9                |
| 7.2–4            |                             | 10               |
| 7.4–5            |                             | 11               |
| 7.6–8.1          | 6                           | 12               |
| 8.2–3            |                             | 13               |
| 8.3–4            |                             | 14               |
| 8.5–9            | 7                           | 15               |
| 9.1              |                             | 16               |
| 9.1              |                             | 17               |
| 9.4              |                             | 18               |
| 9.7              |                             | 19               |
| 9.7–10.2         |                             | 20               |
| 10.9             |                             | 21               |
| 12.8–10          |                             | 22               |
| 14.1             | 13                          | 23               |
| 14.4–15.2        | 13                          | 24               |
| 15.3             | 14                          | 25               |
| 15.3             |                             | 26               |
| 15.4–6           |                             | 27               |
| 16.2             |                             | 28               |
| (16.6–10)        |                             | 29               |
| 16.11–18.1       |                             | 30               |

| LVP_Pras     | Related § in Sanskrit Notes | § of *LT |
|--------------|-----------------------------|----------|
| 16.2–18.5    | 18                          | 31       |
| 19.1–2       | 19                          | 32       |
| 19.3–5       | 19                          | 33       |
| 20.1–2       |                             | 34       |
| 20.8         | 21                          | 35       |
| 21.8–21.11   |                             | 36       |
| 21.11        |                             | 37       |
| 22.1–2       | 22                          | 38       |
| 22.3–4       | 23                          | 39       |
| 22.6–8       | 24                          | 40       |
| 22.1–23.1    | 25                          | 41       |
| (22.1–23.1)  | 25                          | 42       |
| 23.3–4       |                             | 43       |
| 23.3–6       |                             | 44       |
| 24.7         | 26                          | 45       |
| 25.3–4       |                             | 46       |
| 25.6         |                             | 47       |
| 25.7–9       | 27                          | 48       |
| 25.9–26.2    |                             | 49       |
| 26.3–4       |                             | 50       |
| 26.5         |                             | 51       |
| 26.13–27.2   |                             | 52       |
| (26.13–27.4) |                             | 53       |
| 27.3–4       |                             | 54       |
| 27.7–9       | 28                          | 55       |
| 27.9–10      |                             | 56       |
| 27.11–28.1   |                             | 57       |
| 27.11        |                             | 58       |
| 28.4–29.7    |                             | 59       |
| 30.2–3       | 29                          | 60       |
| (28.4–30.11) |                             | 61       |

| LVP_ <i>Pras</i> | Related § in Sanskrit Notes | § of * <i>Lṭ</i> |
|------------------|-----------------------------|------------------|
| (28.4–30.11)     |                             | 62               |
| (28.4–30.11)     |                             | 63               |
| (28.4–30.11)     |                             | 64               |
| 30.10–11         |                             | 65               |
| 30.12–14         |                             | 66               |
| 30.15–16         | 30                          | 67               |
| 31.1             | 31                          | 68               |
| 31.2–11          | 33                          | 69               |
| 31.12            | 33                          | 70               |
| 31.12–14         | 34                          | 71               |
| 31.14–32.3       | 35                          | 72               |
| 32.4             | 36                          | 73               |
| 32.6             |                             | 74               |
| 32.7–8           | 36                          | 75               |
| 32.9–33.1        | 37                          | 76               |
| 33.4–6           | 38                          | 77               |
| 33.5–6           | 38                          | 78               |
| 34.1–4           |                             | 79               |
| 34.13–35.1       |                             | 80               |
| 35.1             |                             | 81               |
| (35.1–)          |                             | 82               |
| 35.4–5           |                             | 83               |
| 35.5–7           | 39                          | 84               |
| 35.8–9           | 39                          | 85               |
| 36.1–2           |                             | 86               |

### 3. Sanskrit Notes on the *MABh*

| <i>MA</i>  | <i>MABh</i> MS | <i>MABh</i> _LVP | § of * <i>Lṭ</i> | * <i>Lṭ</i> MS |
|------------|----------------|------------------|------------------|----------------|
| I.2(?)     |                | 7.17–8.5         | 1                |                |
| I.1        | 1b1–2          | 1.5–2.1          | 2                |                |
| I.1        | 1b2            | 2.1–6            | 3                |                |
| I.1        | 1b3–4          | 2.11–17          | 4                |                |
| I.1        | 1b4–5          | 3.3–8            | 5                |                |
| I.1        |                | 5.6–15           | 6                |                |
| I.1        |                | 6.13–7.6         | 7                |                |
| I.3        | 3b1–2          | 10.6–10          | 8                |                |
| I.5ab      | 4a4–b1         | 13.6–14.1        | 9                |                |
| I.6        | 5a1–4          | 16.4–17.3        | 10               |                |
| I.7        | 5a4            | 17.5–8           | 11               |                |
| I.8        | 5b1–2          | 17.17–18.8       | 12               |                |
| I.8        | 5b4            | 19.1             | 13               |                |
| I.8        | 6a4            | 20.18–19         | 14               |                |
| I.8        | 6a4–5          | 20.20–21.1       | 15               |                |
| I.8        | 6a5            | 21.2–3           | 16               |                |
| I.8        | 6a5–b1         | 21.6–7           | 17               |                |
| I.8        | 6b3–4          | 22.10–11         | 18               |                |
| I.8        | 6b4            | 22.13–14         | 19               |                |
| I.8        | 6b5            | 23.4–5           | 20               |                |
| I.8        | 7a1            | 23.13–14         | 21               |                |
| I.9        | 7a3            | 23.18–24.12      | 22               |                |
| I.10       | 7a3–5          | 24.12–25.1       | 23               |                |
| I.11       | 7b2            | 25.17–20         | 24               |                |
| I.12       | 7b4            | 26.13–20         | 25               |                |
| I.16ab     | 8b3            | 30.9–31.2        | 26               |                |
| I.16cd, 17 | 8b4–5          | 31.11–32.9       | 27               |                |
|            |                |                  |                  | 10b2           |
| II.1ab     | 9a3            | 33.4–9           | 28               |                |
| II.1cd     | 9a5–b1         | 33.19–34.9       | 29               |                |

| MA     | MABh MS   | MABh_LVP    | § of *LT | *LT MS |
|--------|-----------|-------------|----------|--------|
| II.1   | 9b2       | 34.13–19    | 30       |        |
| II.1   | 9b2–3     | 34.19–35.3  | 31       |        |
| II.1   | 9b3–4     | 35.3–9      | 32       |        |
| II.1   | 9b4–10a1  | 35.9–36.2   | 33       |        |
| II.1   | 10a1–2    | 36.2–7      | 34       |        |
| II.1   | 10a3–4    | 36.11–17    | 35       |        |
| II.1   | 10a4      | 36.17–37.2  | 36       |        |
| II.2ab | 10a5      | 37.8–9      | 37       |        |
| II.2cd | 10a5–b1   | 37.8–9      | 38       |        |
| II.3ab | 10b1–3    | 37.19–38.11 | 39       |        |
| II.3cd | 10b3      | 38.12–16    | 40       |        |
| II.4ab | 10b3–5    | 38.16–39.11 | 41       |        |
| II.5   | 11a2–3    | 40.13–19    | 42       |        |
| II.7   | 11a5–b4   | 42.1–43.10  | 43       |        |
| II.7   | 11b4–5    | 43.11–44.10 | 44       |        |
| II.8   | 12a3      | 44.19–45.2  | 45       |        |
| II.10  | 12a5      | 45.16–19    | 46       |        |
|        |           |             |          | 10b7   |
| III.2  | 12b4      | 47.10–19    | 47       |        |
| III.4  | 13a1–2    | 49.1–5      | 48       |        |
| III.5  | 13a5–b1   | 50.8–14     | 49       |        |
| III.6  | 13b2–3    | 51.3–16     | 50       |        |
| III.11 | 14b2–3    | 55.14–56.1  | 51       |        |
| III.11 | 14b3–15a1 | 56.2–19     | 52       |        |
| III.11 | 15a1      | 56.20–57.4  | 53       |        |
| III.11 | 15a1–3    | 57.5–58.1   | 54       |        |
| III.11 | 15a3–b1   | 58.2–59.1   | 55       |        |
| III.11 | 15b1–3    | 59.2–60.2   | 56       |        |
| III.11 | 15b5–16a1 | 60.19–61.7  | 57       |        |
| III.12 | 16a4      | 62.5–8      | 58       |        |
|        |           |             |          | 10b8   |

| MA      | MABh MS   | MABh_LVP    | § of *LT | *LT MS |
|---------|-----------|-------------|----------|--------|
| IV.2abc | 16b5–17a1 | 64.21–65.7  | 59       |        |
| IV.2abc | 17a2–4    | 65.13–66.7  | 60       |        |
| IV.2abc | 17a4–5    | 66.8–15     | 61       |        |
| IV.2abc | 17a5–b1   | 66.16–67.3  | 62       |        |
| IV.2abc | 17b1      | 67.4–8      | 63       |        |
| IV.2abc | 17b2      | 67.11–18    | 64       |        |
| IV.2abc | 17b3      | 67.19–68.5  | 65       |        |
| IV.2d   | 17b3–4    | 68.8–18     | 66       |        |
|         |           |             |          | 11a4   |
| V.1     | 18a3      | 70.3–10     | 67       |        |
| V.1     | 18b1–4    | 71.9–72.18  | 68       |        |
|         |           |             |          | 11a5   |
| VI.1    | 18b4–19a1 | 73.2–16     | 69       |        |
| VI.2    | 19a1–3    | 73.17–74.10 | 70       |        |
| VI.3    | 19a5–b1   | 75.13–20    | 71       |        |
| VI.3    | 19b2–3    | 76.13–16    | 72       |        |
| VI.3    | 19b3–4    | 76.18–77.17 | 73       |        |
| VI.5    | 20a2      | 78.14–17    | 74       |        |
| VI.7    | 20b1–4    | 80.7–81.3   | 75       |        |
| VI.7    | 20b4      | 81.4–9      | 76       |        |
| VI.7    | 20b5–21a1 | 81.17–18    | 77       |        |
| VI.9abc | 21a3–4    | 83.1–9      | 78       |        |
| VI.13   | 22a2      | 86.16–19    | 79       |        |
| VI.13   | 22a4–5    | 88.4–9      | 80       |        |
| VI.13   | 22a5–b2   | 88.10–89.3  | 81       |        |
| VI.15   | 23a1      | 90.17–91.2  | 82       |        |
| VI.19   | 24a3      | 95.16–19    | 83       |        |
| VI.20   | 24b3–4    | 98.3–6      | 84       |        |
| VI.20   | 24b5–25a1 | 98.13–19    | 85       |        |
| VI.21   | 25a1      | 98.20–99.5  | 86       |        |
| VI.21   | 25a3      | 99.20–100.6 | 87       |        |



| MA      | MABh MS   | MABh_LVP      | § of *LT | *LT MS |
|---------|-----------|---------------|----------|--------|
| VI.26   | 26b1-2    | 105.13-106.1  | 88       |        |
| VI.27   | 26b2-4    | 106.7-16      | 89       |        |
| VI.28   | 26b5-27a1 | 107.5-19      | 90       |        |
| VI.28   | 27a1-4    | 107.19-108.20 | 91       |        |
| VI.29   | 27a5-b1   | 109.10-18     | 92       |        |
| VI.29   | 27b3-4    | 111.1-111.5   | 93       |        |
| VI.32   | 28a5-b1   | 114.1-4       | 94       |        |
| VI.33   | 28b4      | 116.3-6       | 95       |        |
| VI.34   | 29a3-4    | 117.10-20     | 96       |        |
| VI.35   | 30a1      | 121.10-13     | 97       |        |
| VI.38cd | 30b4      | 125.6-17      | 98       |        |
| VI.39   | 30b5-31a1 | 126.5-8       | 99       |        |
| VI.40   | 31a4-5    | 127.17-128.7  | 100      |        |
| VI.42   | 32a5      | 131.19-132.3  | 101      |        |
| VI.43   | 32b2-3    | 132.19-133.3  | 102      |        |
| VI.44   | 32b5      | 134.1-2       | 103      |        |
| VI.44   | 33a1      | 134.15-18     | 104      |        |
| VI.45   | 33a2-4    | 136.3-136.12  | 105      |        |
| VI.47   | 33b4-34a3 | 138.17-140.3  | 106      |        |
| VI.48cd | 34a4-5    | 140.17-141.1  | 107      |        |
| VI.49ab | 34a5      | 141.4-5       | 108      |        |
| VI.52a  | 34b5      | 143.5-9       | 109      |        |
| VI.53ab | 35a3      | 144.15-16     | 110      |        |
| VI.56   | 35b3-4    | 146.18-147.2  | 111      |        |
| VI.57ab | 35b4-36a1 | 147.8-148.2   | 112      |        |
| VI.58   | 36a3-4    | 148.18-149.8  | 113      |        |
| VI.58   | 36a4-5    | 149.11-19     | 114      |        |
| VI.58   | 36b2      | 150.14-151.1  | 115      |        |
| VI.62   | 37b2      | 155.1-4       | 116      |        |
| VI.63   | 37b5-38a1 | 156.5-14      | 117      |        |
| VI.64   | 38a1      | 156.15-18     | 118      |        |

| MA      | MABh MS   | MABh_LVP      | § of *LT | *LT MS |
|---------|-----------|---------------|----------|--------|
| VI.66   | 38a4      | 158.6–10      | 119      |        |
| VI.67ab | 38a5–b1   | 158.13–20     | 120      |        |
| VI.68   | 38b2–3    | 159.18        | 121      |        |
| VI.68   | 38b5–39a1 | 161.4–14      | 122      |        |
| VI.70   | 39b2–3    | 164.1–10      | 123      |        |
| VI.71   | 39b3–4    | 164.15–17     | 124      |        |
| VI.72   | 39b5–40a1 | 165.18–20     | 125      |        |
| VI.73a  | 40a5–b1   | 167.11–15     | 126      |        |
| VI.74d  | 41a5–b1   | 171.4–12      | 127      |        |
| VI.76   | 41b3      | 172.7–10      | 128      |        |
| VI.78   | 42a2–3    | 174.4–13      | 129      |        |
| VI.79   | 42a4      | 174.15–19     | 130      |        |
| VI.80   | 42b1      | 175.17–20     | 131      |        |
| VI.80   | 42b2      | 176.9–10      | 132      |        |
| VI.80   | 42b2      | 176.13–16     | 133      |        |
| VI.80   | 42b4      | 177.13–16     | 134      |        |
| VI.80   | 42b4–5    | 177.17–20     | 135      |        |
| VI.81   | 43a3      | 179.1–6       | 136      |        |
| VI.81   | 43a4      | 179.11–16     | 137      |        |
| VI.84   | 43b5      | 181.19–182.1  | 138      |        |
| VI.84   | 44a1      | 182.6         | 139      |        |
| VI.84   | 44a2–4    | 182.18–183.3  | 140      |        |
| VI.86   | 44a5–b1   | 184.3–5       | 141      |        |
| VI.86   | 44b1–2    | 184.12–15     | 142      |        |
| VI.87   | 44b3–4    | 185.6–9       | 143      |        |
| VI.88   | 44b5–45a1 | 186.3–6       | 144      |        |
| VI.88   | 45a2–5    | 186.15–187.14 | 145      |        |
| VI.88   | 45a5–b4   | 187.14–189.5  | 146      |        |
| VI.88   | 46a1–2    | 189.13–190.2  | 147      |        |
| VI.89   | 46a4–5    | 191.2–6       | 148      |        |
| VI.90   | 46b2–3    | 192.4–9       | 149      |        |

| MA       | MABh MS   | MABh_LVP      | § of *LT | *LT MS |
|----------|-----------|---------------|----------|--------|
| VI.92cd  | 46b4-5    | 193.3-10      | 150      |        |
| VI.93cd  | 47a1      | 193.19-20     | 151      |        |
| VI.95    | 47b2-3    | 196.3-6       | 152      |        |
| VI.95    | 47b3      | 196.8-11      | 153      |        |
| VI.95    | 47b3-48a1 | 196.12-198.10 | 154      |        |
| VI.96    | 48a5-b1   | 199.1-11      | 155      |        |
| VI.97    | 48b5-49a1 | 201.10-19     | 156      |        |
| VI.98    | 49b3      | 204.12-13     | 157      |        |
| VI.101   | 51a4-5    | 210.7-17      | 158      |        |
| VI.102   | 51b1      | 211.4-7       | 159      |        |
| VI.102   | 51b3-4    | 212.2-14      | 160      |        |
| VI.103   | 51b5      | 212.17-20     | 161      |        |
| VI.106   | 53a2-3    | 217.11-15     | 162      |        |
| VI.110   | 53b5-54a1 | 220.12-20     | 163      |        |
| VI.114   | 55a1-2    | 226.1-5       | 164      |        |
| VI.114   | 55a4      | 227.10-13     | 165      |        |
| VI.118cd | 56a4      | 232.19-233.2  | 166      |        |
| VI.121   | 57a1-2    | 235.10-19     | 167      |        |
| VI.121   | 57a4-5    | 236.16-237.2  | 168      |        |
| VI.121   | 57a5-b1   | 237.2-8       | 169      |        |
| VI.121   | 57b3      | 238.3-9       | 170      |        |
| VI.121   | 57b3-4    | 238.9-14      | 171      |        |
| VI.121   | 58a3      | 240.7         | 172      |        |
| VI.122   | 58a4      | 240.14-17     | 173      |        |
| VI.126   | 59a1-2    | 244.1-7       | 174      |        |
| VI.126   | 59a3-4    | 244.18-245.2  | 175      |        |
| VI.127   | 59a5-b1   | 245.15-246.7  | 176      |        |
| VI.127   | 59b4      | 247.3-8       | 177      |        |
| VI.128   | 60a4-5    | 249.7-14      | 178      |        |
| VI.130   | 61a1      | 252.7-12      | 179      |        |
| VI.130   | 61a4      | 253.6-9       | 180      |        |

| MA              | MABh MS         | MABh_LVP              | § of *LT | *LT MS |
|-----------------|-----------------|-----------------------|----------|--------|
| VI.131          | 61a4-5          | 253.9-254.11          | 181      |        |
| VI.131          | 61b2            | 254.7-11              | 182      |        |
| VI.132          | 61b3            | 254.17                | 183      |        |
| VI.134          | 62a4            | 257.11-15             | 184      |        |
| VI.135          | 62a4-5          | 257.15-258.9          | 185      |        |
| VI.136abc       | 62b2-3          | 259.5-7               | 186      |        |
| VI.137cd        | 62b5-63a2       | 261.1-4               | 187      |        |
| VI.138          | 63a3-4          | 262.7-10              | 188      |        |
| VI.139          | 63a4-b1         | 262.11-263.1          | 189      |        |
| VI.140          | 63b3            | 264.2-5               | 190      |        |
| VI.143          | 64a3            | 266.5-10              | 191      |        |
| VI.148          | 65a1-2          | 269.12-15             | 192      |        |
| VI.151          | 65b2            | 271.15-17             | 193      |        |
| VI.154          | 66a2-3          | 274.5-15              | 194      |        |
| VI.157 (VI.151) | 66b3-4 (65b2-3) | 274.5-15<br>(272.3-7) | 195      |        |
| VI.164          | 68b4-69a2       | 286.6-287.3           | 196      |        |
| VI.166          | 69a5            | 288.9-16              | 197      |        |
| VI.167          | 69b2-4          | 289.5-290.1           | 198      |        |
| VI.168          | 69b4-5          | 290.1-6               | 199      |        |
| VI.173          | 71a3-4          | 295.12-17             | 200      |        |
| VI.174          | 71a5            | 296.5-8               | 201      |        |
| VI.175          | 71a5-b1         | 296.9-12              | 202      |        |
| VI.175          | 70b3-4          | 297.14-17             | 203      |        |
| VI.175          | 70b4-5          | 297.19-298.6          | 204      |        |
| VI.176          | 71b5-72a1       | 298.12-18             | 205      |        |
| VI.178abc       | 72a5-b1         | 300.10-300.18         | 206      |        |
| VI.180          | 73a3            | 304.5-8               | 207      |        |
| VI.182          | 73a4            | 304.14-17             | 208      |        |
| VI.182          | 73b2-3          | 305.19-306.12         | 209      |        |
| VI.182          | 73b3            | 306.12-18             | 210      |        |

| MA       | MABh MS   | MABh_LVP     | § of *LT | *LT MS |
|----------|-----------|--------------|----------|--------|
| VI.182   | 74a1-3    | 308.6-309.1  | 211      |        |
| VI.188   | 74b2      | 311.6-9      | 212      |        |
| VI.189   | 74b3      | 311.15-18    | 213      |        |
| VI.198   | 75a3-4    | 315.3-6      | 214      |        |
| VI.207   | 75b3-4    | 318.5-10     | 215      |        |
| VI.208cd | 75b4      | 318.18-319.3 | 216      |        |
| VI.209   | 75b5-76a1 | 319.4-320.4  | 217      |        |
| VI.210ab | 76a2      | 320.5-6      | 218      |        |
| VI.210cd | 76a2      | 320.11-321.7 | 219      |        |
| VI.213   | 76b1-3    | 322.12-323.6 | 220      |        |
| VI.213   | 76b4-77a4 | 323.11-325.6 | 221      |        |
| VI.213   | 77a5      | 325.17-20    | 222      |        |
| VI.213   | 77b2      | 326.10-12    | 223      |        |
| VI.213   | 77b3      | 326.20-327.5 | 224      |        |
| VI.213   | 77b4      | 327.9-14     | 225      |        |
| VI.213   | 77b5-78a2 | 328.6-16     | 226      |        |
| VI.213   | 78a5-b1   | 330.7-11     | 227      |        |
| VI.213   | 78b1-2    | 330.12-17    | 228      |        |
| VI.213   | 78b4      | 331.18-19    | 229      |        |
| VI.213   | 79a1      | 332.10-12    | 230      |        |
| VI.213   | 79a2      | 333.4-5      | 231      |        |
| VI.213   | 79a4      | 333.12-334.2 | 232      |        |
| VI.213   | 79a5      | 334.3-17     | 233      |        |
| VI.213   | 79a5-b1   | 334.12       | 234      |        |
| VI.213   | 79b2-3    | 335.8-11     | 235      |        |
| VI.213   | 79b4      | 335.20-336.2 | 236      |        |
| VI.213   | 79b5-80a1 | 336.10-18    | 237      |        |
| VI.218   | 80a4      | 338.8-11     | 238      |        |
| VI.225ab | 80b5      | 341.10-11    | 239      |        |
| VI.226   | 81a1      | 342.2-5      | 240      |        |
|          |           |              |          | 13b2   |

| MA              | MABh MS   | MABh_LVP      | § of *LT | *LT MS |
|-----------------|-----------|---------------|----------|--------|
| VII             | 81a4-5    | 343.8-12      | 241      |        |
|                 |           |               |          | 13b2   |
| VIII.1          | 81a5-b2   | 344.3-15      | 242      |        |
| VIII.2          | 81b2-3    | 344.18-345.6  | 243      |        |
| VIII.2          | 81b4-82a1 | 345.6-346.2   | 244      |        |
| VIII.3          | 82a2-3    | 346.13-347.1  | 245      |        |
| VIII.4ab        | 82a5-b2   | 347.11-348.9  | 246      |        |
| VIII.4cd = IX.1 | 82b4      | 348.15-349.7  | 247      |        |
|                 |           |               |          | 13b4   |
| X.1             | 82b5-83a1 | 349.17-350.11 | 248      |        |
| XI.2,3          | 83a5-b1   | 351.12-352.2  | 249      |        |
| XI.4d, 5        | 83b2-3    | 352.11-353.3  | 250      |        |
|                 |           |               |          | 13b5   |
| XII.1           | 84a5-b1   | 355.8-11      | 251      |        |
| XII.1           | 84b1-2    | 355.12-19     | 252      |        |
| XII.4           | 85a2      | 357.20-358.3  | 253      |        |
| XII.6           | 85b3-4    | 360.9-16      | 254      |        |
| XII.8           | 86a3      | 362.6-9       | 255      |        |
| XII.9           | 86a3-4    | 362.9-16      | 256      |        |
| XII.9           | 86a5-b1   | 363.7-11      | 257      |        |
| XII.10          | 86b1-2    | 363.11-19     | 258      |        |
| XII.12          | 86b4-87a2 | 364.14-365.20 | 259      |        |
| XII.22          | 88a3      | 370.8-13      | 260      |        |
| XII.22          | 88a3-b2   | 370.7-377.2   | 261      |        |
| XII.23          | 88b2-3    | 372.5-9       | 262      |        |
| XII.23          | 88b4-89a2 | 372.16-373.20 | 263      |        |
| XII.24          | 89b1-4    | 375.9-376.12  | 264      |        |
| XII.26          | 90a4      | 378.10-20     | 265      |        |
| XII.26          | 90a5      | 379.1-3       | 266      |        |
| XII.26          | 90b2-3    | 379.12-20     | 267      |        |
| XII.26          | 90b3-4    | 379.20-380.8  | 268      |        |

| MA     | MABh MS   | MABh_LVP     | § of *LT | *LT MS |
|--------|-----------|--------------|----------|--------|
| XII.26 | 90b5      | 381.2–6      | 269      |        |
| XII.27 | 91a3–5    | 382.6–383.3  | 270      |        |
| XII.27 | 91b1–2    | 383.9–13     | 271      |        |
| XII.27 | 91b3–4    | 384.2–5      | 272      |        |
| XII.28 | 92a1      | 384.10–385.8 | 273      |        |
| XII.28 | 92a3–4    | 386.1–2      | 274      |        |
| XII.28 | 92a4–b1   | 386.8–20     | 275      |        |
| XII.28 | 92b1–2    | 386.20–387.6 | 276      |        |
| XII.28 | 92b3      | 387.11–17    | 277      |        |
| XII.29 | 93a4–5    | 389.16–390.5 | 278      |        |
| XII.30 | 93b4–5    | 391.13–17    | 279      |        |
| XII.30 | 94a1      | 392.1–3      | 280      |        |
| XII.30 | 94a1–2    | 392.3–11     | 281      |        |
| XII.31 | 94a4      | 393.5–10     | 282      |        |
| XII.31 | 94a5–b2   | 393.14–394.6 | 283      |        |
| XII.31 | 94b2–3    | 394.7–395.18 | 284      |        |
| XII.31 | 94b5–95a1 | 395.7–16     | 285      |        |
| XII.32 | 95a1–4    | 395.19–396.8 | 286      |        |
| XII.36 | 96a1      | 399.12–15    | 287      |        |
| XII.37 | 96a5      | 401.2–5      | 288      |        |
|        |           |              |          | 14a5   |
| XIII.3 | 98a2–3    | 407.10–18    | 289      |        |
| XIII.4 | 98a3      | 407.20–408.4 | 290      |        |
| XIII.4 | 98a4–5    | 408.12–17    | 291      |        |
| XIII.5 | 98b1      | 408.17–409.7 | 292      |        |
|        |           |              |          | 14a7   |

#### 4. Tibetan Notes on the VP

| VP      | § of *LT |      |
|---------|----------|------|
| ad v 4  | 1        |      |
| ad v 4  | 2        |      |
| ad v 10 | 3        |      |
| ad v 10 | 4        |      |
| ad v 10 | 5        |      |
| ad v 10 | 6        |      |
|         |          | 14b3 |

#### 5. Sanskrit Notes on the CŚT

| CŚ  | Tibetan (D) | Location of the Editions  | § of *LT | *LT MS |
|-----|-------------|---------------------------|----------|--------|
|     |             |                           | 1        |        |
|     | 30b7        | Suzuki 1994: 433.6        | 2        |        |
|     | 30b7–31a2   | Suzuki 1994: 433.7–16     | 3        |        |
|     | 31b4        | Suzuki 1994: 434.19–21    | 4        |        |
|     | 31b7–32a1   | Suzuki 1994: 434.31–435.6 | 5        |        |
| I.1 | 32a1–3      | Suzuki 1994: 435.7–14     | 6        |        |
| I.1 | 32a5–6      | Suzuki 2004: 435.26–8     | 7        |        |
| I.1 | 32b1–5      | Suzuki 1987: 2.13–3.1     | 8        |        |
| I.1 | 33a1–3      | Suzuki 1987: 3.13–21      | 9        |        |
| I.2 | 33b4        | Suzuki 1987: 5.12         | 10       |        |
| I.4 | 34b6–35a2   | Suzuki 1987: 8.1–12       | 11       |        |
| I.4 | 35a5–7      | Suzuki 1987: 9. 3–9       | 12       |        |
| I.5 | 35a7–b1     | Suzuki 1987: 9.10–17      | 13       |        |
| I.5 | 35b3–4      | Suzuki 1987: 10.1–5       | 14       |        |
| I.6 | 36a1–6      | Suzuki 1987: 10.24–11.17  | 15       |        |
| I.7 | 36b1–5      | Suzuki 1987: 12.3–20      | 16       |        |
| I.8 | 36b7–37a3   |                           | 17       |        |
| I.9 | 37b3–38a2   |                           | 18       |        |



| CŚ     | Tibetan (D) | Location of the Editions | § of *LT | *LT MS |
|--------|-------------|--------------------------|----------|--------|
| I.10   | 38a2–6      |                          | 19       |        |
| I.10   | 38b4–5      |                          | 20       |        |
| I.12   | 39a4–5      |                          | 21       |        |
| I.12   | 39a5–b1     |                          | 22       |        |
| I.14   | 40a1–2      |                          | 23       |        |
| I.14   | 40a4–5      |                          | 24       |        |
| I.15   | 40a5–b3     |                          | 25       |        |
| I.16   | 40b4–7      |                          | 26       |        |
| I.18   | 41b2        |                          | 27       |        |
| I.19   | 42b2–3      | Suzuki 1994: 2.3–7       | 28       |        |
| I.20   | 42b4–6      | Suzuki 1994: 10.1–3      | 29       |        |
| I.24   | 44a7–b1     |                          | 30       |        |
|        |             |                          |          | 15a8   |
| II.1   | 45a5        | Suzuki 1994: 15.6–9      | 31       |        |
| II.2   | 45b6        |                          | 32       |        |
| II.2   | 46a4        |                          | 33       |        |
| II.6ab | 47b6–48a1   |                          | 34       |        |
| II.9   | 49a3–b2     | Suzuki 1994: 20.15–22.14 | 35       |        |
| II.10  | 49b6–7      | Suzuki 1994: 24.8–13     | 36       |        |
| II.11  | 50a7–b2     | Suzuki 1994: 28.1–7      | 37       |        |
| II.14  | 51b1–4      |                          | 38       |        |
| II.16  | 52b3–5      |                          | 39       |        |
| II.18  | 52a7–b1     |                          | 40       |        |
| II.18  | 53b3–4      |                          | 41       |        |
| II.20  | 54a4–b1     |                          | 42       |        |
| II.21  | 54b5–6      |                          | 43       |        |
| II.22  | 54b6–55a7   |                          | 44       |        |
| II.23  | 55b3–6      |                          | 45       |        |
| II.24  | 56a2–4      |                          | 46       |        |
| II.24  | 56a5–6      |                          | 47       |        |

| CŚ     | Tibetan (D) | Location of the Editions | § of *LT | *LT MS |
|--------|-------------|--------------------------|----------|--------|
|        |             |                          |          | 15b3   |
| III.1  | 62b7        |                          | 48       |        |
| III.1  | 63a3–4      |                          | 49       |        |
| III.3  | 63b5–7      |                          | 50       |        |
| III.3  | 64a1–2      |                          | 51       |        |
| III.3  | 64a7–b4     |                          | 52       |        |
| III.5  | 65a5–6      |                          | 53       |        |
| III.6  | 65b1–5      |                          | 54       |        |
| III.6  | 65b5–7      |                          | 55       |        |
| III.9  | 66b7–67a1   |                          | 56       |        |
| III.9  | 67a4–5      |                          | 57       |        |
| III.9  | 67b1–2      |                          | 58       |        |
| III.10 | 67b3–6      |                          | 59       |        |
| III.10 | 67b6–68a5   |                          | 60       |        |
| III.12 | 69a1–3      |                          | 61       |        |
| III.14 | 70a5        |                          | 62       |        |
| III.16 | 70b6–7      |                          | 63       |        |
| III.17 | 71a4        |                          | 64       |        |
| III.17 | 71a4–6      |                          | 65       |        |
| III.17 | 71a6–b2     |                          | 66       |        |
| III.18 | 71b3–2      |                          | 67       |        |
| III.19 | 72a1–2      |                          | 68       |        |
| III.20 | 72a5–6      |                          | 69       |        |
| III.21 | 73a2–4      |                          | 70       |        |
| III.21 | 73a4–6      |                          | 71       |        |
| III.21 | 73a6–7      |                          | 72       |        |
| III.22 | 74a1–3      | Suzuki 1994: 32.10–13    | 73       |        |
| III.23 | 74a5–b1     | Suzuki 1994: 34.7–14     | 74       |        |
| III.24 | 75a2–4      | Suzuki 1994: 38.4–9      | 75       |        |
| III.25 | 75a7–b5     | Suzuki 1994: 40.1–12     | 76       |        |

| CŚ    | Tibetan (D) | Location of the Editions  | § of *LT | *LT MS |
|-------|-------------|---------------------------|----------|--------|
|       |             |                           |          | 16a1   |
| IV.2  | 76b2        | Suzuki 1994: 46.8–9       | 77       |        |
| IV.2  | 76b3–6      | Suzuki 1994: 46.10–12     | 78       |        |
| IV.2  | 76b6–77a1   |                           | 79       |        |
| IV.3  | 77a3–5      |                           | 80       |        |
| IV.4  | 77b1–2      |                           | 81       |        |
| IV.4  | 77b3–4      |                           | 82       |        |
| IV.5  | 77b4–5      |                           | 83       |        |
| IV.6  | 78a3–4      |                           | 84       |        |
| IV.10 | 80a1–5      |                           | 85       |        |
| IV.10 | 80a7–b3     |                           | 86       |        |
| IV.10 | 80b3–6      |                           | 87       |        |
| IV.10 | 80b6–7      |                           | 88       |        |
| IV.11 | 80b7–81a3   |                           | 89       |        |
| IV.12 | 81b1–3      |                           | 90       |        |
| IV.12 | 81b3–4      |                           | 91       |        |
| IV.13 | 82a2–5      |                           | 92       |        |
| IV.14 | 82b4–6      | Suzuki 1994: 50.12– 52.4  | 93       |        |
| IV.14 | 82b7–83a2   | Suzuki 1994: 52.7–12      | 94       |        |
| IV.14 | 83a2–4      | Suzuki 1994: 52.13–54.3   | 95       |        |
| IV.15 | 83b3–5      | Suzuki 1994: 56.9–14      | 96       |        |
| IV.16 | 83b6–7      | Suzuki 1994: 58.1–6       | 97       |        |
| IV.17 | 84a5–6      | Suzuki 1994: 60.2–3       | 98       |        |
| IV.17 | 84b2–6      | Suzuki 1994: 60.12– 62.10 | 99       |        |
| IV.18 | 85b3        |                           | 100      |        |
| IV.19 | 85b4–6      |                           | 101      |        |
| IV.21 | 87a2–3      |                           | 102      |        |
| IV.22 | 87a7–b5     |                           | 103      |        |
| IV.22 | 87b5–6      |                           | 104      |        |
| IV.24 | 88a5–6      | Suzuki 1994: 66.14–15     | 105      |        |

| CŚ          | Tibetan (D) | Location of the Editions       | § of *LT | *LT MS |
|-------------|-------------|--------------------------------|----------|--------|
| IV.25       | 89a1-3      | Suzuki 1994: 70.10-15          | 106      |        |
|             |             |                                |          | 16a7   |
| V.1         | 90a6-b3     | Suzuki 1994: 78.4-15           | 107      |        |
| V.2         | 90b7-91a1   | Suzuki 1994: 80.14-19          | 108      |        |
| V.3         | 92a2-7      | Sasaki 1977: 69.4-24           | 109      |        |
| V.5         | 94a3-6      | Sasaki 1977: 72.29-73.8        | 110      |        |
| V.5         | 94a7-b1     | Sasaki 1977: 73.16-22          | 111      |        |
| V.6         | 95a2-5      | Sasaki 1977: 74.30-32          | 112      |        |
| V.7         | 95b2-6      | Sasaki 1977: 75.28-76.13       | 113      |        |
| V.8         | 96a5-7      | Sasaki 1977: 77.13-21          | 114      |        |
| V.9         | 96b1-2      | Sasaki 1977: 78.4-6            | 115      |        |
| V.10        | 97a4-6      | Sasaki 1977: 79.15-23          | 116      |        |
| V.11        | 97a7-b1     | Sasaki 1977: 79.33- 80.7       | 117      |        |
| V.11        | 97b4-6      | Sasaki 1977: 80.21-28          | 118      |        |
| V.13 (V.12) | 98a5-6      | Sasaki 1977: 82.2-7 (81.25-30) | 119      |        |
| V.13        | 98b1-4      | Sasaki 1977: 82.16-25          | 120      |        |
| V.15        | 99a1-4      | Sasaki 1977: 83.19-32          | 121      |        |
| V.16        | 99a7-b4     | Sasaki 1977: 84.11-31          | 122      |        |
| V.16        | 99b4-100a3  | Sasaki 1977: 84.32-85.19       | 123      |        |
| V.17        | 100b1-5     | Sasaki 1977: 86.23-87.1        | 124      |        |
| V.17        | 100b5-101b4 | Sasaki 1977: 87.2-88.20        | 125      |        |
| V.17        | 101b5-7     | Sasaki 1977: 88.23-35          | 126      |        |
| V.18        | 102a5-6     | Sasaki 1977: 89.21-25          | 127      |        |
| V.20        | 103a1-2     | Sasaki 1977: 91.9-14           | 128      |        |
| V.21        | 103b1-2     | Sasaki 1977: 92.16-19          | 129      |        |
| V.23        | 104a4-b5    | Sasaki 1977: 94.19-95.12       | 130      |        |
| V.23        | 104b7-105a3 | Sasaki 1977: 95.20-33          | 131      |        |
| V.23        | 105a3-5     | Sasaki 1977: 95.33-39          | 132      |        |
| V.24        | 105a6-7     | Sasaki 1977: 96.5-8            | 133      |        |
| V.25        | 106a2-3     | Sasaki 1977: 97.14-20          | 134      |        |

| CŚ      | Tibetan (D) | Location of the Editions | § of *LT | *LT MS |
|---------|-------------|--------------------------|----------|--------|
|         |             |                          |          | 16b8   |
| VI.1    | 106b7–107a6 |                          | 135      |        |
| VI.1    | 107a6–b2    |                          | 136      |        |
| VI.1    | 107b3–5     |                          | 137      |        |
| VI.1    | 107b5–7     |                          | 138      |        |
| VI.1    | 107b7–108a3 |                          | 139      |        |
| VI.2    | 108a3–b3    |                          | 140      |        |
| VI.2, 3 | 108b3–109a6 |                          | 141      |        |
| VI.6    | 110a7       |                          | 142      |        |
| VI.6    | 110b1–4     |                          | 143      |        |
| VI.7    | 111a6–b2    |                          | 144      |        |
| VI.9    | 112b1–5     |                          | 145      |        |
|         |             |                          | 146      |        |
| VI.12   | 113b4–5     |                          | 147      |        |
| VI.12   | 113b7–114a1 |                          | 148      |        |
| VI.13   | 114a2–b2    |                          | 149      |        |
| VI.13   | 114b3–4     |                          | 150      |        |
| VI.15   | 115a5–6     |                          | 151      |        |
| VI.16   | 115b2–4     |                          | 152      |        |
| VI.17   | 116a1–3     |                          | 153      |        |
| VI.18   | 116a5–7     |                          | 154      |        |
| VI.19   | 116b3–5     |                          | 155      |        |
| VI.19   | 116b5–117a3 |                          | 156      |        |
| VI.22   | 118a3–7     |                          | 157      |        |
| VI.23   | 118b1–3     |                          | 158      |        |
| VI.23   | 119a3       |                          | 159      |        |
| VI.24   | 119a3–5     |                          | 160      |        |
| VI.25   | 119b3       |                          | 161      |        |
| VI.25   | 120a2–4     |                          | 162      |        |
|         |             |                          |          | 17a6   |

| CŚ     | Tibetan (D) | Location of the Editions  | § of *LT | *LT MS |
|--------|-------------|---------------------------|----------|--------|
| VII.1  | 120a6–b3    |                           | 163      |        |
| VII.1  | 120b4–7     |                           | 164      |        |
| VII.2  | 121a1–4     |                           | 165      |        |
| VII.3  | 121a6–7     |                           | 166      |        |
| VII.4  | 121b5–7     |                           | 167      |        |
| VII.5  | 122a7–b2    |                           | 168      |        |
| VII.5  | 122b2–6     |                           | 169      |        |
| VII.6  | 123b3–4     |                           | 170      |        |
| VII.7  | 123b4–124a1 |                           | 171      |        |
| VII.8  | 124a4–b1    |                           | 172      |        |
| VII.8  | 125a1–2     | Suzuki 1994: 84.5–7       | 173      |        |
| VII.9  | 125a3–4     | Suzuki 1994: 84.12–16     | 174      |        |
| VII.9  | 125a5–b2    | Suzuki 1994: 86.5–14      | 175      |        |
| VII.10 | 125b3–5     | Suzuki 1994: 88.1–10      | 176      |        |
| VII.11 | 125b7–126a2 | Suzuki 1994: 90.1–8       | 177      |        |
| VII.14 | 126b6       | Suzuki 1994: 94.13–14     | 178      |        |
| VII.15 | 127a7–b4    | Suzuki 1994: 98.1–11      | 179      |        |
| VII.16 | 127b7–128a4 | Suzuki 1994: 100.5–17     | 180      |        |
| VII.17 | 128a4–b2    | Suzuki 1994: 102.1–12     | 181      |        |
| VII.19 | 128b7–129a3 | Suzuki 1994: 104.17–106.5 | 182      |        |
| VII.19 | 129a3–5     | Suzuki 1994: 106.5–13     | 183      |        |
| VII.21 | 130a5–7     |                           | 184      |        |
| VII.23 | 130b35      |                           | 185      |        |
|        |             |                           |          | 17b2   |
| VIII.1 | 132a3–4     |                           | 186      |        |
| VIII.1 | 132b2–4     | Suzuki 1994: 113.13–22    | 187      |        |
| VIII.2 | 132b67      | Suzuki 1994: 114.2–3      | 188      |        |
| VIII.5 | 134a4–5     | Suzuki 1994: 120.5–8      | 189      |        |
| VIII.6 | 134b5–135a1 | Suzuki 1994: 122.12–20    | 190      |        |
| VIII.7 | 135b2–4     | Suzuki 1994: 126.4–9      | 191      |        |

| CŚ      | Tibetan (D) | Location of the Editions   | § of *LT | *LT MS |
|---------|-------------|----------------------------|----------|--------|
| VIII.12 | 137b4–5     | Suzuki 1994: 136.6–8       | 192      |        |
| VIII.13 | 138a2–5     | Suzuki 1994: 138.1–8       | 193      |        |
| VIII.16 | 139a3–6     |                            | 194      |        |
| VIII.17 | 139b6–140a1 |                            | 195      |        |
| VIII.18 | 140b2–5     |                            | 196      |        |
| VIII.18 | 141a3       |                            | 197      |        |
| VIII.18 | 141a5–6     |                            | 198      |        |
| VIII.20 | 142a3–b1    | Suzuki 1994: 146.4–16      | 199      |        |
| VIII.21 | 142b4–7     | Suzuki 1994: 148.9–18      | 200      |        |
| VIII.22 | 142b7–143a3 | Suzuki 1994: 148.19–150.5  | 201      |        |
| VIII.22 | 143a3–5     | Suzuki 1994: 150.6–8       | 202      |        |
| VIII.23 | 143b2–3     | Suzuki 1994: 152.10–14     | 203      |        |
| VIII.24 | 143b3–7     | Suzuki 1994: 152.18–154.7  | 204      |        |
| VIII.25 | 145a1       | Suzuki 1994: 159.20–24     | 205      |        |
|         |             |                            |          | 17b5   |
| IX.1    | 145b2–6     | Suzuki 1994: 164.3–16      | 206      |        |
| IX.1    | 146a3–4     | Suzuki 1994: 166.10–13     | 207      |        |
| IX.1    | 146a6–b3    | Suzuki 1994: 168.6–18      | 208      |        |
| IX.1    | 146b3–5     | Suzuki 1994: 168.19–170.3  | 209      |        |
| IX.1    | 147a1–6     | Suzuki 1994: 172.1–13      | 210      |        |
| IX.2    | 147a6–b6    | Suzuki 1994: 172.14–174.17 | 211      |        |
| IX.7    | 150a6–7     | May 1981: 92.14–18         | 212      |        |
| IX-9    | 151a3–4     | May 1981: 94.3–6           | 213      |        |
| IX.20   | 155a4       | May 1982: 72.3–6           | 214      |        |
| IX.20   | 155b3–5     | May 1982: 72.32–39         | 215      |        |
| IX.20   | 156a1–2     | May 1982: 73.11–20         | 216      |        |
| IX.22ab | 156b3–157a2 | May 1984: 136.24–137.15    | 217      |        |
| IX.23ab | 157a4–6     | May 1984: 137.22–138.6     | 218      |        |
| IX.25   | 158a1–4     | Suzuki 1994: 188.8–190.7   | 219      |        |
|         |             |                            | 220      |        |

| CŚ      | Tibetan (D) | Location of the Editions    | § of *LT | *LT MS |
|---------|-------------|-----------------------------|----------|--------|
|         |             |                             |          | 18a1   |
| X.1     | 158b2–3     | Suzuki 1994: 192.3–10       | 221      |        |
| X.1     | 158b3–7     | Suzuki 1994: 192.10–22      | 222      |        |
| X.6     | 161b4–5     | Sasaki & Uno 1985: 32.2–11  | 223      |        |
| X.11ab  | 163b5–164a3 | Suzuki 1994: 206.1–14       | 224      |        |
| X.12    | 164b1–4     | Suzuki 1994: 208.11–210.3   | 225      |        |
| X.13ab  | 164b6–165a2 | Suzuki 1994: 210.10–212.3   | 226      |        |
| X.14    | 165a4–b2    | Suzuki 1994: 212.10–214.7   | 227      |        |
| X.15    | 165b3–7     | Suzuki 1994: 214.10–21      | 228      |        |
| X.20    | 168a6–7     |                             | 229      |        |
|         |             |                             |          | 18a4   |
| XI.1    | 171b5–172a2 |                             | 230      |        |
| XI.9    | 174b4–7     | Suzuki 1994: 226.17–228.7   | 231      |        |
| XI.11   | 175b2–3     | Suzuki 1994: 230.18–21      | 232      |        |
| XI.11   | 175b3–6     | Suzuki 1994: 232.1–9        | 233      |        |
| XI.11   | 175b6–175a3 | Suzuki 1994: 232. 9–16      | 234      |        |
| XI.11   | 176b2–3     | Suzuki 1994: 236.1–3        | 235      |        |
| XI.14cd | 177a4–7     |                             | 236      |        |
| XI.15   | 177b4–5     |                             | 237      |        |
| XI.25   | 182b4–5     |                             | 238      |        |
|         |             |                             |          | 18a6   |
| XII.1?  | 183b7–184a2 | Tillemans 1990: 3.9–17      | 239      |        |
| XII.4   | 186a3–b1    | Suzuki 1994: 246.1–13       | 240      |        |
| XII.7   | 188a1–3     | Suzuki 1994: 256.1–8        | 241      |        |
| XII.8   | 188a6–b2    | Suzuki 1994: 258.1–4        | 242      |        |
| XII.11  | 189a7–b3    | Suzuki 1994: 262.8–18       | 243      |        |
| XII.13  | 190b5–191a7 | Suzuki 1994: 268.14–270.16  | 244      |        |
| XII.15  | 191b5–6     | Suzuki 1994: 272.16–19      | 245      |        |
| XII.16  | 192a5–6     | Tillemans 1990: 48.11–16    | 246      |        |
| XII.18  | 192b4–193a4 | Tillemans 1990: 49.13–50.18 | 247      |        |



| CŚ      | Tibetan (D) | Location of the Editions    | § of *LT | *LT MS |
|---------|-------------|-----------------------------|----------|--------|
| XII.19  | 193a7–b2    | Tillemans 1990: 51. 12–52.6 | 248      |        |
|         |             |                             |          | 18a8   |
| XIII.1  | 195a7–196a1 | Tillemans 1990: 62.17– 63.5 | 249      |        |
| XIII.1  | 196b5–7     | Tillemans 1990: 64.19–66.4  | 250      |        |
| XIII.1  | 197a1–5     | Tillemans 1990: 65.6–66.4   | 251      |        |
| XIII.1  | 197b5–7     | Tillemans 1990: 67.10–17    | 252      |        |
| XIII.1  | 197b7–198a4 | Tillemans 1990: 67.18– 68.8 | 253      |        |
| XIII.2  | 198a4–5     | Tillemans 1990: 68.9–16     | 254      |        |
| XIII.7  | 199b4–6     | Tillemans 1990: 74.5–16     | 255      |        |
| XIII.8  | 200a3–5     | Tillemans 1990: 76.1–8      | 256      |        |
| XIII.8  | 200a5–6     | Tillemans 1990: 76.9–13     | 257      |        |
| XIII.10 | 200b6–201a3 | Tillemans 1990: 78.15–80.13 | 258      |        |
| XIII.11 | 201a6–b1    | Tillemans 1990: 81.7–14     | 259      |        |
| XIII.12 | 202a4–6     | Tillemans 1990: 84.6–13     | 260      |        |
| XIII.14 | 203a3–5     | Suzuki 1994: 278.4–13       | 261      |        |
| XIII.15 | 203a5–b1    | Suzuki 1994: 278.15– 280.5  | 262      |        |
| XIII.19 | 204b2–5     | Suzuki 1994: 284.18–286.10  | 263      |        |
| XIII.21 | 205a5–7     | Suzuki 1994: 290.6–11       | 264      |        |
| XIII.25 | 208a5–7     | Suzuki 1994: 304.15–19      | 265      |        |
|         |             |                             |          | 18b2   |
| XIV.1   | 209a3–b1    | Suzuki 1994: 312.6–20       | 266      |        |
| XIV.4   | 211a6–b4    | Suzuki 1994: 322.1–13       | 267      |        |
| XIV.4   | 211b4–212a2 | Suzuki 1994: 322.14–324.9   | 268      |        |
| XIV.7   | 213a6–b1    | Suzuki 1994: 330.4–11       | 269      |        |
| XIV.6   | 212b5–6     | Suzuki 1994: 328.1–5        | 270      |        |
| XIV.8   | 213b1–5     | Suzuki 1994: 330.12–332.3   | 271      |        |
| XIV.10  | 214a3–b1    | Suzuki 1994: 334.1–14       | 272      |        |
| XIV.21  | 217a2–7     | Suzuki 1994: 348.17–350.11  | 273      |        |
| XIV.21  | 218a7–b2    | Suzuki 1994: 354.4–11       | 274      |        |
|         |             |                             |          | 18b5   |

| CŚ         | Tibetan (D) | Location of the Editions   | § of *LT | *LT MS |
|------------|-------------|----------------------------|----------|--------|
| XV.2       | 222b1–3     | Johnson 2012: 36.15–37.8   | 275      |        |
| XV.5       | 223a3–5     | Johnson 2012: 39.4–11      | 276      |        |
| XV.13      | 225b5–7     | Johnson 2012: 47.12–21     | 277      |        |
| XV.15      | 226b2–4     | Johnson 2012: 50.6–14      | 278      |        |
| XV.19      | 227b7–228a2 | Suzuki 1994: 364.1–6       | 279      |        |
| XV.20      | 228a2–5     | Suzuki 1994: 364.9–19      | 280      |        |
| XV.21      | 228a5–b1    | Suzuki 1994: 366.1–11      | 281      |        |
| XV.22      | 228b1–2     | Suzuki 1994: 366.12–17     | 282      |        |
| XV.25      | 229a2–b2    | Suzuki 1994: 370.10–372.14 | 283      |        |
|            |             |                            |          | 18b7   |
| XVI.1      | 230b3       | Suzuki 1994: 380.2–381.6   | 284      |        |
| XVI.2      | 31a1–4      | Suzuki 1994: 382.4–10      | 285      |        |
| XVI.6 (?)  | 232a5–6     |                            | 286      |        |
| XVI.12 (?) | 234a3–4     |                            | 287      |        |
|            |             |                            |          | 18b7   |

○Appendix B) Diplomatic Transliteration of the \*LT

Symbols used:

|     |                                              |
|-----|----------------------------------------------|
| *   | <i>virāma</i>                                |
| « » | interlinear insertion                        |
| —   | erased <i>akṣara(s)</i> , e.g., <del>॥</del> |
| { } | superfluous <i>akṣara(s)</i>                 |
| [ ] | damaged <i>akṣara(s)</i>                     |
| ( ) | restored <i>akṣara(s)</i>                    |
| +   | one lost <i>akṣara</i>                       |

*Sanskrit Notes on the Pras*

- [1b1] <sup>1</sup> namo buddhāya || nāgaś cāsau «buddhāryanāgārjunavacya+»<sup>2</sup> śuklatvād  
arjunaś ceti nāgārjunaḥ śeṣo nāgaḥ sa iva nāgārjuno pi | antadvayaṁ  
śāśvatecchedai | aeei«labdhi»jāte ca | sambuddhadhīr bbodhicittaṁ || darśanaṁ  
śūnyatādrṣṭiś ca tejāmsi prabhāvāḥ | nāge paravādimataṁ  
śakratvenābhimataṁ | tamāmsi ajñāni yasya darśanety ādiśloke nāgārjuneṣv  
eva vā yojyaḥ | tadā tamāmsi kimbhūtāni mānasāni || athavā arjunaḥ pāṇḍavaḥ  
| nāgaḥ śre=
- [1b2] ṣṭhaḥ | arjunāt\* śreṣṭho nāgārjunaḥ | asamajñānaṁ | tadvatthānivacanāny eva  
saraughāḥ | bhavaḥ saṁsāraḥ sa evāris tasya śenāmārādayaḥ | śivonā  
tasyāriśenārjunena nirjitā | rākṣaśrīr buddhatvaṁ nrpatvañ ca | tac ca  
yudhisthirasya dattaṁ satī pratīkriyā kleśakṣayopāyamānrgī yasmin vākye  
~~negre~~ tena grathitāṁ vidheneti karuṇā 'dvayajñānaṁ | bodhicittaṁ cety uktaṁ  
| tatra tadvad atrāpi | prathamacittotpādaṁ |
- [1b3] prathamabhūmiṁ | yāvad ity uktai | prajñāpāramitānītiṁ jñātvā śāstraṁ kṛtam  
ity arthaḥ | tatasvabhāveti | pratīyasamutpādasvabhāvaḥ | apekṣāyām  
apekṣārūpāyā yas tu bhāviveko dūṣaṇam abhidhatte | tasyākauśalam eva tāvata  
sambhāvya iti sambandhaḥ kāryaḥ | eke iti buddhapālitaḥ | anye iti kaściṭ  
ṭīkākāraḥ | eke ānye ity ākhyā{m}m uktaapakṣadvayam evoktaṁ | tene=
- [1b4] ti kāraṇena | anūdyā bhāviveko dūṣaṇam āha | etac cāyuktam iti | ubhayor api  
pakṣayo vīpsoktety anūdyā tayo vīpsayor atrāpi sambandhābhāvāḥ ity apara

<sup>1</sup> This *siddha* mark, usually found in the beginning of each *recto* folio, is omitted below, except for in the beginning of the text.

<sup>2</sup> Written in Tibetan *dBu med* script.

- ity anenātmānaṁ nirddiśati candrakīrttiḥ | abhimatas tu prathamoktapakṣa  
evāsyā | avyutpanna evāyam araṇyetilakāśabdaḥ tilā dha(?) eva tilakāḥ |  
ekahetur īśvaraḥ | viśamahetun nityānityahetutvaṁ |
- [1b5] svety ātmanaivātmahetutvaṁ | siddhyabhāvam iti kadācid utpādānantaraṁ  
nirodho nirodhāntaram vā vināśaḥ | amṛta eva sann utpadyeta pūrvam  
maraṇādyabhāvāt\* | seti upapattiḥ | parato py utpāde ava ety abhisambandhaḥ  
| tasmāt\* svabhāvāt asya | svabhāvam paraguṇa iti vidyamānatvāt\* | ityādineti  
madhyamakāvatāragranthena | atraika iti bhāvi=
- [1b6] vekaḥ prasaṅgetyādi sāphalyād ityantam ekaḥ pakṣaḥ prasaṅgaviparyayeṇa  
viparītasya sādhyasya vyaktiniṣpattiḥ tasmin asati | parasmād vāpannā bhāvā  
iti syāt\* | niṣpannasyāpi punaḥ ꣳ punarjanma syād ity uktasyāniṣṭhānasya  
niṣedhān niṣṭhānaṁ syād utpādasya paryasyāsyāt\* | bhāvivekaḥ kila  
svatantrasānavādī vāyam iti candrakīrttiḥ | ācārya iti bhāvivekaḥ pratyakṣā=
- [1b7] dipratītaiḥ arthaiḥ karaṇabhūtaiḥ kiñcita pravartte nivartteyaṁ vā |  
adhyātmikānīti | adhyātmanaḥ | pradhānatvād uktaṁ |  
parapratijñānirākaraṇaṁ tu mādhyamikasya yujyate | ubhayasiddhānumānena  
| anumānena virodhacodanāyāṁ tasyānumānasya pakṣādibhir bhāvyaṁ\* |  
kimbhūtaiḥ pakṣādīnām apakṣātmā doṣas tena rahitaiḥ | tadanabhidhānāt\*  
pakṣādyana=
- [2a1] bhidhānāt\* | taddoṣaḥ pakṣādidoṣaḥ | tasmāt apareṇaiva  
svapratijñātārthasādhanaṁ hetuḍṣṭāntādibhir upādeyaṁ nāsmābhiḥ | atha so  
pi pare vinā hetvādibhiḥ paraṁ pratipādayiṣyatīty āha | tac cāyam ityādi ||  
tatra yathetyādinā paraprakriyāyām apy ayaṁ pratīkāro stīti kathayati  
paroktadoṣāparihārād iti pakṣaṁ dūṣayann āha || paroktetyādi ghaṭo  
ḍṣṭāntīkrto na ghaṭādi«s tena ghaṭādi»r anaikāntikatetyāha ||
- [2a2] ghaṭet\*tyādi | anya iti | pūrvaprayogāt\* buddhapālitasyaivāpara ity arthaḥ |  
puruṣa ātmā | tata eva svarūpād eva na bādhaka ity utpādyasyānirddiṣṭatvāt\* |  
tathāvy utpādaśabdenātrābhivyaktir ucyate | nipātya niyojya | utpādo hi  
pūrvam anupalabdhaḥ paścād upalabhyate || tathābhivyaktir apīti  
sādharmyaṁ kathaṁ punar ayam ukta prayoge ayaṁ vicāro jñāyatām |  
saṁkīrttatvād ity āha | arthapradhānatvād arthavākyāni
- [2a3] nikaṛākaroti smety asya vinetyādi nety antena sambandhaḥ || ākāśalakṣaṇāt\* |

pūrvam ākāśa nāman~~stu~~ nāsty eva | yadi syāt tadā «'»lakṣaṇam prasajyeteti  
 prasaṅgaḥ | rūpakāraṇam {prthivyādi}prthivyādirahitam yadi rūpaṁ syāt\* |  
 ahetakam evāhetukaṁ syād iti prasaṅgaḥ svārthe'ṇa | nirvāṇam api kalpitam  
 ity āha | yadi bhāvarūpaṁ nirvāṇam syā tadā jarāmaraṇalakṣaṇam tad bhaved  
 iti pra=

- [2a4] saṅgaḥ | tārkkikasyeti | bhāvivekasya | prayogavākyaṁ | sādhanaprayogaḥ |  
 etata īdṛśaṁ | ādhāracakṣurādīḥ | sa tatvato na siddha ity asiddhādhāraḥ  
 viparyāso bhrāntis tanmātreṇāsāditātmabhāvaḥ | sya ghaṭāde ddharmmiṇa  
 utpattir nāstīty ukte tasya pracyutir abhāvo 'ṅīkṛtā | ato na dṛṣṭāntoena  
 sahāsyā 'śadṛśatā | yatu viparyāsāviparyāsāv anyonyavyava=
- [2a5] cchedasthitau | satvād iti sāmkyam prati bhāvivekenoktam |  
 asiddhārthatodbhāvanety asiddhatvaṁ | itthañ ceti viśeṣodbhāvanam santy  
 evetyādināsāṅga āha | svata iti sāmkyasya pratyayatvaṁ kāraṇatvaṁ | tasya  
 nirākaraṇāt\* | sadādirupakāryam na niṣpadyate | vastudharmatvenopanyastāḥ  
 sāmkyena he{tu}tvādatyo yatra | svata eveti sāmkyasya | anena vicareṇa sām=
- [2a6] khyasya hetavaḥ | bhāvikasya ca tathetyādinoktahetuvo viḥanyante ghaṭasyeti  
 | ghaṭānujanyeti śeṣaḥ | asiddhava~~ta~~am iti viśeṣa bhāvikasya uktavicāreṇa  
 svasyaivāto boddhā | anena bhāvivekena pareti sāmkyah kim uktam ityāha |  
 athetyādi tatvato 'siddho yaṁ hetuḥ | svakṛteti bhāvivekakṛtaṁ | sabhāgam  
 savyāpāraṁ savijñānakam ity arthaḥ | tatsabhāgam avyāpāraṁ | svarūpa=
- [2a7] vad iti rūpasyaiva ghaṭādīḥ || sann apy athavābhivyaktirūpeṇotpadyata ity āha  
 | ghaṭādīnām ityādi || tathānabhīdhānāt\* | ghaṭādīty anabhīdhānāt\* |  
 adhyātmikānīty abhīdhānāc ca || āgamabādhācintāyām api na tathāivety āha |  
 tathā hīti yadi nāmeti yady arthe | nāmābhyupagame vā | yato 'vaśyam  
 kutaścita kasya cid utpattir bhavati | tena prācyuke utpadye bhāvapakṣaḥ ||
- [2b1] sādhanadūṣaṇānantahpātitvād iti | na sādhanam nāpi dūṣaṇam ity arthaḥ |  
 ahetor īśvarādeḥ | kāryam notpadyata iti pratipādanārtham ahetuta ity uktam  
 ity āha | yac cāpīty artha jñānaviśayasvābhāvā utpādādayo naiva | yo  
 yathopaddiṣṭam śūnyatām jñāti | sa nītārthetyādi jñatī jñāti sāradyām  
 stambhitatvaṁ veditaṁ vedanā | veditavyam iti bādhāpāṭhaḥ | tayo  
 nirodhasamāpattiṁ | anayoḥ saṁsāra{«da»}pravṛtau mukhyatvan nirdeśaḥ |
- [2b2] anupādāyeti | tṛṣṇādyupādānam hatvā dharm~~ma~~arṣato anupanītaḥ | asati

- viparyāsaḥ | sadrūpatvāropaḥ | karmadhārayovāca | puruṣa ity ātmāpi syāta  
 ataḥ pudgala ity āha | sarvadharmmaiḥ śūnyatvādibhir mukto bahiḥkṛtaḥ |  
 tena moha ity ucyate | mukhyatāśreyaḥ | tac cātrākāśaṁ | naraka«mukham  
 iva» mukhaṁ yeṣāṁ sarvadharmmāṇāṁ yathā narakā ākāśāśrayās tathā  
 sarvadharmā apīty arthaḥ | sarvabuddhadharmmadhāraṇād dhāraṇīpadaṁ |  
 [2b3] prajñāpāramitāṁ svabhāvasambhūtāḥ svarūpeṇaiva sthitāḥ yamaloka pretāḥ  
 kharāṁ ityānāṁdi kāyikīm | uttarīty avyayam uttaraṁ | strīnimittam  
 mukhādivaiśiṣṭyaṁ | tata ity avyayaṁ | tac chabdārthe indriyaṁ manaḥ  
 ākāśasthite nānālabanena | anubhava iti | bījādibhya evāṅkusyotpa{vi}ttir ity  
 eṣaḥ | idānīm iti prathamaprakaraṇānantaraṁ viśeṣyā karaṇam eva kim artha  
 ity a=  
 [2b4] tra pratipādanārtham iti sambandhaḥ | laukika eva pramāṇaprameyavyahāro  
 yukto na pāramārthika ity asmin\* pakṣe āha | athetyādi | asmābhi  
 dignāgādibhiḥ | tad anuvarṇanasya ha«pha»laṁ vācyam ity atrāryaḥ  
 kutārkkikair iti dignāgaḥ sa iti vyavahāraḥ | lakṣye dhūmād vahnipratītau  
 lakṣam iti prameyaṁ | tadaparam iti | sāmānyaviśeṣalakṣaṇadvayāta | api ce=  
 [2b5] tyādi | svalakṣaṇaṁ svasaṁvedyarūpatvaṁ | tadvyatirekeṇāsiddham jñānaṁ  
 lakṣabhūtaṁ | nāhetukacittasya dhāreti śeṣaḥ | cittasya kartṛtvam ity ukte  
 arthāc cittānāṁ karaṇatvam uktaṁ | karaṇādītyādi | śabdena kartṛtvam  
 anavadhāraṇād iti | ātmanaḥ kartṛtvam tatra cāritaṁ na tu cittasyāpi | etac  
 coktaṁ madhyamakāvatāra iti | tatraivāvacyāro 'tra nokta iti veśe=  
 [2b6] ṣaḥ svalakṣaṇam iti khakkhaṭitvaṁ | śarīram ity ukte | buddhyādi  
 sahabhāvipadārthāntarasāpekṣatā bhataṁ | ākāṁkṣa iti pratibhūtipattā |  
 yady api prastute nāsti anyagataṁ tu vidyata eva śarīrādilakṣeti | pṛthivyādi |  
 yathā | avidyamāne pi pudgale rūpādyupādānā pudgalaprajñapti tadvat\* śarīm  
 upādānaṁ kṛtvā | śīlāputraka upādātā upādīyate prajñāpyate | āyukta=  
 [2b7] m iti viśeṣaṇābhāve pi viśeṣaṇaviśeṣabhāva iti na yuktaṁ |  
 saṁvyavahārasiddhasya viśeṣaṇasya bhāvād eva yady avicāśara<sup>1</sup> saṁvṛtinā  
 bhava tadā tvam eva na bhavet\* | tata upapatyā na viyujyeta |  
 prameyadvayasyānavasthānād anekaprameyabhasambhavaḥ | āgamādeḥ  
 pramāṇāntaratvaṁ yuktaṁ | kiñca pramāṇalakṣaṇam ayuktaṁ avyapitvāt\* |

<sup>1</sup> This erased "sa" seems to be halfly written.

yato loke ghaṭapratya=

- [3a1] kṣa ucyate | tvayā tv ācārya vyavahāreṇa jñānam kārye ghaṭe kāraṇopacāraṁ  
pratyakṣanīlādinimitopacāraṁ || naivam ity ācāryaḥ | āśrayasyeti ghaṭarūpasya  
| madhuraṁ iti rasaḥ | mṛdv iti sparśaḥ | yathā tu sa eva dagdho 'gnir ity ucyate  
| ubhayādhīnendriyaviṣayau | āśrayasyeti | cakṣuṣaḥ || tadvikāreti  
cakṣurvīkāraḥ | artham arthaṁ pravartata iti | artha eva yadi nāma varttata  
ity arthaḥ | naitad ity ācāryaḥ |
- [3a2] bheda iti cakṣurvijñānam ity ukte manovijñānavyavacchedo bhavati |  
vikarṇṇyāta sakāśāt\* | tadviśeṣasya «pratyakṣasya» yo bhedas tasya  
asādhāraṇakāraṇena akṣam akṣaṁ pravartate ity anena | pratigatam asminn iti  
vyutpaty api vikalpādbhe«daḥ siddha»ḥ | vikasyāspaṣṭatvāt\* |  
salakṣaṇāpravr̥tteḥ | aprastutatvād iti paramārthāpekṣāyoktatvena  
vyavahārānaṅgatvāt\* | kalpanāpoṭam āgama evoktam ity āha
- [3a3] cakṣur ity āha | jaḍatveti | yathābhūtānavabodhāt\* «lakṣam iti» | prameyaṁ tac  
ca svalakṣaṇaṁ | sāmānyalakṣaṇam vā | tadviśayeṇa | etata  
upamayābhidarśitaṁ teṣāṁ buddhānāṁ satyana kaścid asti yo jānāti | tānīti  
pramāṇāni | ekāṅgeti | svataḥ pakṣaḥ dharmmaḥ kāyabhūtaḥ |  
ālambanapratyayo vijñāna eva | hetor nirodho vaibhāṣikeṇotpatipratyaya  
uktaḥ | ti=
- [3a4] miradhipatyena keśaṇḍūkadarśanam iti adhipatiḥ parojātaḥ kusūlastho yaḥ  
paramparayā janayati | sahetau | sa«ha»jāta || sahabhū vaiṣikeṇoktaḥ |  
sadhāmyo nyādhipatyena paścājjāta maraṇādhipatyena nāśātāṅkuḥ |  
hetupratyayānāṁ pareṇa | sāmāgrīvastubhūtā janikeṣṭā nirhetukatvam iti |  
yady asti svabhāvas tadā hetunā kiṁ |
- [3a5]<sup>1</sup> kartavyaṁ\* | svabhāvotpādanārthaṁ hetur anvīṣyate |  
vyavahāramātreṇoktaṁ | na tu tatvata ity āgamābhiprāyaḥ | kartra vineti  
vijñānādyupapadyata iti | vijñānaṁ karṭṛ tadabhāve tadāśritā kriyā kathaṁ  
bhaveda | na jāyāte na yuktaḥ | kutaḥ | ardhajatatvāt\* | yaj jātaṁ tan na jāyate  
niṣpannatvāt\* | ajātam apy abhāvarūpatvān na jāyate | atha jātam ajātaṁ |  
votpadyate | tadā sarvam eva jātājātaṁ jāyat\* | na ca sarvaṁ jāyāate | hetu |  
nirguṇatā

---

<sup>1</sup> From this line downward written in Tibetan *dBu med* script.

- [3a6] nirhetukāḥ | ahetava ity arthaḥ kriyāpi bhāva ucyate | vidyamānānā{m}m  
ārambhanatve sarvākārikā yojitā | avidyamānānārambhanatve pi sarvām  
yojayann āha | athetyādi | asati | atatvarūpe ārambhaketyālabagaḥ |  
vica{vya}ryate dūṣayate | āṅkure utpanne bījā nirudhyate | nānutpanne  
śūnyavidyeti | śūnyā 'vidyā | śāṅkuner iva padaṁ yathā antarīkṣe nāsti |  
antarīkṣapatho gaganam tena tulyā ekarūpā jāyante ye 'calādi rūpāḥ
- [3a7] sthitaḥ śilā yuktaḥ śailaparthataḥ | prathamam || 1 || na yuktam iti ganteti  
śeṣaḥ | yady uteti | yad uta gantā | gacchati ca | tadabhāvād iti |  
gatāgatavinirmuktagamyamānābhābhāt\* | kriyādvayeti ārambhagamanakriyā |  
sthanam sthitiḥ | tadanupalabdher gamyamānānupalabdheḥ satveca«r  
a»gamyamānasya gamikriyāyā abhāva eva | tasmād ity asya  
pratidvandvisadbhāvād ity anena samādhikaraṇyam | sampravṛttir ārambhaḥ |  
samkarṣaṇam ākarṣa=
- [3a8] ṇam | nikarṣanam nirgamanam | nārī nirīkṣateṣu mukham | sā balā rāgam  
āsaṅgam kṛtvā kāmam gaveṣayati | samkramato | jhaṭity utpadyate | na punar  
asprṣati punar api sprṣati | na cānyakṛtaṁ vedayati | anityata māya | anityatayā  
| māyayā | sadā śūnyānimittasantatayaḥ dvitīyaḥ || 2 || nāpaśyamānamapi |  
apaśyamānam | darśanam bhavātīty arthaḥ | trikaṁ viṣaya-inriyajñāni | yogaḥ  
sāmagrī | tṛtīyam || 3 ||
- [3b1] nidarśanam cakṣurvijñānajanakatvaṁ | uṣṇatā tejaṣaḥ | iraṇa vāyoḥ  
cakṣurvijñānāśrayo ghaṭādirūpaṁ | tasya prasādaḥ prakāśa«sa»tvaṁ | yidi  
nāma dharmāḥ śūnyās tathāpi vyākhyānādikaṁ tāvad astīy āha | vyākhyāna  
ityādi | śiṣyadeśīya iṣaeeḥiṣyaḥ | yathā jñātātmasamjñāti | yathā  
ātmasamjñāmātraṁ | nāmamātraṁ jñātaḥ | caturthaḥ || 4 ||  
ṣaḍdhāturanantaram vācyāḥ | akṣararūpeṇa varṇarūpeṇa kīrtitāḥ || 5 ||  
sahāyo dvitīya
- [3b2] anyate | nikleśa ityādi haritadre na vyākhyātaṁ | teṣāṁ virāgādīnām āvāsaḥ  
ṣaṣṭham || 6 || sthitiraktā | anyathāśabdena jaroktaṁ | vyasta ity asya  
vyākhyānam | pṛthag iti | prāptyaprāptyabhāvaś cāgame py ukta{m}m ity āha |  
iha śāsanītyādi | dharmatulayitvā dharmatām vicārya | na ca kasyacit prāptiḥ |  
chādanāpi nāstīty āha | yathā hītyādi | gehe ceti cojñeyaḥ | tamo 'ndhakāro  
«ata 'ndhakāraḥ» | utpādo py ātmanam param cotpāda itīti śāṅkā nirākarotīty



āha | ihā=

- [3b3] yam ityādi | kramate ghaṭate nimittam utpattiḥ | ivilepam upālambhaṁ | utpannapadārthaḥ | «kimcātaḥ» avidyamāna utpādo yasya so 'nutpādaḥ | utpattirahitam eva sarvam utpadyatām | sthitasyātītakālatvenedānīm avidyamāmatvaṁ | tasya kuta sthitikriyayā sambandhaḥ | svabhāvena svabhāvasiddhirūpeṇa | mahīti kāñcana mayī | tatropari mṛnmayi prithivī | ādyupasthānaṁ tatasthānaṁ | atha bhāvānām yo 'vināśaḥ | sa nastena bhāvo vinanyantīty āha | athetyādi |
- [3b4] tadā sarvam eva śakyanta | avināśasya naṣṭatvāt\* | antar iti śubhādeḥ | aparijñātasyāvidyader anupachedaṁ pravāhavṛttiṁ\* | kalpitasya grāhyagrāhakadvayasyābhāvo yatra bhāve dvaya śūnye tallakṣaṇāyāḥ śūnyatāyāḥ asaṁskṛtatvaṁ yac chūnyatāyā uktam tan na syāt\* | saptamaṁ || 7 || teddhetukaḥ saṁskārahetukaḥ | karmeti śubhāśubhaṁ | rūpārūpyadhātūtpādakaṁ | garmaṁ neṅjam vā | akarmyatvāt\* | ejyakampane ity asmād dhātoḥ | mṛda
- [3b5] iti prathamam bahuvacanam | sadbhūtaḥ sadbhūtaṁ karotīti pakṣo nikṛṣṭa iti pratipāditāḥ | asadbhūte asadbhūtaṁ karotīty atīva jaghanyoyam | asya pakṣasya durgatihetutvād apūrva tu sugatihetutva | nahīti siddhāntaḥ | kartrādīnām vyutsargā nirāsād upādanam api nirastaṁ | jñeyam | upa | ārthi | dādhatos takāraḥ | aṣṭamaṁ || 8 || hatety atha | ya eva pudgalo draṣṭā sa eva śrotā syāt\* daṣṭhrūpānuvartanāta | na cetad yujyata ity asaṁ=
- [3b6] gataṁ | etad evam ity | kartur ekatvaṁ | ātmeti upādātā | navamaṁ || 9 || na ceyate | na calati | na prāpsyatīti kartarī lyat\* | na prapnuyād ity arthākathanam | ananyatve ca doṣaḥ pūrvokto jñeyaḥ yathā mūle pañjikā nikṣepte | udakam na dṛśyate pīḍite tu dṛśyate | budhno ghaṭamūlam | talam ity arthaḥ | dīpaṁkaras tathāgatadarśane sati tvayā buddheti buddhāḥ veditā | daśamaṁ || 10 || ājavañjavīty asya vivaraṇam | janmamaraṇam param=
- [3b7] param | garddhūlam | gārdhhyam\* | yad api paḍaṇe kāraṇenatthīty uktam tad apy anyat kāraṇamniśeddhaparametata | udgama eva utpāda eva | evame | evam ime | vibhuti | vināśam gacchanti | samudgatā utpannaḥ | anāgateti na kuto py āgataḥ no gateti nāa gatāḥ | asthitaṭvena sthānarahitāḥ | sāksayatā nirvāṇam | ekādaśam || 11 || maraṇasyānte bhūtāḥ maraṇāntikāḥ | parakṛtam

apīti | svayaṁ kṛtatvābhāvena

- [3b8] tadapekṣaṁ parakṛtatvam api nāsti | anyatvaṁ tatvataḥ paratvaṁ | prahīnoti  
dadāti | nia kṛtety akṛte | ahetukaṁ evāhetukaṁ || dvādaśaṁ || 12 || yād iti |  
yadā | yadīti tadā | babhāṣire uktavantaḥ || trayodaśaṁ || 13 ||  
prasiddhoccāraṇaḥ | avadhirūpaḥ caturdaśaṁ || 14 || dhātur gairikādis tena  
niṣpātita | karketanamaṇe patmarāgād iti bhāvaḥ | piśācena ca manuṣyasya  
tathābhāva«ḥ» svabhāvaḥ | kalpitādiḥ | vastu vijñapter ālambanaṁ
- [4a1] ghaṭādiḥ dhvaniśabdaḥ dharmāṇāṁ yautukaṁ asādhāraṇaṁ | śūnyā yo jānāti  
sa nītārthasūtrāntān\* jānāti | pañcadaśaṁ || 15 || anāgamanād iti  
gamanābhāvād\* | samaṁ tulyatā | oharati | avaharati | gacchati yenāvatāraṇena  
vidū paṇḍito bhavati | nirodhasatyam hetubhūtaḥ nirvāṇaṁ phalabhūtaṁ |  
yena vācā uttarī uttārayati saṁsārāt\* | arttīyate lajjate | jehrīyate atyarthaṁ  
lajjate | virati prakāśa=
- [4a2] yati | prativahati nirākaroti | kāmikṣā | vaimukhyaṁ | kalpayitvaṁ 'nutpannā  
na karoti | na svarūpataḥ | āyuhati | grihnāti | āsaktim\* karotīty arthaḥ |  
niryuhati | tyajati | indrayaṣṭeḥ mūlaṁ kāṣṭhena vaiṣṭayitvā yathā badhyate |  
gāḍhaṁ tadvat\* | drṣṭā ca drṣṭiś ceti bandhanaṁ | ṣoḍaśaṁ || 16 || cetanā  
cetayitvetyādinā punaḥ pakṣāntaram āha | cittātmako dharmo dvitīyapakṣe  
cetanāśabdenoktaḥ | parapratiṣṭāpakṣaḥ | kāya=
- [4a3] vāgvyāpāro | vijñaptiḥ | sā kāyavāgbhyaṁ kriyate | samita {} mavichannaṁ |  
rūpasya kriyā anyato nivartanaṁ | tatvvābhāvā | rūpaskandhāntaragatāpīty  
arthaḥ | na vijñāpayanti | na bodhayanti | karmaṇābhavedavyākhyānaṁ  
vāgvispanda ityādinoktaṁ | parāṇiṣṭhitaṁ niṣpātitaṁ niṣpāditarūpaṁ yeṣāṁ |  
yo nirupapādukādiś caturdhāḥ ṣṛṇapaṭtrasthānīyam<sup>1</sup> avipranāśaḥ  
ṣṛṇasthānīyam<sup>1</sup> karma | jāyate | janyate | badho nāśaḥ | atro=
- [4a4] cyata ityī ācāryaḥ | vīthī | maṇḍapādi«ḥ» | avasari niḥsāritavān\* | maru | devaḥ  
viśuddhīti prāptajñānatvāt\* | tannirmīto vimalakīrtinirmītaḥ | gāthā  
abhinirhāro gāthāḥ pravacane pravacanasamaye | upārambho vādaḥ  
praskandāny abhibhūtāni | parikarma | paripākaḥ | saṁjñāpaya bodhayaṁ |  
vilomayanti | prakṣipanti | dharṣito 'vayānitiaḥ | saptaśaśaṁ || 17 ||  
asyāḥ | sat\*kāyadrṣṭeḥ | dravyaṁ ce=

<sup>1</sup> "ṛ" for "ṣṛ" (?).

- [4a5] ti | skandhānā dravyarūpatvāt\* | tadbhṛśa | atmadarśanasya  
 vaiparītyādr̥ṣṭatvaṁ | na syāt\* | nirvāṇe ātmā ucchedī syāt\* | ātmadarśanasya  
 saṁsārāvāhātmabhāvam vinā abhāvābhāvāt\* | nāśotpādīti |  
 skandhasvabhāvatvāt\* | uṣanti icchanti ātmabhāvena paralauko nāstīti trāsaḥ |  
 apratipadyamānā svīkurvantaḥ | praroha uttarottara kāryaṁ | avasānaṁ  
 paryantaṁ | aticikraṁsor atikramitum iccho«ḥ» | pradīpta=
- [4a6] kariṇa syād iti asya | tadāsannais tatvāsannaiḥ | animitto 'nutpannaḥ | na  
 cārthata iti paramārthato marīcikāpi | ātmanīnnamitikhāḥ | mūlakaḥ  
 samudayādir uddeśādinā jñeyāḥ | kāmopādānāṁ viśayasvīkāraḥ | dr̥ṣṭir  
 mithyādr̥ṣṭiḥ | śīlavrataamahetau hetubuddhiḥ | ātmavāda ātmābhyupagamaḥ |  
 upādāne | uktalakṣaṇe | bhavo jananābhimukhaṁ karma | yathoditam ity  
 anutpādarūpaṁ | anyena tu rūpe=
- [4a7] ṇa tathāgatasya mahāatvaṁ | prāḡ evātiśayenaivāham iti na svarūpaviniścitaḥ |  
 ācārya iti bhāvigekaḥ | śrāvakād bodhisatva dhiyādhikaḥ | imām  
 anutpattikadharmakṣānti naiḥsvabhāvyalakṣaṇāṁ | anāgata | anāgamyā | na  
 śakyate srāvakādītatvaṁ prāptaṁ | pātho pāragamanāyeti | yathā  
 apārapāragamanāya | nāpi karmaphalasya saṁkramaṇaṁ | ihetyādinā  
 cārvākaṁ matam āhū«ḥ»
- [4a8] yathā kiṇvādayaḥ pratekam asamathām iti patās tu mūrchādisāmarthā yuktaṁ  
 madya janayanti | tadvat kalalādimatrabhūtāni vijñānaṁ janayanti |  
 anujighṛṣā | anugrahecchā | anuhetuvādinam aṁpi prati tadavastha eva |  
 karmaphalāryābhāvaḥ ity āha | ehetv iti vṛkapadaṁ | bhayodbhāvamātraṁ |  
 saṁkalpaḥ | samānyena vikalpo viśeṣeṇa | parikalpo niścayena | saṁjñeti | yan  
 nimitīkṛtaṁ a++kāraḥ | he=
- [4b1] tuś cālambanaṁ ca | palāśa iti pratiśākhā | asamanutthānaṁ | anutpādaṁ | na  
 kaṣati | na yāti | na vikaṣati nāyāyāti | na cinoti na baddhati | nāpacinoti na  
 hīyate | jvalati adeti | nivṛttaṁ nāstīty arthaḥ | anutpādāya |  
 nirupadhiśeṣanirvāṇena | kalpakālānalaś ca | saptārkaś ca | śuddhatvaṁ  
 pūrvam praṇidhānaṁ | marūṇaṁ karmavipākābhinivṛttādevānāṁ saṁcodikā |  
 dundubhyā coditaḥ ++ | kramarubhiḥ
- [4b2] sārddham | janānābhiprāyaṁ jñātvā jino hasitaḥ | tado bruhītyādinā 'nandena  
 pṛṣṭaṁ | nāstikas tu na svabhāvaśūnyatvena paralokābhāvaṁ partipannāḥ |

kintu paralokādarśanena nāstitvaṃ | kurvantīti sambandhaḥ | pratisaṃkhyāya  
 pariññāya rāgādikaṃ upekṣate | arhā bhagavatety uktam iti śeṣaḥ | vidantīti  
 śūnyatāvārtayā | ākāśadhātv iti | vyāpakatvena pralapādīti | viharāhārādi |  
 aticitra prabhestena saha

[4b3] vartata iti sa aticitraṃ prabhedaṃ pralayādikaṃ | āsvādaṃ  
 karmaphalānubhāvaḥ | ādīnavo | duḥkhaṃ | kiñcitān mātram anutkhātitaṃ |  
 anutpāṭitaṃ | aparaṃ sarva evotpāṭitaṃ | avadātaṃ ca śyāmatā ca | lokottaram  
 uktvā laukikaṃ tatvalakṣaṇam āha | tenopatāpitaṃ uttejitaṃ jagattoyajjarādi  
 dahanam\* | tasyogapagama tatparāḥ | śloka stutiḥ | klamaḥ pīḍā | styānaṃ  
 staimityaṃ | prañidhāḥ āropaya | sa kopaya=

[4b4] ta iti | śūnyatātaḥ | śūnyatāsvabhāvatvāt\* | kayasya | vitiṣṭhate vinivartate |  
 niḥsāmarthakriyā hīnavīryatāḥ | chambhitā | stambhitatvaṃ | jaḍatety  
 arthaḥ aṣṭādaśaṃ || 18 || abhiliḥkhyamānāṃ ucyamānaṃ\* jātaṃ vartamānaṃ |  
 ajātaṃ anāgataṃ | kūṭastho nityaḥ sa śrāvako jinaḥ taṃ dharmasvabhāvam  
 adhigacchet\* | kūṭasthadharmāṇā na ca nirvṛttiḥ | paṇḍito na niḥprapañco  
 bhavet\* nākṣarāṇi śīkṣaṇā na

[4b5] vinaṣṭāni utpatya bhāvenākṣīnam avināśaḥ ko sau tathāgato yasyotpattikāla ity  
 āha | maitrenāmeti | tasyāḥ kanakam anyāyyāḥ | ullāpanā utsāhakāḥ śoṣo  
 vināśaḥ | ākābhūtaḥ | saṃvartarūpaḥ | ekonaviṃśatiḥ || 19 ||  
 alaṅkāro yathā sthānanyāsaḥ | hetuṃ prati śarīraṃ | eka iti pariṇāmavādinaḥ |  
 vṛto yuktaḥ | sarvasya phalasya yo hetus tasya janakatvaprasaṅgaḥ

[4b6] na tv iti paraḥ sambhava iti siddhāntaḥ | mālutālatā yathā giridarī saṃvṛtyās te  
 tathā kalpanāpīti | prapādeśa duḥkhamālāduḥkhaḥ parasparā puruṣādikāraṇam\*  
 eṣāṃ astīti naiyāyikāḥ | eka indriyaṃ jīvitendriyaṃ | hetau phalasya  
 saṅgamaṃ saṅgamaḥ | phale vāheto | akṣarāravanti | śabdaniścaranti |  
 sāmāgrīṃ\* pratītya tañ ceti | sāmāgrīṃ\* taṃ pratītya sa vāca niścaratīti  
 sambandhaḥ | manobuddhivaśena | ma=

[4b7] nasavikalpena | paramarthas tu manovācau | adṛśye arūpiṇīm |  
 vācarutādīnāṃ utpādayayan\* paśyan\* kṣaṇikāṃ ityādi paśyatīti  
 sambandhaḥ | tadādrśī tādṛśī | tulitvā jñātvā | viṃśatimarṇ || 20 ||  
 lokaḥ sahetukaṃ vināśaṃ manyate | tadanurodhena sahetuko vināśa ityādinā  
 buddhapālitenā sādhanam uktam | tasyānekāntitāṃ bhāvigekaḥ prāha | yathā

- caramaṁ cittam vināśahetunirāpekṣam eva svarasato nirudhyate
- [4b8] tasmād anekāntikaṁ | tadvināśasya caramavināśasya jātipratyayaṁ maraṇam  
 iti pacanā tadapītyādi bhāvātmabhāva eva utpādo na tūtpādo nāma bhinno yaḥ  
 sahetuka iti vyavahārato pi dṛṣṭāntābhāvaḥ dravyasaṁścāsānutpādaś ceti |  
 āgamāt\* siddhāntāt\* | nīlādikaṁ api bhūte bhyastatvānyatvā vācyatvān nāstīti  
 prāptaṁ | rūpābhāvamātram ākāśam iti tatropayuktaṁ | iha tu bhutai«ḥ» vinā  
 prthag\* bhūtaṁ rūpaṁ
- [5a1] nāstīti prastutaṁ | yac cōktaṁ iti bhāvivekena | avināśavatvād iti | vināśasya  
 nirūpatvena dvitīyeavināśābhāvāt\* | asya vināśo nāsti | sa na saṁskṛtaḥ  
 tadyathā ākāśam | nāsti ca vināśasya vināśa iti | na saṁskṛtaḥ syād ato na  
 saṁskṛtalakṣaṇaṁ syāt\* | saṁskāraskandhasaṁgrahaṁ iti ||  
 viprayuktasaṁskāraskandhamadhye jarā 'nityādayaḥ santi | hetupratyayaḥ  
 kriyanta iti kṛtvā | tvayā ca vināśasya {saṁ}
- [5a2] saṁskāraskandhasaṁgrihītasya nirhetukatvaṁ pratipādyata iti virodhaḥ |  
 tathā 'vidyādidvādaśā{m}ṅga | pratītyasamutpādamadhye jātijaramaraṇādayaḥ  
 sahetuka«ḥ» santi te pi virudhyante | ādiśabdena yasyotpādaḥ prajñāyate tasya  
 nirodha pītyādi jñeyaṁ | idam api śakyate vaktuṁ | na vijñānaṁ  
 viśayavedakaṁ | dvitīyavijñānābhāvād ākāśavad iti | asyeti bhāvivekasya |  
 vācyatvāt\* sambhavādiśabdavācyatvāt\* | kṣayasyeti vinaśyataḥ | yasya kṣayo
- [5a3] nāsti sabhāvalakṣaṇarahitavān nirūpa eva vyācakṣata iti |  
 dharmadharmibhedana pūrvapakṣasiddhāntabhedāt\* sambhavavibhavatvāt\* |  
 sambhavavibhavasvarūpatvāt\* | tad asrasatve | hetuḥ ityādi bhāvadharmatvād  
 ity asya | abhisandhir abhiprāyaḥ | aśunyasya svabhāvasiddhasya | dṛṣyate  
 sambhavādis tena vidyata iti tava prāpnoti | tatra ca ucyate ityādi na doṣaḥ |  
 ihetyādi bhāvaḥ | sambhavaḥ bhāvādidvitīyasambhavāt\* | abhāvo vibhāvaḥ |  
 anya iti ghaṭā=
- [5a4] dilakṣaṇabhāvadvāreṇa | prathama iti nirodhānantaraṁ | ya utpadyate |  
 caramo vidyamāno 'vikṛtatvād ajanakasyā | tenotpanno nirhetukaḥ syāt\* |  
 sārddhañc eti samuccaye ca sārddhaṁ saha | anyac cen na yujyate | tadā  
 yasminn eva skandhe mṛyamāṇaḥ tasmi naiva sa cōtpadyata iti syāt\* | na  
 cetad yujyate | svādhyaya āvartanaṁ tacchrutvānyasya jñānam utpadyate |  
 nadīghoṣāt pratiśabdotthānaṁ | arkakāntāt\* vahnibījād amkuraḥ

amlānmukhasravaḥ | eka=

[5a5] vim\*śatitamam || 21 || kṣityādivat\* sādharabhaiṣajyatarum iva ātmanam  
janānām sādharāṇam kārayatā | svāsvakīya icchā yasya sasvecchaḥ pūrvakā iti |  
rūpavedanādayaḥ | uttare śīlasamādhyādayaḥ | saṁsārānām vāhakatvāt\* |  
avyāpaka ete | rūpataḥ svabhāvaḥ | tatvānyatve rūpato nātmanaḥ sta ity anena  
kim artham\* tatra pakṣadvayam uktam ity āha | tatvetyādi |  
satkāyadr̥ṣṭikathanāpekṣayā

[5a6] ācāryeṇa pañcaskandheṣu vimśatiprakāra iṣṭaḥ | anyatra tu  
sakaṭkāyadr̥ṣṭipravṛttyanapekṣayaivātmavīcāraḥ | kṛta iti doṣaḥ | parabhātaḥ |  
pañcaskandhataḥ | abhāvasvarūpato abhāvarūpatvāt\* | upadadyāt\* svīkuryāt\* |  
atrāhur iti sautrāntikāḥ | yenāmayamkaṇabhakṣādiṣu sprehām parityajya  
tathāgata savitāram śaraṇam prapannā iti vyavahitena sambandhaḥ |  
mahāyānasya mahārasasya yo mahānayaḥ śūnyatāvaga=

[5a7] maḥ sa eva mahāsāraviparo yasya | sapta sambodhyaṅgāny eva sapta  
turaṅga{ḥ}bhīyojitā yena | jarāmarāṇāsamsāra eva kāntāro nirjalo 'dhvāsa eva |  
parinnadī | catvāro 'samāḥ skandhadāyo marāś taiḥ śarāḥ kṣiptā bodhau  
vighrahe nānugraho grahaṇam prāptir ādityasya tannirāśinagghanatvena  
nivitatena | ghaṇanaprabhāvā sahaḥ | ghaṇaghaṇā«va»lī |  
nirantarameghāvalī | mṛga yathā sim\*hanādam na sahante | svasyātmanaḥ |  
śūnyatāyā=

[5a8] m adhimuktiḥ | śūnyatām iti vā bhaved apratidvandvitvāt\* | anyatreṭi sūtre  
saurāntikā avijñaptim\* necchanti | satvād abhūtaparikalpasya | asatvāt\*  
dvayasatvāc ca śūnyatāyā abhūtaparikalpe | abhiprāyena  
mūḍhajanānurodhena | laṅgo nānāveśaḥ | avidyamāno daiśiko yasya | etā iti  
śūnyādikāḥ | dr̥ṣṭir eva dr̥ṣṭikṛtaḥ | prapañcayanti | parikalpayati | andhipur  
anusareyuh | ghoṣeṇa d.eśan.yā |

[5b1] nimittagrāheṇa sadālabhanagrāheṇa | śubham kuśalam | dvaviṁśatiḥ || 22 ||  
caturviparyāsānadhikṛtyāha | atrāheti | arātīnām samareparājayo yebhyas  
tathāgatebhyas te tathāśubhākāram | śucistrīkaḍevaram | aśubham  
anityākāram viparyāso 'yonīśomanasikāraḥ hetur upādānakāraṇam |  
pratyaayaḥ sahakāri | nidānam ālambanam | kaśceti tatraiva dvītiyaḥ prasnaḥ |  
āvilā..tya..ha

- [5b2] śo rūpaḥ | āho bodhane | sahaiveti | sahabhūvādimatena | svakāyadr̥ṣṭiḥ |  
 satkāyadr̥ṣṭiḥ | kliṣṭe citte rāpaṇādvādhanāt\* | śabdyata iti śabdasaṁśabdane |  
 śabdyata iti vastugandha ādāne | atra prāpta iti nāśādeśa prāptā him\*syante |  
 tata iti nāśādeśāt\* | dūṣaṇaṁ dīrghatvena | vikalpa iti mūlena siddhāntaḥ | tam  
 evāhaṁ matyam ityādi śūnye anityasya niḥsvabhāvatvena tadanityaṁ |  
 samparka eva bījaṁ | sayyī=
- [5b3] ta se cet\* | jaghanodare strīguhye | śayīta | tadyonānutpadyata ityārthaḥ |  
 avidyayeti avidyāyā | ataḥ karaṇād avidyāpratyayasambhavāpi na bhavati |  
 avidyaiva mohāḥ | dhāraṇipadam ityādi vyākhyātaṁ | śeṣeti śucya śucyādi  
 grāhyaṁ | nisaraṇaṁ san\*sāratyāgaḥ | utsargaḥ parityāgaḥ |  
 pratilambho 'pūrvalābhaḥ | pariññā bodhaḥ | prahāṇaṁ samūlanāśaḥ |  
 mārgasya bhāvanā | abhisamayo mārgābhimukhikāraḥ
- [5b4] vanalatā nirgamaḥ | utkṣepo apacayaḥ | yuñjaś cayaḥ | praveśaḥ | prabhedo  
 dvividhaṁ | sāradyas sambhitatvaṁ | koṭiparyantaṁ | akiñcanakoṭim\*  
 doṣavigamaṁ | vimṛśasyeti vyatyayo bahulaṁ | viparītaṁ\* gataḥ prāptaḥ | tad  
 apīti | anātmādikam | āgāre bandhanaṁ tṛṣṇā yo hi nāma bhavān\*  
 saṁkleśaviṣavṛkṣe | unmūlyamānena sahāyyībhāvam upagacchati | kevalaṁ  
 tasyeva viṣavṛkṣasya bhāvābhiniveśa sato yair āropa=
- [5b5] ṇaṁ karoṣīti | atyantaduḥkhaṁ ca | aśeṣāś ca kleśāś ca tair asaṁśāś cāsau  
 saṁsāraś ca | tad iti viṣavṛkṣaḥ | duṣetu | duṣavaikṛtye | nārisvamukhaḥ  
 alaṅkṛtāni rīkṣate | rūpakāye na bodhidarśitā | bodhyārūpakāyo lakṣaṇo jvalo  
 darśitaḥ | viśabhāgena dharmatāvilakṣaṇena saṁvṛtyātmani śaṣṭhī śabdeneno  
 ti śabdena | apravṛttinirvāṇaṁ sāraḥ prabhānaṁ lokiteti lokaḥ |  
 trayovim\*śatitamah || 23 || urnāpakṣeti-m-eṣa roma | āryāṣṭā=
- [5b6] ṅgamārgānugeti | samyagsaṁ\*kalpa ityādilakṣaṇamārgagāminī sampanḍitam  
 iti | iyaṁ kleśaṁ hatvā 'mukaphalabhāgi bhavantīti | saṁyojana eyam iti |  
 satkāyadr̥ṣṭir ekā | antagrāhadṛṣṭiḥ tājñātīyatvāt tatreva praviṣṭā |  
 śīlavratavaparāmarśo dvitīyaḥ | tatra dr̥ṣṭiparāmarśaḥ praviṣṭaḥ | vicikitsā  
 tritīyā tatra mithyādr̥ṣṭiḥ praviṣṭeti trayam | śeṣaṁ rāgapratighamanāvidyā  
 caturṣṭayaṁ | dhātutrāyasthaṁ hantavyam ava=
- [5b7] tisthate | iha hītyādina kṣaṇānām utpattikramam āha |  
 dharmajñānakṣāntidharmajñāne kāmādhātāv eva | anvayajñānakṣānti |

anvayajñāne rūpārūpyadhātāv eva jñeye kāme duḥkhadarśane heyāḥ | 10 |  
 samudaya | 7 | nirodha | 7 | mārḡa | 8 | rūpe duḥkhadarśane heya | 9 | samudaya |  
 6 | nirodha | 6 | mārḡa | 7 || arūpe duḥkhadarśanaheyana | 9 | samudaye | 6 |  
 nirodha | 6 | mārḡa | 7 | etā tadyathetyā=

[5b8] dināha | yada«na»ntaraṁ\* kleśavimukto smīti kapāṭavidhānarūpaṁ 'duḥkhe  
 dharmajñānam utpadyate | kleśavimuktirūpaṁ coranikāśana svanstyāpaṁ  
 duḥkhe dharmajñānarūpaṁ ānantaryalakṣaṇaṁ ucyate |  
 rūpārūpyāvacarayo duḥkham  
 ekīkṛtyālambyānvayajñānakṣāntyānvayajñānābhyāṁ hanyate |  
 ūrddhapratighavarjitatvāt\*dhātudvaye py aṣṭādaśānuśayā heyāḥ piṇḍenāśītir  
 bhavanti | yatheti | yena | bhūmāv iti | navabhūmayaḥ | kāmādhā=

[6a1] tur ekaḥ | catvāri dhyānāni | arūpyāni ca | tatra kāmāvacarā  
 rāgapratighamānavidyāḥ | pratyekaṁ na ca navaprakāra kṛyante | teṣāṁ  
 atimātram ādim\* kṛtvā yāvanta madhya{śaṣṭa}ṣaṣṭhaprakāraṁ caturṇāṁ api  
 pratyekaṁ datvā sakṛdāgāmī | teṣāṁ eva pratyeka navamaṁ hatvā 'nāgāmī |  
 trīṇy api phalāni kāmādhātāv eva | evaṁ prathamadhyāne kleśatrayam iti  
 pratyekaṁ navanavaprakārakṛtvā hatvā | evam eva yā=

[6a2] vad bhavāgrasyāpi hatvā arhā bhavanti | vaśaḥ  
 svabhūvananirmāṇasāmarthyaṁ | kṛṣyatām kṣīna puṇyānāṁ | yajamānānāṁ |  
 dadatām | te | tava śakrasya | dakṣiṇāṁ deyavastrārhanīti dakṣiṇīyāḥ |  
 pūrvanivāsānusrītiḥ | vyupapattiḥ | āśravakṣayajñānāni vidyā | etāny eva  
 caraṇāḥ | sarvatragamanāt | madhyoddeśikā | mahāsāṁghikāḥ | śūnyatāyā  
 prayojanaṁ na vetsi | śūnyatārthaṁ ca na vetsi | durgaho viparītagrahoḥ | na  
 vā=

[6a3] rtata iti yogī vyasanaṁ pratipakṣaḥ | aparo pi murkhaḥ asya śūnyatārthasya |  
 vipratipannatvād iti viparītatvena | vicāreṇa gambhīrābhāsaḥ |  
 atarko 'nābhilāpyatvāt | atarkāvacāra | uḥādir ahitavāt | āropayeyaṁ |  
 pratipādayeyaṁ | vibhāvayeyuḥ | udgrīhīyuh | vighāto nirthakaḥ | klamathaḥ  
 khedaḥ | anudayaḥ sukhādyabhāvaḥ | atisthale bhavan mate |  
 gambhīryābhāvād atyāsanne | tadviruddhe asmat

[6a4] pakṣaviruddhe | lokikenāpīti na kevalaṁ | lokottareṇa jñānena |  
 athānabhidheyān\* | vicakṣaṇa āryaḥ | animittapurogata ita iti |



- vikalpanimittarahitaḥ | kākṣā | vācyaṃ\*| āyūjahaniryūho grahanaparityāgau |  
 anupādāya na kim api nimittīkṛtya | caturviṃśatimaṃ || 24 ||  
 kleśaprahāṇāt<\*> sopadhiśeṣaḥ | pañcaskandhanirodhān nirūpadhiśeṣaḥ |  
 śiṣyata iti | śāsu anuśiṣṭau | tad eveti nirupa=
- [6a5] dhiśeṣaṃ | abhedi vinaṣṭaṃ | āryāśrāvako 'saṃlīnena dhyānarahitena |  
 yadyotasya pradīpasya | koṭi paryantaḥ | nityaṃ sadā | tad anyeṣāṃ veti  
 sautrāntikānāṃ | avijñapti samvararūpā | yathā śuṇṭhīm\*viṣabuddhya  
 bhakṣitvā maraṇatrāsād udaragatam api ~~trāsa~~«pāta»yati | na paramārthatas  
 tadviṣaṃ | evaṃ thālā apīti | viṣe viṣasaṃjñitayā | ahu | ahaṃ | mahya | mama |  
 asyeti nirvāṇasya | bhavatīti bhāvābhāvaḥ | vibhavo
- [6a6] abhāvaḥ | bhavena bhāvarūpatvena | niḥsaraṇaṃ nirvāṇaṃ | ātmapāla iti  
 bhāva{ḥ}rūpaḥ | tasya ca viśamarūpa ity abhārūpaḥ | añjana | kalpanā |  
 vijñānena sāmvr̥tena | jñānena pāramārthikena | catasra iti  
 bhāvābhāvobhayakalpanāḥ | tathā nirodhāt\*paraṃ tathāgato bhavati no  
 bhavati | ubhayaṃ nobhayaṃ veti catasraḥ kalpanāḥ na santi{ḥ} | aparāntam iti  
 saṃsārasyeti śeṣaḥ | kin tad eva kim anyac ceti dṛṣṭidvayaṃ pra=
- [6a7] kṣīpya caturdaśa | nabha api nirvāṇaṃ | tatra pakṣapādatapāte pakṣiṇaḥ santi |  
 puṇyajñānasambhāra eva vātas tatra tathāgatāḥ santi | akiñcanatvād  
 avastutvāt\*| ākāśena | āgāśasamena tathāgatena | vidhimukhena  
 vikalpapracarō ni{mi}ñjitaṃ | pratiśedhamukhenāni{mi}ñjitaṃ yoga evācāro  
 vyavahāro yasya | pañcaviṃśatitamam || 25 || aneñjyādīti avyākṛtaṃ grihyate |  
 niṣijyate | vyavasthāpyate | saṃ=
- [6a8] jñāviśeṣena | ghaṭādivikalpavaśena | tathetyādinā sūrapāder api  
 lokānurodhenoktam iti | na sad iṣṭaṃ | asad eva iṣṭaṃ | asad apīṣṭaṃ | asad  
 eveṣṭaṃ | atpadyamānaṃ\*| yaj janikṛyāyāḥ kartṛtadabhāvāc ca janir iyaṃ na  
 yuktaṃ | pratimudrām udakādaḥ jñeyā | yato jātītyādinā kṣaṇikatvābhāvam  
 evāha | ratnāvalyām | abhāvāt\*| sthityabhāvāt\*| purāṇatā jarjaratā vṛdhatvam  
 ity arthaḥ | sthairyānitya=
- [6b1] tvād akṣaṇike kutaḥ purāṇatā | kṣaṇasya tāvad antyam asti ato madhyādikam  
 api kalpyatām | kṣaṇasya madhyādibhedena tryātmikatvāt\*kṣaṇābhāvāt\*|  
 kathaṃ kṣaṇasthitiḥ laukasya | evaṃ ādimadhyādir api trirūpaṃ syāt\*|  
 ekakṣaṇe ślokaḍyuccāraṇaṃ | vyavahāreṇocyate | sattāṇāṃ satvānā lekho

- likhanam | hasta«ḥ» vyayāmālena pattitā rajjaḥ | vartate | pravartayati | vartani  
panthāḥ | bhavāṅgānām pravartanam ity arthaḥ
- [6b2] anyamanyopamena | anyopakāreṇa | ghoṣa pratiśrutakā bījam\*dhānyam |  
sthiraprasthānam cintyam | antaḥpratisrutakā kalalam śukrādi kalalatvāya  
śārīraṇiṣpattaye | ityāsineti | uktatvād iti śeṣaḥ | katham vā vartata iti yad  
uktaṁ tat kathayati | cakṣur ityādi | samanvāhāraḥ skandhacatuṣṭayam | cakṣu  
rūpaṇ ceti rūpaskandhaḥ | etena nāmarūpam uktaṁ | tat pratītya vijñānam  
pravartate samanvāhāsyā vyākhyānam
- [6b3] namaskāram ityādi bījabhūtam ityantena | iṣṭāniṣṭo bhayaviparīteti |  
aduḥkhasukhavedanā | vartata ity anuvartate | aduḥkhāsukhordhabhūmau |  
kāmapādānām | tīrthyadṛṣṭyupādānām | aheto dhetutvenopādānām | devo  
bhaviṣyāmīty asaupādānām sambhava ity antakārikā bahutvasambhūtā |  
bahutvenotpannāḥ | anuparigrahaḥ | asitaṁ bhaktasya | bhakṣitaṁ paryaṭādeḥ  
| asatām pratyayanām i sambande ṣa=
- [6b4] ṣṭhīr | vijñaptir avabodhaḥ | adhyavasānābhilāṣaḥ | vaipulyam bahutvam\*|  
upādānārthena | yathoktena | upādānam uktalakṣaṇam |  
karmasamskārabhavau | kleśāvidyātṛṣṇe | avakirati | upapatisvasthāne  
pratikṣipate | samanvāharaṇam apikṣepaḥ | māyāyā yallakṣaṇam  
tatsvabhāveṣu | samkramaṇam | yādṛśam evāste tādṛśam  
evānyatragatopatiṣṭhate | visadṛśotpātto tu va tannā=
- [6b5] sti | ṣaḍviṇśatitamam || 26 || abhūr | abhūvam | viśeṣam\*|  
sāmānyaviśeṣabhedaṁ | aparānto 'nāgataḥ | upādānam devamāśyādirūpaṁ |  
anye avagacchāmi | adhvānam iti kāle dvitīyā | kṛtako vā 'bhyupagantavyam |  
no ced atīte dhvani aham abhūvam iti nābhyupeyam | aiśyajjani |  
bhaviṣyajjanmani | śāśvataś cāśāśvataś cety atra ko bhaviṣyatī«ti» sambandhaḥ  
| ābhyām eva tiraskṛtas tyaktaḥ caturthaḥ
- [6b6] pakṣa ity arthaḥ na vidyate 'nto vināśo 'syety anantavān nityas tasya paralokaḥ  
kutaḥ | ato mṛte hy anyabhavaḥ paralokaḥ | bhajyeran\*vinaśyeyuḥ | pañcatheti  
skandha ātmā | skandhe ātmā | skandhavān ātmā | ātmani skandhāḥ |  
skandhavyatirikta ātmā | upāttaḥ | svīkṛtaḥ | samitaṁ | kṣāṇāvichedana | ājīva  
nījīvam ity uddeśa nirdeśaḥ | ajātaḥ | hetutaḥ | abhūtaṁ pratyayataḥ | akṛtam  
ubhayataḥ

- [6b7] ata evāsaṃskṛtaṃ | pratītyasamutpannasya duḥkhasatyasya rogata ityādināpi  
cārayati | aghataḥ | pāpataḥ | kisvidam ity anyayaṃ | drṣṭikṛtāni | drṣṭīviśeṣaḥ |  
kautukamaṅgalaṃ | putsavanādi āyatyām | nirupadhiśeṣe | saptaviṃśatitamam  
|| 27 || navavidham iti | yadyair gambhīrārthasūcanaṃ | {yo} geyam yat<\*>  
sūtram eva madhye ante ca gāthābhir gītam\*vyākaraṇam | yatra  
srāvakayānikādiḥ kālagato
- [6b8] upapatto vyākṛyate | gāthā yat padya bhāṣitaṃ | udānam yat\*santuṣṭena  
bhāṣitaṃ | itivṛttakaṃ\*yat pūrvacaritabhāṣitaṃ | jātakaṃ yad  
bodhesatvacaryāpratisaṃyuktaṃ | vaipulyam  
yat\*bodhisattvapiṭakasaṃ\*yuktaṃ | adbhutaṃ  
yat\*śrāvakabodhisatvabuddhām adbhutāścaryādharmaḥ kathiyanta ato  
mahāsāṃghikamataṃ | tasminn iti sūtrādo rāganirākṛtikathā 'śubhā |  
rāgakṣaye jāyate | na dveṣa kṣayāya |
- [7a1] doṣeti dveṣaḥ nānya malam iti mālam eva | ato vyāpitarā kathā na bhavati |  
madhyamake tu yā mohapariḥṣayakathā pratītyasamutpādarūpā | sā aśeṣān\*|  
kleśān\*hanyāt\*| tataḥ kāruṇyadrutacetasaṃ nāgārjunena  
pratītyasamutpādaḥ sāstraṃ kṛtaṃ iti sambandhaḥ | kim artham ity āha | yo  
na veti tatsaṃvide | tathāgatoktatvād bhinnam tīrthakatatvaṃ\*vāñchasti | ye  
tat\*saṃvid eva | pravacanam anyathaiva ye vyācakṣate
- [7a2] bodhā eva tat\*saṃvid eva | nāgārjuno madhyamakamatam upadiṣṭavān\*|  
devenendrenāryadevena vā | tadanantaraṃ tacchīyā apy āvantavantaś ciram |  
matam madhyamakamatam | tarkamadhurām nipīya loke dūramgate |  
satpathyān madhyamakanīteḥ | kimbhūte | utprekṣāsvaparikalpito 'rthaḥ tayā  
caritārthamātre nipuṇe | bhūyasā prāyeṇa rahitena | loke vyākule viplute |  
tatvato vyākule vā | katham pravṛttiḥ kṛtety āha | yaś che=
- [7a3] ko dhūrtamṛgas tadvad yaḥ chekaḥ tasya cintayā ko guṇaḥ svayam eva ca  
jñatvāttasya | pāramārthikaṃ vastunimittaṃ tenopacitaiḥ | bhītyā | katham iti  
niḥsarāmīti bhayena | chitvā śāstrapāśam | vastv eva parīkṣā tām  
utpratyātikramya yāti | ratnāvalī parikathā | saṃstutīś catustavādiḥ kārīkā  
madhyamakasya | yuktiṣaṣṭiḥ vaidalyam | bhaṭi madhyamāgranthakāraḥ |  
pravacayo dharmapravacayoah | etenātmavijñānam sūcitam\*|
- [7a4] tuṣṭo tuṣṭyartham | tarko vitarkaḥ | saddharmatā dharmadhātu | ālocane

darśanāya ||  
prasannapadā || ||

Tibetan Notes on Pras (LVP 5.1-36.2)

འདྲེན་པ་ || etim\* | gatyārtha ityādi byings dang nye bar bsgyur pa gud gud du bshad na'o | nye bar bsgyur pa ste bsdus nas rkyen sdon du 'gro ba byas na don gzhan du 'gyur te | in\*byings ste 'gro ba'i don to | de la pra ti sdon du byin pa ni nye bar

[7a5] sgyur ba ste des de'i don stobs kyis gzhan du 'dren par byed pa'o | de la kvat\* pratya ya byas nas lya pa'i rkyen kyis ta kāra tya kāra byas pas in\_ 'i{na} physis ste «imit\_» prati'i ti ri lor 'gyur te pratītya'i sgra'o lyabanta ces pa ni ta la ya btags pa ste thob pa'i ltos pa'i don mtshon par byed pa'o | sa mutpūrvam\_ ces pa la-stsogs pa'i mdo'i sa samut\_nye bar

[7a6] sgyur ba can kyi pa da 'i byings la apa'irkyen byin nas pa'i mthus a pa'i la btags pas pa ring por 'gyur te bsdus na sa mut\_pā da ces bya'ote | de ni skye ba 'i 'byung ba'o de ltar na rten cing 'brel bar 'byung ba ces thun mong du bsgrubs nas || gzhan yang ces pa sngon kyi slob dpon kha cig kyi 'dod «pa» bhāvivekasya brjod nas sun 'byin par 'dod pa'o | i to sambhava ni

[7a7] 'jig pa'i rjesu mthun pa'i 'jig pa'o | 'dir in\_ gatau 'jig pa la bya la + pra ti bzlas te brjod pa la bya | taddhitānta-ni ta'i rkyen la ya btags pas tya'i yige brung ba ste ya btags pa'i mtha' can no | de ltar na so sor 'jig pa can kyi skye pa ni rten 'brel kyidon to ces 'chado | de yang lung kyi don dang ldan te gang rten bing res pas bzlas rton brjod pa yang 'grub

[7a8] la 'di nyid bsdus pa yang yin no || 'dir yang ces pa nas thun mong du dpyad par bya ste | don kyi khyad par khas blangs nas ces pa mig cig pu la brjod na bzlas de brjod parmi grub ste prati'i don mi 'grub po ces bya'o || don kyi khyad par khas ma blangs na thob pa'i don mi 'grub po snyam na | de ni de med kyang 'grub par bstan pa don kyi khyad par khas ma blangs kyang ces pa la «āryabuddhapālita ni pratītya prāptaḥ samutpāda utpattir ūhe | bhāvivekena prati-vīpsārthaḥ athavā prāptyārtha | gatir gatyārtha iti viparītānuthandanāt\* vivādaḥ»

[7b1] stsogs pa la | don kyi khyad par khas blangs pa la yang srid do ces pa lugs gnyis

- pa'o || yang tat\_dhita'i mtha can kyi bsbyor ba byas na ma ning kyi rtagsu 'gyur  
te pratītyasamut\_pādaṁ ces pa'i thig le thob par 'gyur ro | de yang tad\_dhita'i  
mtha can la a {va}vya ya med pa ni ling ka'i mtha can la rnaṁ par 'byed pa ma  
byin par gzugs cig kyis cig kyi tshig dang mang
- [7b2] po'i tshig lastsogs pa gna' skabs dang bsdun nas bsbyor ba ste de 'dir mi 'dod  
pa'o | thig le yod pas bsdus pa yang med la | rnaṁ par byadbye ba byas pani  
thig le dang tsheg drag lastsogs pa byas kyang mig la brten to ces pa'i tshig du  
'gyur la de ltar ma yin no | de phyir lya banta nyid khas blang bar bya'o ces  
bsgrubs nas rjes su brjod pa dngos ni gang yang ces pa la
- [7b3] stsogs pa la pra ti bzlas pa'i don la e te thob pa'i don la sa mut\_pāda byung ba'i  
don ces pa lastsogs pa'o «buddhapālita'i 'dod» || so sor 'jigs pa rnaṁs kyi ces pa  
lugs gnyis pa'o || «lan ni» de ltar rjes su brjod pa ni legs par rjes su ma brjod pa  
ste | rgyu ces zhe na gang phyir ces pa lastsogs pa la gang du nye bar sgyur ba  
pra ti dang byings eti gnyis log nas thob pa'i don la 'dod kyi bzlas
- [7b4] pa'i don la ma yin no | 'dir ni nye bar sgyur ba cig su gud du mi 'dod to || 'on  
kyang ces pa nas rjes brjod byin ci log dngos bstan te | des ni 'di ltar pra ti  
prāptyarthaṁ dang e ti'gro ba'i don la | de ltar gnyis bsdus na yang thob pa  
nyid brjod lar byed «pa» la || des ni ces pa de'i log rtogs dngos ston te thob bya  
srid pa la dngos po ma lus pa la brjod na bzlas te brjod pa yod la
- [7b5] khyad par la med do ces pa ni rjesu brjod pa la mi khas pa'o | slob dpon ni bhā  
vi veka'o || de'i dgongs pa ni mig dang gzugs gnyi kaṁ\_dang rnaṁ shes 'brel pa  
mi 'thad te gzugs ban dang gzugs med mi 'byor ro ces bsaṁ pa'o || yang na ces  
pa lastsogs pas de'i dgongs pa gsal bar byas pa ste de ni srid te mi srid na lung  
dang 'gal lo ces bya ba'i
- [7b6] don to || thob pa'i don nyid 'phags pa klu grub kyis ces pa ni mdor bsdus na  
rgyu rkyen kyi tshogs pa thob pa las 'bras 'byung ngo ces pa'o || gang yang rang  
kyi 'dod pa rnaṁ par bzhag pa ces pa ni bhāvi ve ka rang kyi'o | 'di yod pas na  
'di 'byung ces pa «ni rkyen 'di pa ci» ste | des ni rten cing 'brel pa las dang  
'byung ba'i don gnyis gud du ma bstan bar «'di ni» gnyis kyis
- [7b7] re re nas mtshon par 'dod pa'o || de gsal bar byed par 'dod pa ni gud gud pa  
de'o || gang kho na sun 'byin pa ni sngon kyi slob dpon kyi 'dod pa'o | de nyid  
khyod gyi 'dod par khas blangs par 'gyur ro ces bya'o || khyad par brgyad kyis

- khyad par du byas pa'i rten cing 'brel par 'byung ba'i don ston pa'i brjod byed  
la sgra'i skyon spangs nas | rten 'brel bstan pa legs par bstan
- [7b8] par 'gyur ro | de la skye ba med pa la skye bar 'dod pa'i log rtogs bkag pas bde  
blag du rtogs par 'gyur ba dang | gzhan yang 'gag pa lastsogs pa'i don lhag ma  
rnams bde blag du go ba'i phyir skye ba dgag ba bye brag du bstan la || de la  
bdag las skye ba mi 'thad te don med pa'i phyir ro ces slob dpon sangs rgyas  
skyong kyis gsungs pa la 'grel pa mkhan gzhan kyis
- [7b9] brtsad pa ni | de mi 'thad te dpe dang rtan tshigs ma smos pa dang | gzhan kyis  
skyon brjod pa ma spangs pa dang | thal 'gyur kyi ngag yin pa'i phyir bzlog pas  
mthar thug par 'gyur la de lta na gzhan las skye ba grub pa cing thug pa med  
«grub mtha dang 'gal lo» pa'i skyon med do ces brtsad pa'o || de lta skyon  
brjod pa slob dpon zla grags kyis rtsod ba skyon de dag ni mi 'thad par mthong  
ste ces palastsogsste
- [8a1] 'dir slob dpon 'dis dbu' mar gnas pa'i tshul kyis slob dpon sangs rgyas skyong  
kyi 'dod pa bskyangs pa ni ji lta byas na ces pa lastsogs pa ste | de yang slob  
dpon zla grags 'di «ni» skye pa dran pas sngon slob dpon sangs rgyas skyong du  
skye ba blangs par shes nas de'i 'dod pa skyong ba la 'bad pa'o ces kha cig kyi'o  
| kha cig na re thal 'gyur du sgra bar mthun pas ces grag go | de la ci'i phyir zhe  
na ces pa lastsogs
- [8a2] pas dpe dang rtan tshigs ma brjod pa'i skyon spangs pa ste thal 'gyur kyis 'gegs  
pa «la» dpe dang rtan tshigs mi dgos par bstan pa'o || co na rang rgyud kyis ci'i  
phyir mi 'gegs snyam na | lan du dbu ma ba ++ rang rgyud kyi rjes dpag bya bar  
mi rigs ste phyogs gzhan khas mi len pa'i phyir ces bya ste | chos can las stsogs  
pa tshad mas grub pa'i yongs chod khas mi len pa'o || dgag bya gcad pa tsam la  
tshad ma yin kyi
- [8a3] yongs tshod kyi khas blangs rang rgyud pa la med do snyam na | tshad ma ni  
'dir spros pa gcod pa kha mi slu ba yin la des yongs su bcad pa'i don kyis stong  
na tshad ma'i bya bas stong bas tshad ma nyams par 'gyur ro || gang kyi tshe  
rang rgyud mi 'dod pa de'i«la»n kyi skye mched rnams ces tshad mas grub pa  
gang la srid || gal te dam 'cha na grangs can phyogs snga ma byed par 'gyur te |  
'bras bu'i bdag nyid du pas 'bras bumi skye na grub pa la sgrub la |
- [8a4] rgyu'i bdag nyid las mi skye na 'gal te rgyu'i bdag nyid las skye ba'i phyir ro ||

des kho bo cag thal 'gyur ba la dam bca med pas skyon de ga la srid | skyon med  
na skyon spong pa'i stsol ba byed par mi 'gyur ro || yang rang rgyud smra bas  
brgal pa | rang la rang rgyud kyi rtan tshigs mi 'dod kyang thun mong du grub  
pa'i rang rgyud la brten nas gzhan kyi 'dod pa 'gegs pa na thun mong du grub  
pa'i rtan tshigs de'i dpe' lastsogs pa skyon

[8a5] med du rang la grub dgos la de ma brjod pas dpe dang rtan tshigs ma smos pa'i  
skyon yod do zhes pa ni | 'di ltar yang ces pa la-stsogs pa'o || lan brjod pa ni de  
ltar ma yin te ces pa la de ni pha rol kyis rang kyi dam bca' ba gzhan la gsal bar  
byed pas brjod par 'gyur la pha rol la dpe lastsogs pa med pa ma yin no | de la  
'thad pa med par rang kyi dam bca' tsam smra bar byed do ces sgrub pa nyid

[8a6] skyon brjod pa ste rang rgyud la mi ltos so zhes bya'o || yang na bdag las skye  
ba mi 'thad te don med pa'i phyir ro ces pa 'di nyid rjes su dpag pa'i rtan tshig  
su brjod pas gzhan kyi dam bca' la 'gal ba bsgrubs pa stie | yang na gdon mi za  
bar ces pa lastsogs pa'o | bum pa dper byas pa yan lag la pa'i sbyor ba byas pa'o  
| nye par sbyor ba'i yan lag kyis 'dir rtan tshigs gsal bar bstan pa'o || gzhan kyis  
skyon brjod ma

[8a7] spangs so ces pa'i lan bstan pa'i phyir | dpe dang rtan tshigs ma smos pa 'ba'  
zhig du ma zad kyi ces pa lastsogs pa la | grangs can gsal ba las gsal ba 'byung  
bar mi 'dod pa nyid 'dir dper byed pas so | nus pa'i rang bzhin kyi skye ba 'gegs  
pa ni bsgrub bya ba'i khyad par te | gong du 'jim pa'i gong bu la gnas pa'i bum  
pa gsal bar 'gyur bar mi 'thad par bstan pa 'dir kyang ngo | des na thar 'gyur  
la grangs can kyis brjod

[8a8] pa'i nus pa'i rang bzhin du mi skye na grub pa la sgrub la | gsal ba'i rang bzhin  
du mi skye na 'galo ces pa'i skyon ga lasrid do | bum pa lastsogs pa ces pa'i  
stsogs pa'i sgras dngos po 'thad bsdus pas 'ga' zhig rang las skye ba'i dgos pa  
med pas ma nges pa ma yin no || yang na bsbyong ba'i lam gzhan ni lugs gzhan  
te de'i grub mtha las grags pa'i lugs gzhan la rten pa'o | skyes bu dper byas nas  
skyes bu las

[8a9] gzhan pa rnam's kyang skyel bu bzhin rang las mi skye'o || skye ba bkag pa yin  
kyi nus pa las gsal bar 'gyur ba ma bkag pas skyon med do snyam pa'i dgos pa  
la | gal te yang ces palastsogs pa la skye ba bkag pa gnod byed min par klom  
kyang dmigs pa dang mi dmigs pa'i khyad par skye ba dang mthun pas gsal ba

la skye ba'i sgra' kha bskangs ste brjod pas gnod byed do || slob dpon sangs rgyas skyong kyis

[8b1] tshig gcig las ma gsungs par spros pa 'di dag gang nas snyed zhe na | smras pa ces pa la ngag gyi don 'di dag ni ces pa don chen po ste ces pa la sgra'i lugs kyis don rtso bo'i ngag dang «|» tshig rtso ba'i ngag gnyis ste| tshig gcig kyis don mang po sdud par byed pa dang don kyis stong yang ngag kyi sdeb sbyor shin tu snyan par sdebs pa'o | de la 'di don rtso bo yin pas tshig gcig kyis kyang sbyor ba mang por 'gyuro |

[8b2] thal 'gyur kyi ngag yin pa'i phyir bzlog pas mthar thug pa ces pa lastsog pa'i lan ni | 'dir gang kyid bsbyor ba byes pa de la bzlog pas phan gnod byed kyi kho bo bag bsbyor ba mi 'dod la des na dam bca med pas bzlog pa'ang mi 'gyur ro des na bdag las mi skye ba las bzlog pas gzhan las skye ba grub pas grub mtha'dang 'gal ba med do | des na grub mtha' dang 'gal lo ces pa la-stsogs pa'i sgra

[8b3] ser ga dang zhags pa thogs pa'i pho nya ba bzhin don rang bdam med par log «par» sgyur nus pa min la | 'on kyang sgra'i nus pa yod nams smra ba po'i brjod 'dod kyi don rjes su brjod pas 'dir gzhan kyi 'dod pa la brten nas gzhan kyi 'dod pa de nyid la mi 'dod pa thog du gtong ba tsam yin pa'i phyir ro || des na slob dpon nyid kyis thal 'gyur kyi sgo nas gzhan kyi 'dod pa bgegs pa'o ces bstan pa'i phyir

[8b4] gal te nam mkha zhes bya ba'i dngos po mtshan nyid las snga rol du yod na mtshan nyid med pa'i dngos por thal la de mi srid pas mtshon bya mtshan nyid phan tshun rten pa'i phyir ngo bos ma skyes so ces bya'o || sngar slob dpon sangs rgyas skyong kyi tshig rnañs don rtso bor byas pas don chen po yin no zhes brjod na slob dpon klu grub kyi tshig rnañs bstan chos kyi rtsa ba yin pa'i phyir de ltar rung kyi cig

[8b5] shos kyi ni ma yin no ces rtog pa la lan du | a slob dpon sangs rgyas skyong kyi tshig rnañs la ci'i phyir mi 'thad de 'thad pa kho na'o || de ni 'grel pa 'khan yin pas tshig spros nas ston par rung la ma spros pas rjes su dpag pa'i sbyor ba mi 'thad do snyañ na | lan du ma nges ste 'grel pas spros nas rjes dpag kyi sbyor ba byed pa kho na min te slob dpon nyid kyis brtsod pa

[8b6] zlog pa'i 'grel par ma byas pas so || de ltar sngon kyi slob dpon kyi 'dod pa la



gzhan kyi skyon brjod pa spangs nas | da ni gzhan kyi 'dod pa la skyon brjod  
pa'i phyir gzhan yang bdag nyid rtoge'i bstan chos la byang bas ces pa lastsogs  
pa la rang rgyud kyi bsbyor ba byed pa la skyon «yod» do ces bya'o | ji ltar byas  
nas zhe na | don dam par phyi nang kyi skye mched rnam's rang las mi skye ste  
don med pa'i phyir ro .e.

- [8b7] sems dpa' bzhin ces bsbyor ba byed pa na | don dam par ces pa'i khyad par kyi  
tshig gal te chos can kyi khyad par du byed na don dam pa'i dngos po med pas  
rgol pa bdag nyid la mi grub la | kun rdzob yin na phyir rgol grangs can la mi  
grub ste don dam par «brjod par yod par» 'dod la «don dam par ces» khas  
«blangs pa dang 'galo» gal te rtan tshigs kyi khyad par du byed na kun rdzob  
du «rang la» skye ba ma bkag par 'gyur la | kun rdzob du skye ba 'gegs na don  
dam par ces khas
- [8b8] blangs pa dang 'gal loa | pha rol ba don dam par 'dod pa ma bkag pas ma nges  
par 'gyur ro | des na kun rdzob du yang rang las skye ba med pa la rjes su dpag  
pa'i bsbyor ba la rten pas gcig bkag pas gcig bsgrubs par 'gyur ba'i phyir de ltar  
mi rigs so zhes bya'o || des na bcom ldan 'das kyis kyang khas len pa dgag pa'i  
phyir sa bon de yang ces pa lastsogs pa'o || gzhan don dam par 'dod pa la ltos  
nas
- [8b9] khyad par de ltar byas so zhe na | kun rdzob du yang gzhan pas skye «ba» 'jig  
rten «pa» 'thad mi 'dod pa'i phyir don dam pa kho na'i khyad par mi 'thad do |  
de lta na yang gzhan kyi 'dod pa «la» ltos nas sbyor ba byed do zhe na de lta na  
thal 'gyur yin kyi rang rgyud nyams la | rang rgyud yin na gzhi chos can ma  
grub pa lastsogs pa'i skyon 'gyur ro || 'jig rten pa yang rang las ji ltar skye bar  
mi 'dod pas de la rten pa'i khyad
- [9a1] par mi byed ce na || 'jig rten pa yang ces pa lastsogs pa'o || yang na rang nyid  
kyi 'dod pas kun rdzob du skye ba mi 'gegs la «pas» don dam pa'i khyad par  
byas so zhe na | de'i tshe don dam pa'i mig lastsogs pa'i skye mched rnam's don  
dam par yod par rang lama grub pas chos can ma grub pa dang rtan tshigs rten  
med pa'i skyon du 'gyur ro || kun rdzob chos can du byas «nas» don dam par  
skye ba 'gegs po zhe na | don par ces
- [9a2] pa gang kyi khyad par yin mi shes par 'gyur ro || kun rdzob kyi mig lastsogs pa  
la don dam pa'i skye ba 'gegs po zhe na | de lta na kun rdzob kyi mig lastsogs pa

- rnams don par skye pa med pa'i phyir ces brjod par rigs pa las ma brjod pa'o ||  
 de ltar don kyi «brjod par» 'gyur ro zhe na «gzhan kyis gam rjes tsa yod pa ni  
 'dod pas» gong du smos pa'i rang dang gzhan la ma grub pa'i skyon du 'gyur la  
 | de sel ba la thal 'gyur las rang rgyud la nus pa med pa'i phyir
- [9a3] sbyor ba don med do || yang na sgra chos can du 'jog pa na sgra spyi chos can  
 du byed pa bzhin 'dir kyang rang dang gzhan kyi 'dod pa kun rdzob dang don  
 dam kyis mphyi ba'i mig spyi tsam chos can yin kyi bye prag yin na rjes su  
 dpag pa rgyun tshad yas gyur te de ni bsgrub bya grub pa'i bdag nyid yin pas so  
 zhe na | lan du de ni ma yin te ces pa la 'dir dgol ba dang phyir rgol gnyis la  
 grub pa'i kun rdzob dang
- [9a4] don dam thun mong ba'i chos can mi 'grub ste | phyin ci log du snang bas stong  
 ba'i chos can tshad mas grub pa | 'dod la | phyin ci log dang ma log pa tha dad  
 pa'i phyir cig la cig kyis stong bar snang la rgol ba gnyis po phan tshun «la»  
 ltos nas phyin ci log yin te | phyin ci ma log par snang ba la phyin ci log du  
 snang ba med pas thun mong ba'i spyi chos can mi 'grub po | des na khyod kyis  
 phyin
- [9a5] ci ma log pa'i «tshad mas grub pa» chos can snang ba la phyin ci log ga la srid  
 te de ni don dam pa kho na'o zhes bya'o | 'jig rten 'thad la thun mong du su  
 snang ba 'di nyid rgol ba gnyis la thun mong du snang bas mig spyi chos cano  
 zhe na | tshad mas grub pazhigam 'on te min | tshad mas grub na yang dag par  
 'gyur ro zhe na | tha snyad pa'i tshad mas grub pas yang dag par «m»i 'gyur ro |  
 de lta na phyir dgol la gzhi chos can ma grub par 'gyur
- [9a6] te don dam par 'dod pas so || gzhan yang tshad mas grub pa dang yang dag min  
 pa 'gal la | gal te tshad mas yang dag pa min pa nyid du grub po zhe na | snang  
 ba «yang dag pa'i» rang bzhin med pa nyid las bsgrub bya gzhan med pas rtan  
 tshigs «dpan du» don « pa » med par 'gyur ro || tshad mas snang ba tsam po  
 sgrub la de'i chos rang bzhin med pa sgrub pa la rtan tshigs 'god do zhe na |  
 snang ba de nyid rang bzhin med pa yin na skyon snga ma las mi 'grol lo «de  
 nyid las gzhan yin na chos 'thad rang bzhin med pa mi grub ste snang ba yod  
 pa'o»
- [9a7] spang na tshad ma cig kyis grub pa la cig kyis mi gnod pas rjes dpag brgya bkod  
 kyang dgag par mi nus la | de nyid don dam pa yin na | sangs rgyas pa la rten

ma grub pa'am chos can ma grub pa'i skyon du 'gyur te don dam pa'i chos can  
mi 'dod pa'i phyir ro || 'on te chos can snang ba'i chos rjes dpag kyis 'gegs na  
tha dad dam mi dad 'tha mi dad na skyon gong ma nyid do | tha dad na rang  
bzhin med pa gud du grub kyang

- [9a8] snang ba tshad mas grub par yod pas chos 'thad rang bzhin med par mi 'gyur  
«te» des na yang phyogs ma grub pa'am rten ma grub par 'gyur ro || dpe dang  
don yang mi 'tshungs ste | sgra mi rtag pa spyi tsam yod kyang mig la stong bar  
smra ba dang mi stong bar smra ba la thun mong du grub pa'i spyi med te yang  
dag dang yang dag min pa so sor 'dod pa'o || de ltar rim pa 'dis ni bhā vi ve kas  
yod pa'i phyir ces pa'i bsbyor ba
- [9a9] bkod pa la yang bsbyar ro || de ltar sbyin brjod par ma zad kyī 'di ltar yang  
'gyur te | gang kyī phyir zhe na ces pa la | rtoge ba rang kyis «gzhan la» skyon  
brjod pa'i tshe rang la skyon de dag yod par khas blangs pa'i phyir ro || ji ltar  
byas na ces pa la | dngos por smra ba rnam kyis de bzhin gshegs pas gsungs  
pa'i phyir skye ba yod par bsbyor ba bkod pa la «kun rdzob dang don dam kyī  
dbye bas» khyod kyis skyon brjod pa de nyid «de ltar rigs pa 'dis ces pa lastsogs  
pas» rang la yod pa'i phyir ro | dngos po'i
- [9b1] chos nye bar bkod pa ni rang rgyud kyī sbyor ba byas pa'o | sgrub byed 'thad  
nyams so ces pa de nyid ji ltar ces na rgyas par bstan pa ni | 'di ltar ces pa  
lastsogs pa la don dam par ces pa lastsog pas rtog ge bas dngos por sgra ba'i  
'dod pa dgag pa'i phyir bsbyor ba byas pa'o | buñ pa dper byas pa ni chos mi  
mthun pa dper byas pa'am | buñ pa las gzhan rnam bu mi skye ba'o || rgyu'i  
phyogs nas dgag pa'i sbyor ba byas pa ni
- [9b2] sgrub byed kyī rkyen ces pa«'o» | gzhan nyid ces pa don dam pa rtog ge ba rang  
nyid la ma grub pa'i phyir rang nyid la yang skyon de las mi grol la | «yang na»  
de nyid gsal bar byas pa ni ji ltar yang ces la rigs pa 'dis rto ge ba rang kyis  
khyad par du gyur par tha snyad byas pa'i phyir ro skye ba «yod pa» dang  
gzhan pa «rang las» yang yod pa'o | de ni kun rdzob du'o zhe na de lta na phyir  
rgol la ma grub pa'i skyon du 'gyur ro || de'i yul la tha khyad par du 'phags par  
tha snyad byas
- [9b3] pa ces pa 'di'i skyon spang «bar 'dod» pa'i phyir | yang na mnyam par bzhag  
pa'i rnal 'byor pas ces pa lastsogs pa dngos por smra ba'i 'dod pa'o | de nyid rto

ge bas ma grub par bsgrub pa'i phyir | 'gro ba yang skye ba bkag pas bkag pa'i  
phyir ro ces paso || skyon de nyid rto ge ba rang kyis bkod pa'i sbyor ba la yod  
bar bstan pa ni | 'gro pa min pa mi 'gro ste phyin zin pa'i lam bzhin ces pa yang  
don «dam» pa'i khyad par rang nyid la ma grub

[9b4] par bsbyar ro | de bzhin du gzhan yang rtog ge ba'i sbyor ba ni bsten tshungs  
kyi mig kyis ces pa lastsogs pa | rang kyi ngo bo bzhin ces pa ni burn pa'i rang  
bzhin dang 'sra ba'o || gzhan yang yod pa'i phyir ces rto ge bas sbyor ba byas pa  
ni phyir rgol la ltos nas ma nges par bstan pa ni | nang kyi skye mched rnam  
sems dpa' bzhin ces pa dang burn pa bzhin ces pa nus pa las gsal bar skye ba'i  
phyir yod pa yang yin

[9b5] la skye ba yang grub pas ma nges pa'o ces brjod par bya'o | burn pa lastsogs pa  
bsgrub bya dang 'tshungs pa ni | 'dir bsgrub bya dang 'tshungs pa ni ma grub  
pa la mi bya ste bsgrub bya bzhin du bsgrubs so zhes bya ba'i don to || lan tu de  
ltar min te | de ltar ma brjod pa ni skye mched ces brjod kyi burn pa zhes ma  
brjod pas so || da ni ltag chod kyi sgo nas rto ge bas {«tatha ma tsal»} smras pa |  
'o na ces pa lastsogs pa la | ji ltar khyod kyis kho

[9b6] bo cag kyi rjes dpag la skyon brjod pa de bzhin khyod kyi rjes dpag la yang  
skyon yod do ce na | smras pa kho bo bag la rang rgyud kyi sbyor ba med la  
bsbyor ba byed pa yang gzhan kyi 'dod pa la brten nas de nyid dgag pa tsam  
byed te de yang de nyid la grags pa'i rjes dpag de nyid kyis de nyid la gnod pa'o  
|| 'o na rgol ba gnyis po gang yang rung ba cig la grags pa'i rjes dpag kyi gnod  
byed

[9b7] yod dam zhe na | yod te 'jig rten pa'i shags 'gyed pa dang 'tra'o zhes bya'o | kha  
cig du rang kyi tshig kyis ces pa ni rigs par sgras pas rgyal ba'am | nor bar  
smras pas 'pham par 'gyur ro | pha rol pa'i cig kyis bdag nyid la rgyal mdar  
'tsam par byed mi nus ste pha rol kyi 'dod pa dang mi mthun pa khas khen pa'i  
phyir ro | gal te pha rol pas rang kyi 'dod pa dang mthun pa khas blangs na  
rgyal lo zhe na de lta na

[9b8] brtsod pa'i byed pa zhes tha snyad mi bya ste brtsod pa med pa zhes bya'o || de  
nyid kyis na kha cig kyis ces pa phyogs snga ma'i 'dod pa gzhan la grub pas  
gnod du byed du mi rung ngo ces bsam pa'o || gang yang 'di snyamsems pa ces  
pa lastsogs pa ni gnyi ga la grags pas dgag sgrub rung bar smra ba'o || de ltar

smra ba rnaṁs kyang ji skad du smos pa'i 'jig rten pa'i lugs de ltar shes par  
bya'o | de yang ji ltar zhe na

- [9b9] gnyi ka la grags pa'i lung ni gnod byed du mi rung la | rang la grags pa tsam  
kyis kyang ngo || rang don rjes dpag gi «brtsod min pa» rang la grags pas  
«tshad mas» sgrub byed du rung ste de nyid shin tu gling ba yin pa ni shin du  
grub pa'o | des na de la brten nas dgag pa' yang ngo || de na rang rgyud la dgos  
pa med la || bcom ldan 'das kyis «kyang» gdul bya'i skye bo la rang la grags pa  
dang mthun pa'i 'thad pas bstan pa'o bya'o || ||

*Sanskrit Notes on MABh*

- [10a1] || jinaśasyasampadaḥ kṛpaiva bījā | yad yasmād iṣyate svata kāraṇān maya  
kṛpaiva prathamam praṇūyate rthapatasamudāyārthaḥ saiva jalavat  
śasyasampado vṛddhaye bhavati | nirmānādyupabhogasthita eva satvānām  
saiva | tha yathā phalasya pākaḥ puṣṭaye udagam apekṣate | sā ca  
jinaśasyasampattir anupūrvocyate | śrāvaka | madhyā pratyekabuddhāḥ muni-  
indrājātā | buddhāpi bodhesatvāj jātāḥ |
- [10a2] bodhesatvāpi kṛpācitta advayajñāna | bodhicittebhyaḥ iti ślokadvayavibhāgaḥ |  
kimbhūtāyāḥ karuṇāya āryāaḍhya hetusampadaḥ niruttareti hetuḥ parameti  
kāryaḥ | yathākarmaṇiyatavipākam niyata eva kāle phalam  
dvahimāṇyapadeśārtham ye kurvanti | te abhave pareṇopadiṣṭaḥ phalam  
āsādayanti | svayam eva vā pratyekabuddhāsthāyām | agraphalam buddhatvam  
| śrāvayaṣyāmiti kṛtam
- [10a3] karaṇīyam ityādina | hetupūjā bodhisatvapūjā | phalam buddham āvedāyitum  
iti saṁbandhaḥ | heto yatnaparipālānīyatām āvedāyitum\* | | upekṣā |  
anunayapratigharahitavāt\* | tasyāḥ bodheḥ upabhujyeta hi phalam iti śeṣaḥ |  
naihīti | ṇustatau | nirvedhabhāgīyānantaram pratipannako bhavati na  
nirvedhabhāgīyāvastha evaṁ bhāvyāpi bodhisatvā na nirvedhabhāgīyāvastha  
eva bodhisatvabhūmir iti | adhimukti=
- [10a4] caryā na bodhesatvabhūr ity arthaḥ | tatraiveti ratnameghe tadevāha |  
tadyatheti adhimukti | a caryāsthito | 'tikrāntaśrāvakādibhūmir  
aprāptabodhisatvabhūmir bhavati | niyāmayāryamārgasya  
pramuditākhyasyāvakrāntyāprāptyā | kasyacin nyāmākrāntam iti pāṭha |

- taddheturn iyam ahetuḥ | parijitaṃ | parijayaḥ | tato bhāveṣyanañ ca | bhūvaḥ  
prathamāyāḥ | ādadāna utpādayat(?) | aṣṭamako viparyaya
- [10a5] gaṇanayā | mūrdhaprāptān\* | sarvajanaśiromaṇiṃ | munīndraghoṣāḥ śrāvakāḥ  
gotrapravarāḥ | adhika iti śrāvakāder iti śeṣaḥ | prati svaṃ pratyekaṃ |  
pṛthagbhūtānāṃ vaiyarthiyāt\* | abhāvāt\* | militānāmeva sadā  
sadbhāvāt\*{eṣāmitīndrayādīnāṃ} |
- [10b1] eṣāmitīndriyādīnāṃ | nirindhana iti | tejo bhinnasyādindhanāt\* |  
lakṣaṇamasāraṇasvarūpaṃ | dvidheti | prathagtv aprathaktveva | yadi sarvaṃ  
nāsti kathaṃ sukhānubhāva ity āha | sukheti bodhesatvo pīti | na kevalaṃ  
śrāvakaḥ mahāyāne śūnyatāśabdenānutpādaḥ | śrāvakayāne tu kṣaya ity  
ucyate | kātyāyanāvavāde śrāvakasūtre | tata śrāvakayānāt\* | animittaṃ |  
anutpādaṃ | | tad iti dharmanairātmyaṃ | dṛṣau niścaye | prithakjanānāṃ  
duḥkhapratīkā=
- [10b2] rakāraṇaṃ dānaṃ | kāraṇaṃ apīti dānaṃ | satvaṃ āśayaḥ | vairūpyaṃ  
svārthaparatā | aniṣṭaṃ śarīraṃ | dukhaṃ iti sambandhaḥ | dāteti  
nirantaradātā | dānapatiḥ kadācit\*dātā | yady eva pratyagraṃ | prajñāṃ  
prajñāpāramitāṃ abhipretya vyutpattiḥ | dānādayas tūpacāreṇa sato  
bodhisatvasyāśrayas tena labdhā kāntiḥ | prakṛṣṭatvaṃ tayā  
śobhasundaratvaṃ || prathamam || 1 || saptaviratīti | daśakuśalamadhye  
mānasaṃ tyaktvā samādṛg\*dṛṣṭir amohaḥ | samutthāpayuktaḥ «śīlādhikāraḥ  
samupasthāpaka»śīlādhikā=
- [10b3] raḥ | daṇḍas tāḍaṇaṃ | bhūteti svarūpaṃ pretādi vā | anaṅgavijñaptir  
mukhādaḥ kāmasevanā | vinidhāyānyathā kṛtvā | samyag\*dṛṣṭim\*kṣamāṃ |  
rucim abhilāśaṃ | matiṃ\*buddhiṃ\* | prekṣāṃ vicāraṃ | sambandhākṛtya  
jāgraddaśāsu yatnaṃ kṛtvā | neta iti ekaṭra śrutvā 'nyatra vadati | anupadāna |  
muttejanaṃ | nānyatragatākaruṇa raktaḥ | na svayaṃ vyagra | ādaśā |  
daśanasvabhāvā | karkasety amṛdvī | parakaṭuketi vipākakaṭukā |  
parābhisañjanī | parakopakaraṇī
- [10b4] anvaḥṣā | samakṣaṃ\* | jugupsanīyāṃ | anvaḥṣaprāgbhāreti | atīśayena  
jugupsanīyā pāṛthagjanikī | prithagjanānurūpāneneti parapravādibhir āchedyā  
| paura | varṇapadasampūrṇā vijñeyā | sphuṭārthā | anīśritā | na kvacid aśaktā |  
utplāvanam ullāsaḥ | svaśabdo 'punarāvṛttyarthaḥ | apunarāvṛttyā parihāryaṃ

- vacanaṃ yasya | sādānāṃ uccaniccakulānavalokaṇāt sādharmaṇāṃ | evaṃ  
 khilāṃ kuśalābhāvyāṃ | malā doṣāḥ
- [10b5] vyāpādo drohacintā | paridāhaḥ santāpaḥ | saṃdhukṣitaṃ baddhitaṃ | śaṭha iti  
 pṛṣṭo 'nyenānyata prasaraṭi | māyāvī paravañjakaḥ | tasyeti  
 dvitīyabhūmisthasya | tair iti daśakuśalaiḥ | ekatyāḥ ekaḥ gocara |  
 upacitaviharaṇaṃ sthānaṃ | samādāyati | śikṣāṃ yāvad ity anena madhye  
 dvayaṃ papālitaṃ | ādiśabdena dharmādharmaḥ dvayabuddhir ityādi |  
 dānādibhya iti | kṣāntiyādikramaḥ | caraṇāḥ ata evety asya dānād ity anena  
 samānādhikaraṇaṃ | pratyekanarako jambūdvīpa
- [10b6] evaikākinā 'nubhūyate | koṭīkarṇavat\*vibharti | puṇyena puṣṭādi | icchayā  
 karaṇabhūṭayā | pagraho bandhanaṃ | dhārayatīti karmanyatāyām | parīttam  
 alpam | sādharmaṇam iti caurādibhiḥ | anājāneyatā | avidheya parivāratā |  
 savarṇadānatā | duścāraṇībhāryā paśunyaṃ kleṣṭacittasya yata  
 parabhedavacanaṃ | pāruṣaṃ paramarmotghāṭanaṃ | mahecchatā |  
 mahātṛṣṇā | prajñeti prajñāpāramitā | atīśīle atīśīlaśikṣāyām | tatvipatyā  
 śīlavipatyā | nidā=
- [10b7] ghaṇaṃ saṃtāpaṃ | dvitīyaṃ || 2 || āghāteti navāghātavastu | asyety apakāraṇaḥ  
 | atikrāntāniṣṭaphalād iti anubhūṭāniṣṭaphalāt\* | dānādyabhyāsa eva paramaḥ  
 śreṣṭho yatra | vipulena bṛhatvena | mahatgatena vyāpinā | advayenādvitīyena |  
 apramāṇena asaṃkhyeyena | avaireṇa virodharahitena | asapatnena  
 virodhidharmarahitena | vyāvaddhyaṃ | mārāṇīyaṃ | tirakuḍyaṃ iti kuḍyaṃ  
 tiraḥkṛtya bhītvy arthaḥ | anubhāvaḥ prabhāvaḥ | mahēśākhyo | 'dhr̥ṣyaḥ
- [10b8] parāmṛṣyati | vaśaṃ vartayati | spr̥ṣyati divyena daivikena | sabhayam iti |  
 devotbhavān mānuṣyotbhavānś ca | te pi pratyekaṃ sūkṣmaudārikāḥ  
 sphāritvā avadhārya | saṃkṣiptam antarmukhaṃ | vimuktaṃ kleśaiḥ |  
 sāṅgaṇaṃ savānaṃ | prāgbhāraṣṭhaulyādikaṃ sākāraṃ | etatsthānaṃ  
 sanimittaṃ | sakāraṇaṃ | mithyādr̥ṣṭikarmasamādānahetoḥ sakāśān  
 mithyādr̥ṣṭayaḥ | anupacayaṃ kṣīṇaṃ yathā bhavati sad iti bodhe  
 pariṇāmitatvāt\* | puṇyaṃ ceti || tritīyaṃ || 3 ||
- [11a1] saṃbodhipakṣānāṃ adhikāyābhārātasyām jātaḥ bodhipakṣāṇāṃ bhāvanāyāḥ  
 sakāśād adhiko 'vabhāsaḥ praguktatāgrāvabhāsāt\* | kāye pañcaskandhe |  
 kāyānudarśi | anityādyanudarśi | ādhyātmīyaṃ na bāhyaṃ ity arthaḥ | atāpi

- uttaptavīryaḥ saṁprajānana samprajanyayuktaḥ | daurmanasyaṁ pratighaḥ |  
bahirdhāparaskandhe pūrvavad ityantena kāyasmṛtyupasthānaṁ prathamam |  
vedanāsv ityantena dvitīyaṁ | pūrvavad ityantena tritīyaṁ | vista=
- [11a2] ra ityantena caturtham | chando 'bhilaṣa | pragrihnāti | līnaṁ cittaṁ nigrihnāti |  
praṇidadhāty ālambana | vaipulyāya bahutvāya | sambhārasya paripūryai  
chanda sā samādheḥ samādhānaṁ | aṣṭa prahāṇa«ṇa»saṁskārāḥ  
śraddhāvīryasmṛtisamādhiprasrabdhi-upekṣavyāyāmacetanāś  
taisamanvāgataṁ | tataḥ samāśe saty ekapadatā | vivekaniśritaṁ | kāmadvātor  
nirgataṁ | virāgo rūpārūpadhātuh | nirodho 'nutpādaḥ | vyavasargaḥ  
kleṣavināśaḥ tena pariṇataṁ nivartitaṁ |
- [11a3] mīmāṁsa samyag\*vicāraḥ | suddhendriyaṁ | bhāvayatiḥ punaḥ cetasikaroti na  
bodhyaṅgāni darśanamārgaḥ | dharmaparicayo dharmasvarūpaniścayaḥ |  
prasrabdhikāyacetasoḥ karmaṇyatā | upekṣā svadharmeṣv anāśaṅgaḥ |  
aryāṣṭaṅgamārgo bhāvanāmārgaḥ | prthagjano py aṣṭaṅgamārgasya kiñcit  
bhāvayati samyakkarmaiva samyakkarmānta | svarūpavācivād antasya |  
samyakvyāyāmaḥ kāyacetaso satvārthaḥ samyakvyāpāraḥ svadrṣṭiḥ  
satkāyadrṣṭiḥ | unmiñjitaṁ vikāśitaṁ |
- [11a4] niminjitam nimilitam | kelāyitam nirmilīkṛtam | niketaḥ sthānāni |  
satkāyadrṣṭair māsaḥsthānāni | caturthaḥ || 4 || anyad apy astīti yad uktaṁ tad  
āha | samvṛtītyādi | anaraṇ caisāṁ vyākhyānaṁ bhaviṣyati | samvṛtītyādeḥ |  
paramārthetyādivyākhyānam anupūrvyaṁ\* jñeyaṁ | ekanaye paramārthe |  
samavasaraṇam praveśaḥ | svasāmānyalakṣaṇeti dharmāṇām iti śeṣaḥ ebhiḥ  
kṣaṇaiś cittasya pīḍā | ebhiḥ śarīrasyeti | pīḍanasyopanipāditvaṁ | gater  
gatyantaharo=
- [11a5] tpattiḥ | sandhisambandho jñānaṁ | kleśaiścittasya pīḍanajvaraḥ | tena  
kāyavāg\* pīḍāparidāhaḥ | advaya jñānasyābhinirhāra āmukhīkaraṇa | bhūmau  
kriyā sārthaḥ tasyā 'nusandhir anusthānām pañcamam\*|| 5 || samāhita iti  
dhyāne | idam\*pratītyodayaḥ pratītyasamutpādas tasya drṣṭam\* tatva yena{h }  
prajñāviḥāda iti | prajñāpāramitāyā atra bhūmāv adhikyāt\* cittacaitanīrodham  
eti | āptitaḥ prāpteḥ pratibimbadharmatā pratītyasamutpāda=
- [11a6] dharmatā | tasmāt\* sambuddhadharmasyābhimukhyāc ca bodhesatvānām  
abhimukhībhūmir ity ucyate | sambuddhadharmābhimukhyaṁ katham



pañcamyām na syād ity āha | pañcamyām mārgasatyālabhanatvād iti |  
tadāsyeti dānādeḥ | akṣi | prajñāpāramitā | samyak ityādi prajñāpāramitāyā  
viśeṣaṇaṁ | svātantrye rthe«ti» svātantreṇa vaktum na śakyā vayam ity arthaḥ  
| pramāṇapu«ru»ṣo nāgārjunaḥ sa iti nāgārjunaḥ | dakṣiṇāpathe vaidalī nāma  
grāmaḥ | sāhasram eva

[11a7] sāhasrakam | satyapīti saty eva | upavṛdhayet vardhayet\* | vaiparītyam eva  
upanītis tasmāt\* | apātyena | narakādinā | pratītyasamutpādasya yathābhūtyaṁ  
daśabhūmake pratipāditam | tadadhimokṣeṇādaḥ vartitavyam iti śikṣayati |  
bhūmer mārgaḥ prāptyupāyaḥ | evam anutpādigrantho dvitīyagranthasyeva  
saṁgrahaḥ | svapnādayaśca saptaagrāhyāḥ | tīkṣṇayā adhimātrayā | anulomikī  
āryadharmodyety anukūla || tadatreṭi daśadharmāṇāṁ madhye | u=

[11a8] panyastam iti ++ na svata ityādyanutpādapratipādakam | trayam  
parobhayānubhayaṁ | idam iti bījaṁ bhavasya | sansārasyāntaṁ paryantaṁ |  
svata svarūpād iṣya«mā»ṇe svarūpam eva kākāraṇam | svarūpam eva kāryaṁ  
syād ity ekyam bhavet\* | kāraṇahetubījam anikurasya | pañceti |  
pṛthavyaptejavyādhṛtavaḥ | kāraṇam sahabhūcetyādināgrāhyaṁ\* | saha  
paścādityādinā vakṣamāṇena virodhāt\* | ṣaḍbhir vijñānair ālambyanta iti |  
ṣaṭvijñānālabhanāḥ sarvadharmāḥ | nirupadhiśe=

[11b1] śanirvāṇam cittāt\* pareṇa cittam nāsti | eka ity uttaravaktavyāpekṣayā |  
nivartaka ityādinā vyākhyānāntam āha | yasmin\* satīti sāmānyenoktiḥ | apare  
tu viśeṣeṇoktāḥ | saha-jātaḥ sahabhūḥ | paścājjāto bhāvikāraṇam | anyonyam vā  
kāraṇam | kṛtyapratyayo tra ṇyat\* | asyeti paravādināḥ | dharmayor iti  
bhāvayor | tatkrīyayor vināśakriyā-utpattikriyayor | bhavanenotpādēna |  
paratvasambhave pi samānakālayorjanmābhāvaḥ

[11b2] ubhayaṁ janmaparatve | athavā yady asti janma | tathāpi pūrvasya naṣṭatvāt\*  
paratvasambhavaḥ | idānīm apekṣayā yaḥ kālo vyavasthāpitaḥ tasyevābhāvaḥ  
kathyate | dvaite sadasat\* rūpe sati | asyeti kāryasya | avapātaḥ prayataraṁ |  
amalajñānatiraskṛtānāṁ pṛthakjanānāṁ | utpattipratīśedhaviṣaya  
āryadarśanāny upagamaḥ | viśayāśrayaḥ | laukikenaiḥ bādheti bruvanahāsyam  
upayāti | moha ityādinā samvṛtisatyam sad asmākaṁ

[11b3] tadā āryāṇāṁ samvṛtimātrakaṁ iti dvayaṁ kathitaṁ | satyam ghaṭādikam |  
kṛtrimaṁ tad api na svarūpasidham | samvṛttisatyam eva kathayati

kiñcetyādinā | pratibimbādi tu samvṛtṭyāpi mṛṣeti kathayitum darśitam | ata  
evam vakṣyati na tat\* samvṛtisatyam ityādi | samvṛtisatyan tu nīlādikam eva  
prastutam | san\* sārotpattihetuḥ | kṛtakan tu samvṛttim iti mūlam etac  
cetyādinā vyākhyāyate | satveti | sattā | samvṛtimātrakam ity āryāṇām iti śeṣaḥ  
saptamī bhūmi

- [11b4] yāvat sabhāsaḥ aṣṭamyān tu nirābhāsaḥ | tasyeti paramārthasatyasya  
svasamvedanam eveti | athāsvayam abhūtam tatheva kathayati vikalpam iti  
kena | taimirikaṁ paśyantam | kim\* paśyantam keśādisamudayaṁ\* |  
bhājanārtham | dhṛtagaṇḍakaviṣāṇādibhājane bhrāntya dṛśyamānam keśa  
evādhikaraṇam bhāvādivikalpanām | athocyata iti lokena | yataḥ sarva eva  
dharmāḥ mṛṣā dharmāṇaḥ | bījam uptvā putro mayā janitam iti bruvatā
- [11b5] kāraṇakāryayor abhedam eva manyate lokaḥ | kāraṇam eva kāryam buddheḥ  
pravṛtte | tatve sati kāryakāraṇabhāvo na prāpnoti | ato bheda evety āha |  
tatvam ityādi | sadaiveti | paramārthe vyavahāre ca | tūṇo mardalaḥ | viṇeti  
paṭahaḥ | ghoṣeti kāmasyatālaḥ | tatkr̥tam nirmi«ta»kākārakṛtam | tad evāha |  
tadyathetyādi | asyeti karmaṇaḥ | svapnāntaram | svapna eva janapadakalyaṇī  
sarvapriyāveśyāsthānīyam | hetuparyāyaḥ | bhāro bhārahāraś ceti
- [11b6] vebhāṣikasya | pañcaskandhasūtrāntikasya | yataḥ ucyate vijñānavādināḥ | etān  
iti | pudgalādīn\* | nikāyeti bahutvena | abhāvam iti sarvadharmāṇām | sabhāve  
dharmaṭā svarūpe | abhimukhyā ṣaṣṭhyām bhūmau prajñādhiko bhavati |  
rūpābhāvāt\* bāhyābhāvāt\* | cittacaittāpi pratītyasamutpannā evety  
adhigacchati | prajñaptisato vastuno nibandhanam | apakrāntir avagamaḥ  
paratantrasvabhāvasya | svavāsanāyā eva sakaśāt\* satvaṁ jñeyam | rūpādikam |  
viśaya=
- [11b7] vad eveti prathamāntevatiḥ | bodhe | prabodhe | yastv iti bhāvivekaḥ |  
dharmāyatanam saptavastukam\* | vedanāsamjñāsamskāra | avijñaptiḥ  
ākāśapratisaṅkhyā apratisaṅkhyānirodhau | paryāpanna | saṁgrihītam |  
bodham jāgrad daśām | dhīśaktītyā«di»nā iti cety antenna vijñānavādī | ~~ṇa~~(?)  
dhīśaktipāko vijñānavāsanāparipākaḥ | śuddhadṛṣṭer ataimirikasya nāsti |  
taimirikasyāsti | tena tasya keśādidhīḥ | na punaḥ jñeyasadbhāvābhāvāt\*  
keśādyapratibhāsaḥ
- [11b8] tacchaktyabhādi ti mādhyamikaḥ | jātasyeti vartamānatvād vidyamānasya |

- ṣaṣṭhī pakṣe śakter vāsanāyā yad vijñānaṁ śaktisambandham\* | yad vijñānaṁ  
 śakti yuktam ityārthaḥ | utpannatvāt balarūpaṁ vijñānaṁ | tasya śaktir vāsanā  
 | sāmārthyāsāmārthyaṁ ca hetur iti | hetuphalayor ekyam syāt tac ca na  
 yujyate | kāryakāraṇayor abhede ko doṣa«ḥ» syād ity āha | yadītyādi | bījaṁ\*  
 vināśo anīkurasvābhāvyād eva | śakteḥ | sakāśād utpattir na yujyate | kasya  
 [12a1] jātasya niṣpannasya vidyamānatvātapacavapaśabdayo bhāvivācakatvāt\* |  
 svayambhūḥ | pratyekabuddhau bhāvinau | vijñānaṁ bhāvitvāt\*  
 śaśaviṣṇāyāmānaṁ kim ādhāraśaktir astu śakter abhāvāt\* | katham  
 tasyotpattirastu | kāryeṇa kāraṇasya kāraṇatvaṁ kriyate | ataḥ kriyamāṇatvāt\*  
 | kāraṇakāryam eva syāt\* | jñāpako pi kāraka evāśman mato |  
 svavijñānasamāśreyasyeti | śaktiviśeṣaṇaṁ | abaddhas yebhis nānā yāva  
 tīrṇasyeti  
 [12a2] śeṣaḥ | nirbhāṣitāc chāyā | jalāntaḥ sthitā bahiri vāvabhāsate manasaṁ ceta iti  
 samānādhikaraṇaṁ | asmadīyeneti | nāyena | śaktyabhidhāneti | śaktir eva  
 cakṣurindraṁ | yataḥ svapnadarśī pariṇatamanovijñāno bhavatīti sambandhaḥ  
 | timirādīti | māyādi | tatreti laṅkāvatāre | praveśaprasāntatvaṁ | praveśa ity  
 atra ukta iti śeṣaḥ | darśaṇamārga anāgatam ājñāsyāmīti yā buddhir iyam  
 indriyaṁ | bhāvanāmārga jñānaṁ ajñendriyaṁ  
 [12a3] aśekṣamārga ājñātāvīndrayaṁ | nopalabhyam iti tatvataḥ | aśubhāyāṁ |  
 aśubhābhāvanāyāṁ | yady asthisamkalāsatyāsyāt  
 tadāsthisaṅkalāpratibhāsadeśe anyasyāpi pratibhāsaḥ syān na cevaṁ |  
 tasmāta<\*> jñānjñeyayor api mṛṣatvam eva | tenaiveti vijñānavādinā |  
 vastumātrasyeti jñānasya | na pratipadyata iti paramiti sambandhaḥ dravyaṁ  
 paratantraṁ prayogam āha |  
 anubhavajñānasyottarakālabhāvismritijñānakṣaṇo naikasantānapatita iti  
 [12a4] sambandhaḥ | ityādikam ity atra yujyata iti yojyaṁ\* | anyatantraṁ  
 paratantraṁ | ekatve sati grahaṇaṁ bhaviṣyatīty āha | kartarītyādi | dravyasya  
 paramārthasato vastunaḥ | apavargo vināśaḥ tatvaṁ svarūpaṁ | tad eva satyaṁ  
 | ṣaḍgati yo bhaṇīti | ṣaḍgataya iti bhaṇitvā | dharmātreti svarūpeṇa vyādhir iva  
 vyādhīḥ | paridrṣyamānaṁ sam\*vr̥tiḥ | tam eva paramārtham iti vadanti  
 sākāravādināḥ śṛṇu yānaśṛṇvan\* | nimitte animittaṁ | yady anādītyādi  
 [12a5] mādhyamikaḥ | yadi bhavān asmat pratyayakārikriyayā tuṣṭim upagacchati

- gacchatu | kim iva | yathā kasyacid va«dha»naṁ kṛtvā gatasya kenacita  
saviṣasūtpannapradānena māraṇaṁ kriyate tad va«dhana»naya«pa»ter eva  
svārthaḥ | abhyudaya iti | samvṛtter api parābhyupagamād evābhyupagama iti  
sā gacchantananaḥ | kṣati tannivṛttiḥ samvṛttinivṛttiḥ | sūtreṭi sūtrāntāḥ |  
tatreveti tatvanidarśanasamādhau | sandhir abhiprāyaḥ | vastuli=
- [12a6] kaḥ prāyikaḥ | ihadhāmmikāḥ vātsīputrīyāḥ | yautakam asādhāraṇaṁ |  
mātraśabdo na jñeyapratīśedhārthaḥ | mohaḥ karmeti | avidyāsaṁskārau |  
catvaro iti rūpavedanāsaṁjñāsaṁskārāḥ | sparśanaṁ sukhārūpenāmbanaṁ  
spṛṣati | pūrvavad iti | anāgatābhīnīvṛttiḥ | pūrvavad iti | bhagavati  
pratyupasthānaṁ | hanta vāyam iti mādhyamikāḥ | satvapācanārthaṁ na  
satvocchedaḥ kriyate | yathākāle sambhūtāḥ kālajāḥ
- [12a7] kāleti | lauhamayāḥ | śastretīndrasya vajrādikaṁ | prākṛtaḥ kuṭumbakādi |  
stasyāvādhanam eva ubhayor iti cā«rā»jñoh | prajñāpānītiḥ prakāśo yasmin\*  
sūtre | prajñāpā«yā»ramitāyām ity arthaḥ | samārthe samānaṁ | prakramaḥ  
prastāvaḥ | ādānavijñāneti | upādānarūpam ālayavijñānaṁ | yathānurūpaṁ  
bhaiṣajyaṁ jñātvā prayacchati tathā bhavān api jñātvā cittaṁ | kathayati  
tathāgataḥ śūnyatā | tadgarbhāḥ satvāḥ
- [12a8] nityādir uddeśādinā jñeyaḥ | vikalpānotam lakṣaṇaṁ pṛthivyādīni  
khakkhaṭatvalakṣaṇaṁ sparśagrāhyāṇi kīrtitam ity anyeneti śeṣaḥ |  
ekapadārthaṁ iti | eko bhāvas tatvato yena dṛṣṭa ityādi | mādhyamikā  
yathetyādinā dṛṣṭāntena vijñānavādimatam anūdya evam ityādinā dūṣayati |  
evam paratantre svabhāvaḥ paratantrasya yaḥ svabhāvaḥ sakṛtrimarūpaḥ  
kalpitaḥ utpannatvāt\* | yaś ca svabhāvaḥ so 'kṛtakaḥ pāramarthika
- [12b1] ko bhavati | pratibimbātmeti paratantrasya svabhāvaḥ | budhagocaras tu  
svabhāvo mukhya evākṛtakatvāt\* | ādiśabdena asamvaraḥ | mātāpitarau |  
tavāpīti | cārvākasya | rūpādikaṁ yad dṛṣṭaṁ tadviparītābodhaś ca  
bhūtamayātvābhyupagamaḥ | tathātmakāni vijñānātmakāni | jñeyā ityādinā  
prayoga racayati | cārvākaḥ prāha | pūrvam ahaṁ viparītadarśisthita idānīm\*  
laukaviparītadarśy asmīty āha | tasya viparītadarśitvāvasthasya tava idānīm\*  
sapi dṛṣṭi=
- [12b2] jātāṁ tathevetyādihetuḥ | bhūtasvarūpasatvaṁ viparītāvasthāyām yad  
abhyupagatam iti dṛṣṭāntaḥ | tadā iva tadeva | ekasyā iti | paralokāyā

vādāvasthāyāḥ | jātāstitva bodheneti | ~~un~~atpannāni bhūtāni santi cety  
 avagamaḥ | anuditāni | asatvenoktāni na santi sarva«ḥ» sarvasya hetur iti  
 sarvavādināḥ pariṇāmo 'nyonyaprakṣepaḥ | moho | avidyā | karmeti  
 saṁskārabhavau | tadutpādanahetoḥ | saṁskāropādānāvidyārūpasya | na  
 tatvena

[12b3] na paramārthena | tatvato na vyavasthāpita iti sambandhaḥ | ubhayapakṣe  
 samvṛtiparamārthe īśvarasyākāraṇatvād ahetuvādenaiva saṁgrahaḥ | vidyātra  
 jānīyāt\* | upādānaṁ upādānopādeyabhāvaṁ | kartaḥ karmaṇas ca sthāne taylor  
 eva vyutsargād apanayanād upādānādiprakṣepaḥ kāryaḥ | kṛtaśaḥ  
 karaṇārthaṁ | puruṣautsukyaṁ yadā paśyati sā | śabdādiṣu parīgrhīteṣu  
 viṣayeṣu | vṛttiḥ pravṛttiḥ | avalokayatīti virāgeneti śeṣaḥ | prākā

[12b4] śātmakam ajaḍarūpaṁ | balaṁ cañcalaṁ | gurur alaghu vaikāriko rajojanitaḥ |  
 kecid iti kṣapaṇakāḥ | saṁkocaṁ prasāraṇ cātamaḥ hastādeḥ karoti |  
 ahaṁkārabuddher apy ātmānādhāraḥ | atadvitāṁ | anātmavidāṁ apy  
 ātmaḍṛṣṭer ātmaḍṛṣṭipravṛttiḥ | viśaraṇātmake kṣaṇabhāṅgure | tadḍṛśaḥ  
 satkāyadṛṣṭeḥ | ubhayapakṣe skandhavijñānayoḥ | samudācāraḥ pravṛttiḥ  
 prahāṇam abhāvaḥ | pratyādhyo peti | skandhaṁ tyaktvāpi ātmā bhavet\* |

[12b5] upekṣaṇīyaṁ\* | skandhir dhāraṇīyaṁ | skandha evātmeti pakṣo vihanyate |  
 evaṁvidhe viṣaye | satyadarśakāle asyeti | skandhavṛtter ātmaśabdasya  
 muktyavasthāyām ātmābhāvaṁ paśyato rūpādisvarūpāparijñānāt\*  
 rūpālaṁbakārāgādayaḥ tathaiva syuḥ | na hītyādinātmano 'kiñcitkaratvaṁ  
 kathayati | tadgataṁ\* mādhyagataṁ | jahātīti na veti śeṣaḥ | bāhyasyeti  
 tīrthikasya | ihāpīty āgame | pratyeṣyate pratīyate | lṛṭ kasmaitat\* |  
 yathākuṭībhāvasthitā=

[12b6] nām rathāṅgānām rathar avyapadeśaḥ na tatsahatīrāśaḥ | tathā  
 pañcopādānaskandhānupādāyātmeti vyapadeśaḥ | na tat\* saṁhatir ātmā | api  
 tu bhinna eva | tasyeti saṁsthānasya no niṣedhe | evamvidyād ity anena kartaḥ  
 karmaṇaḥ sapekṣatām darśayati | upāttir iti bhāvapakṣe upādāt upekṣā kathitā  
 | upādīyata iti karmaṇapakṣe pi tathā kartrapekṣā kathitā | sparśasyotpatter  
 āśreyabhūtān\* | tebhya dharmebhya ātmano na tatrūpatvām\* | manopavicārāḥ  
 pudgala i=

[12b7] ti yojyaṁ\* | upavicarantīty upavicārāvikalpāḥ | saumanasya

daurmanasyopekṣabhedenāṣṭādaśa | svadrṣṭer ātmadrṣṭeḥ | ātmābhāve pi  
 skandhāder ahaṁkāraś padasya bhāvād ity arthaḥ | anyaś ceti skandhādiḥ |  
 ṣṛṇur evāryaḥ | yasmāt\* rūpāt\* sakāśāt\* citasya vastubhūtasyāvācyatām  
 necchasi nāvagacchasi | atmano py avācyatāneṣyatām | atmasiddhyartham iti  
 samvṛtirūpeṇeti śeṣaḥ | akṣācakradvayamadhye vattikāṣṭham\* |  
 goptanīcakrasyārā | nemikā

[12b8] cakraveṣṭitam kāṣṭham | samudāya sanniveśau tatvānyatvādi pañca prakārāś  
 ceti sapta | yat prajñaptiyupādanaṁ cakṣurādi | tasmin\* mamakāra buddhir  
 yasya sa ātmā tulyarūpasyātmanaḥ tulyātmanaḥ | vihi«tu»prathavicārād ityādi  
 parāddham agrato bhaviṣyati | tad itarasminn iti | sati  
 rūpādoghaṭādiprajñaptiḥ budhno mūlaṁ | adhyavasānam āsaktiḥ tasmād iti  
 hetoḥ | ahetur eva{ḥ} hetukaṁ | abhisamayo mārگاḥ | grahaṇakam  
 ādityagrahādīm\* | pratibimbage bhājanādaḥ | dvyaṁ\*

[13a1] dvyaṅgulāgrāso viśeṣaḥ | alīkapratibimbapratibhāsimukhaṁ | prajñā buddhiḥ |  
 śūnyatayā rūpaskandhasya vigrahe kṛte | prasaṅge āpādite | yo vādī nanu  
 vedanādayaḥ tāvat\* santi pāramārthikāḥ | tathārūpam api bhaviṣyatīti vadet\* |  
 eka iti bhāvivekādayaḥ | «śāstre madhyamakaśāstasthitvā | bhāvivekena yaḥ |»  
 kārakahetuḥ pratijñātaḥ | tasya sādhanā«ya» visiddhyai |  
 parigrihītasāadhanadūṣaṇeṣv iti | svapakṣasāadhanāya yat svīkritam\* sādhanam |  
 parapakṣabāadhanāya yat svīkṛtam\*

[13a2] dūṣaṇam teṣu satsu yaj jātyuttaraprasaṅgāpādanaṁ kṛtam pareṇa |  
 tasyopakṣepakam\* nirākāraṁ parihāram ayaṁ bhāviveka parasya prāha | tac  
 ca pracchādanamātraṁ na tu sad iti kṛtvā pareṇāyam dūṣyata eva  
 prasaṅgapratipādaneneti bhāvaḥ | upanayaḥ pratighādanaṁ | khedaḥ prayāsaḥ  
 | nirvastukā niḥsvabhāvā | pratītyasamutpādaṁ vyavasthāpayatāparapakṣe yad  
 dūṣaṇam uktaṁ prāpya janayatītyādi | tata eva tasminn eva pakṣe śeṣam  
 dūṣaṇam pūrvoktaṁ santaṁ janayatī=

[13a3] ty ādikaṁ tad api te hīti śiṣyaṁ śikṣayati | parihāraṁ karotīti parihārakṛta |  
 tasmai śeṣam | mithyādrṣṭyādi | śūnyaśūnyam ubhayaṁ cety asya na  
 vaktavyam iti sambandhaḥ | astīti prajñaptimātre kathyate |  
 akūṭasthāvināśitvaṁ | nisvabhāvatvaṁ pāramitaiva mārگاs tasya bhāvanā |  
 nāyujyate | na grhyate | na niyujyate | na parityajyate | kadācit\* paro brūyāt\* tv

apekṣavastuno asatvād ubhayābhāvaḥ pratipāditāḥ mama tv anyāgati nāsti  
tena kṛtrematvasya sāpekṣatve nisvabhāvo

[13a4] bhavaty evety āha | na ca yuktaṁ ityādi | tasyeti svabhāvasya | itaretarābhāvam  
evāha | cakṣurantarvyāpāretyādi | āsām iti diśām | teneti  
paramārthenāsvabhāva iti nisvabhāvatā | dhyānānīti catvari dhyānāni |  
pratighaprahānaṁ | rūpārūpādaḥ trivimaukṣamukhaṁ kathayati | śūnyatāyā  
ityādi | kuta idam\* lakṣaṇam ityāha | nopalambhān no vastuno 'nupalambhāt\* |  
duḥkharūpaṁ jagat paśyan\* na mūḍhatvāt\* tatrotpatto na praṇidhānaṁ\*

[13a5] karoti | āryagocaraṁ vimokṣatrayam etat\* | laukikāṣṭavimokṣa na ca parān āha  
| rūpī rūpasamjñī | rūpānīti durvarṇāsti | amanāpānītyādi | arūpasamjñīti |  
rūpasamjñānavigamāt\* caturdhyānātmakaḥ śubharūpaḥ śubhādhyāropāt\*  
samjñāveditanirodho nirodhasamāpattiḥ | na cānupūrvavahārasamāpatteḥ  
niṣpannarūpāyāḥ | phalabhūtāyā āvaraṇaṁ | hetubhūtā ca  
bhāvanārūpāsamāpattiḥ tad apanayati | kleśapratipakṣa=

[13a6] tvena niścittaṁ\* suviniścittaṁ | supratisthitatvaṁ | anyathātvābhāvāt\* |  
vaiśāradyaṁ pratibhānaṁ | vatety atīśaye saha dharmeṇa satyavāditayā  
nimittaṁ kāraṇaṁ | sthānaṁ athakāśaḥ | anupādāyāti | upādānaṁ skandhāḥ  
skandhaniḥsvabhāvatām avagamyety arthaḥ | skhalitādayo 'nantarahārayā  
vyākhyātavyāḥ | niḥkramaṇaparyanteṣu prāsādikeryapatheti yojya ity ekaṁ |  
ālokitaṁ sammukhe vilokitaṁ | parāvṛtyasamiñjitaṁ | hastādīnām  
saṁkocitaṁ\* sprśatī=

[13a7] ty antaṁ dvitīyaṁ prādurbhavatīty antaṁ tritīyaṁ\* | nikṣepatīty antaṁ  
caturthaṁ | utpadyata ity antaṁ pañcamaṁ | vicālayitum ity antaṁ śaṣṭhaṁ\* |  
skhalitaṁ ity antaṁ saptamaṁ | bhūtavādīty antaṁ aṣṭamaṁ | tathākārīty  
antaṁ navamaṁ | santoṣaṇavacanam iti daśamaṁ | alaṁkṛtavacanam iti  
ekādaśaṁ | neyārthaṁ vyañjanaṁ | ekahasteti dvādaśaṁ | vikarotīty antaṁ  
trayodaśaṁ | na ca cittam ityādi caturdaśaṁ | deśayatīty antaṁ pañcadaśaṁ |  
araṇāvihārī | araṇāsamādhisamāpannaḥ | araṇakleśaḥ

[13a8] anupadāno vigatāvidyagranthiḥ kleśaḥ | dharmo granthalakṣaṇaḥ tasyārtho  
adhigantavyaḥ | niruktiḥ sarvabhāṣāparijñānaṁ | pratibhānaṁ  
pratyuttaraśaktiḥ | samādhe pāramiḥ pāragamaṁ\* | ākāśam  
evākṣayakṣetraṁ | apratisaṁkhyāya | ajñātvā | yato bhāvitamārgas tathāgataḥ

prayojanabuddhyā upekṣate | tato jñātve copekṣā tathāgatasya | saṁprajñā |  
prajñāiva | pratighānunarāhitatvam upekṣā | tatparipūryai vimuktiḥ |  
kleśakṣayaḥ

[13a9] dvitīyās grihīndriyārūpāty antataḥ | sarvathā trīr āśīti  
niyatāniyatamithyātvaniyatagotrāḥ kṣūyate | khinno bhavati |  
ekasyānutpādādilaṅkāṣasya padasya pratipādanakāle anekeṣāṁ  
tatpratipādakaśabdānāṁ tatra praveśaḥ tadabhidhānaṁ | tena kalpaśate  
sahasrer apy adhiṣṭhitaṁ avichinnaṁ nirdeṣṭum\* jñānaṁ pravartate |  
yathopadiṣṭasyārthasyākathayāsaṁśayachedajñānaṁ | ghoṣānugeti |  
dharmaśravaṇadvāreṇotpannaḥ pratyayaḥ svayaṁ\*=

[13b1] bhūjñānaṁ | jñānānuparivartīti | jñānaṁ na parivṛttaṁ na vigataṁ |  
kāyakarmaṇaiva saha jñānaṁ | ghoṣānugeti sadaiva vartata ity arthaḥ |  
prajñāpanīti acintyadharmadaiśikatvāt\* | vijñāpanīti |  
cintyadharmadeśikatvāt\* | anunnatā | nātisthūla | anavanatā | nātisūkṣmā |  
cintam atītaṁ\* | vācya doṣeṇa codyaḥ | manasyeti vartamānacittena |  
vijñānena bhāvo cittena | aparicitaṁ\* vyāpakam | vinaṣṭāni | anvayajñānaṁ |  
parokṣajñānaṁ | viprakṛtāḥ | ॥

[13b2] preṣitāḥ | rūpaṁ vṛkṣādikaṁ | sprṣṭvā āgato rūpaniryātaḥ | iyatarūpaṁ sprṣṭvā  
āgata iti jñānīti | bālāgrakoṭyāṁ spharaṇaṁ vyāpanaṁ | yāvatyo bālāgrakoṭya  
ākāśe santi tā jñānīty arthaḥ | divyaṁ devikaṁ | sāmyogikaṁ |  
sāmagrīsamudbhūtanīrodhaṁ | cittacaittanīrodhaṁ | āśayaḥ nīrodhaṁ  
prāptyabhiprāyaḥ | sitaṁ nirmalaṁ | upāyapāramitaiva | upāyakośalapāramitā |  
pravacayo dharmanīścayaḥ | ābhogayatnaḥ

[13b3] prañīto vidheyāḥ | mahattvād aprameyaṁ\* | samyag āgamyate  
prāpyate 'neneti samudāgamo mārgaḥ | daśamahāprañidhānāni  
bhadracaryādāv uktāni | dharmamukhaśrotasīti | nīrodhe jñānopasaṁhāraṁ  
jñānodayārthaṁ\* | tathāgatāḥ svarasminā | tā abhiṣiñcanti | eṣeti  
nīrodhasamāpattiḥ | kṣāntimukhaṁ nīrodhamukhaṁ | motsrākṣiḥ māpekṣasi |  
avacāriṇaḥ samudācāriṇaḥ | anabhilāpyāni | saṁkhyātikramāt\* |  
anabhilāpy«āḥ» prabhāvena | aprameya |

[13b4] apramāṇena | asaṁkhyeyāgaṇanayā | nidhyastir nimagnatvaṁ | vyūhaḥ  
satvasamuhaḥ | tam alaṁkaroty adhisthāya | vikurvaṇaṁ



nānāvidhātmakaraṇaṁ | dharmamukhaṁ dharmopāyavigamāṁ  
mārgagranthadvāreṇārthānāṁ lakṣaṇaṁ | jānāti vibhaktim\* gandharasādīnāṁ  
vibhāgaṁ | asambhedeti jātyānyayā bhāṣayā ayam eva dharmo deśitaḥ  
pūrvakair api | prabandhānuccheda | aparāparapratyuttaradānena |  
pratyupatāṁ khacitaṁ | prathamabhūmipraviṣṭaśāsa{}}=

[13b5] notkarṣajñāpanārtham avaśyaṁ pravrajito bhavati | pratilabhate |  
āmukhīkaroti | samjānītair api ter aham adhisthitaṁ iti jānāti | ayutaṁ  
daśasahasrāṇi | niyutaṁ daśalakṣaṇi | punar iti daśamīm apy adhigamya sa ceti  
| pūrvam akaniṣṭhe | vibandhabandhakārasya kṛtaṁ tanutvaṁ yena bhagavatā |  
tasyā iti kartari ṣaṣṭhītayety arthaḥ | na vidyate utpādo yasya jñānasya  
tadanutpādaṁ rūpakāye | sambhoge | āviddhaṁ | ākṣiptaṁ | kāye sthitvā ni=

[13b6] śedhasya sākṣāt\*karaṇāt\* | kāyaḥ sākṣīty ucyate | yena kāyena sākṣātkaraṇaṁ  
sakāyaḥ | sa ceṣaśabdenoktaḥ | sac ca tatpuṇyaṁ ceti satpuṇyaṁ tena  
kṣaṇālaṁkṛtaḥ | nirmāṇaṁ ca tathā dharmakāyas tu jñānaprabhāvitāḥ |  
naiṣyantikā nirmāṇarūpāḥ nirmāyakāya ubhābhyām asty utpadyate |  
sāvaśeṣeti pañcādisīkṣāpadībhūtvā yat\* dānaṁ dattaṁ | niravaśeṣam iti ra  
sampannaśikṣo vā bhūtvā riddhim\* prabhāvaṁ | aṣṭamo bhavo aṣṭamaṁ  
janmaṁ tasyābhinirvṛteṇa=

[13b7] r asambhavaḥ | yathāsambhavaṁ sapta yāvatbhavet\* | manāpo mano na tyajati  
| phalasya prāptiḥ | abhisamayo mārgaḥ | tāvanti nirvātyeti | niyāmāti kṣāntir  
āryamārgaprāptiḥ | avasthānaṁ manākulatā | sā nābhinirvartyate | anulomakī  
āryamārgānukūlarāja cakravartīti samānādhikaraṇaṁ | aho ity arthaḥ | yat\*  
karmasamādāmana kriyate tatra karmasamādānaṁ | iha kulaputretyādi  
prajānātīty ante na hetuśa ity uktaṁ | hetur eva hetukaṁ |

[13b8] evaṁ yata karma ityādi vijñeyam ity antena jñānaśa ity uktaṁ | sapakṣe  
sajātīye | śeṣeṇa vastuśa ity uktaṁ | hīnaprayogo alpavādānaṁ |  
parīttasambhāraṁ | alpodyamaṁ | mahatgataviśeṣaṁ mahāphalaṁ |  
dānādhimugtin\* | adātṛjanasamparkeṇa | amātsaryapratichannāṁ jānāti |  
satkāyadrṣṭyabhiniviṣṭatvāt\* satvāḥ | doṣo dveṣaḥ | akalyāṇamitrasamparkāt  
mithyātvaniyataṁ | dhātuṁ gotraṁ | vikalpa evendriyaṁ |  
prabhutvenāvasthānād asya | uttarāpe=

[14a1] kṣayādhimātram eva hīnaṁ | kṛttrimā utsūtrāḥ | puṣṭabīja iti

- rāgadveṣamohāpy atyasta iti rāgahīnāḥ | puraskṛtāḥ niḥsaraṇeti saṁsārāt\* |  
yad indrayaṁ yat parikalpa indrayaṁ | cakṣurindrayam eva hetūr yasya |  
śrotrendriyahetukatvāt\* śrotrendriyaṁ vyavasthāpyate | dānāśayatvād  
dānendriyaṁ | yan niṣṭhaṁ | yat prakarṣaṁ | yogaḥ prayugaḥ paripācanaṁ |  
dharmakathanāṁ momuhāḥ | mukhāḥ | anunayaḥ snehaḥ | pravṛttīti
- [14a2] saṁsārasya saṁkleśāditrayaṁ arthākliṣṭatvāt\* | ślokenoktaṁ |  
saṁkleśādihetuḥ | saṁkleśāśabdena uktaḥ | vyavasthānaṁ dhyānāt\* ghoṣo  
vyavadānavācakaḥ | dṛṣṭi satkāyādiḥ | ~~pa~~ paryutthiṣṭhanti kleśā asmād iti |  
paryutthānaṁ styānamiddhādayaḥ | samāpadyālaṁbya nirodhād bhūtakoteḥ |  
sakāśāt\* | vyuttisthate | samādhimukham upasaṁharati | samādhau  
prathamadhyānādaḥ sthitaḥ | samāpattim ārūpyasamāpattim\* | sambhedo  
miśrībhāvaḥ | ā=
- [14a3] rambanata ālambanāśrayeṇa | nipatanti saṁgrahaṁ upayānti | ghaṭanaṁ  
samādhīnāṁ | kramavartitvaṁ | samādhitaḥ samādhau | atreti dhyānādaḥ |  
avavādo deśanā | anuśāsanīta vedṛśaṁ cittam iti kathanāṁ | aparāntakoṭim\* |  
saṁsārāntaṁ | pramaṇam iyattā | paryantaṁ parichedaḥ | vṛṣabhītā  
māhātmyaṁ sugatānutpannatvāt\* sugatān\* niḥkrāmata iti mātuh kukṣeḥ |  
dakṣiṇāṁ viśodhayata iti dānapateḥ puṇyaṁ vidhiparibhogena vistaraṁ  
kurvataḥ
- [14a4] anābhāsagatā ārūpyāḥ | arūpitvāc chakaṭacakrapramāṇa eva deśe aneke  
bhavanti dhiyeti | caturāryasatyabhāvanayā | kleśamahānau bhāsanā avaśiṣyata  
iti paryantaḥ | pilindavatsenāpasaravṛṣalīty ukte | tayā ~~dhā~~«cā»gatyokte  
bhagavatā nivāritaḥ | tathāpi kṣamasvavṛṣalīty uktaṁ | vāsanāyānusandhir  
yatra kleśaprahāna iti | śrāvakasyetad uktaṁ | veta iti sāmānyena | prajñeti  
viśeṣeṇaṇa | viśuddham āvaraṇavi=
- [14a5] gamāt\* | vimalaṁ kleśābhāvāt | pariśuddhaṁ vikalpamalābhāvāt\* |  
prabhāsvaraṁ ādiśāntatnāt\* | upādāne pañcaskandhena saha vartante ye  
satvās tebhyaḥ | upamopanyāsenā | dṛṣṭānteś ca kāmādhātuh | bhavo  
rūpārūpyadhātuh | dṛṣṭi«ḥ» satkāyadṛṣṭiḥ | nirbhedaṁ advitīyaṁ | kaṣanti hi  
santi satvān iti kaṣyāḥ | dhīḥ prajñāḥ | sā ca mātā | varṇamātrasya  
śunyaśābdamātrasya grāhyagrāhakarāhitatvena tair abhyupagatasya
- [14a6] nāgārjuno nāgapradhāno vānya tasyor utaradhīr eva hradaś tasya varṇo

nīlatvādiḥ sarvadharmāśūnyatāśabdo vā śobhanatvena yatāni toyāni |  
 sumatāni janena | vasubandhvādinā | bodha eva toyāni  
 yojyasnoparicandra«ra»vāṇikumudaṁ dr̥ṣṭvā alpōdakam iti pravartate janaḥ |  
 candrakīrtir atra candraḥ | āśāḥ pratyāśāḥ budhyate | yujyate tatvaṁ  
 niḥsvabhāvatvaṁ | anye yogācārādayaḥ niścayena pāpād avagacchet\* |  
 anyamate yogācārādi=

- [14a7] mate | tā iti yogācārād(e)r eva prakriyāḥ | ātmodbhāsimataṁ |  
 naiyāyikādimataṁ | asmāt madhyamakamāt\* sakāśāt\* parasmin aparamate |  
 tyajamati\* | vihinaviśvagatam idam\* satyam iti darśanaṁ yeṣaṁ |  
 kutīrthamateṣu | āśāntaṁ digantaṁ uḍucandraḥ śāstracintaivāhiḥ sarpyaḥ ||  
 madhyamakāvatāra ||

*Tibetan Fragmentary Notes on the Vaidalyaprakaraṇa*

srang ma bzung bar gzhal bya mi 'dzin ces zhib mo rnaṁ 'thag las bshad pa la | gzhal  
 byed

- [14a8] 'dis gcal ba'i gzhal bya 'di yin no ces srang la rag lus pa bzhino || lan du thug pa med  
 par thal ba ni | gzhal bya la mi ltos na tshad ma'i sgrub byed gzhan zhig kyis tshad mar  
 'grub la de yang gzhan la ltos pas thug pa med pa'o || yang na de'i khyad par kyi rgyu  
 «mtshan» brjod pa'i | mi' mthun pa ste gzhal bya med pa'i tshad mar 'gyur ba'o || mun  
 pa rang kyis rang sgrib
- [14b1] ces pa'i lan | brjod par bya ste | rgya dpe las | gal te | iti zhes pa 'di yang gzhan kyis  
 byas pa yin kyi rang kyis ste bar bstan pa'i rang khas blangs nas sgras brjod pa ma yin  
 te | de phyir khyod kyi 'dod pa la ltos nas gal te'i sgras brjod pa'o | ces bris pas gong du  
 gal te mun pa yang ces pa la stsogs pa la gal te'i sgras gzhan
- [14b2] kyis tshig kha skangs nas brjod kyi bdag «nyid» kyis nye bar bstan pa'i khas blangs pa  
 ma yin pas khyod kyi 'dod pa ste gang de ltar dogs pa byed pa de'i 'dod pa la ltos pa'o  
 ces || lan tu de'i 'dod pa la ltos na yang skyon de las mi grol te gang la ltos kyang zhes  
 bya'o || gong du mun pa ni dngos po med pa tsam ces pa ni lo tsa ba'i skyon to | bhā«ḥ»  
 bhāva ces
- [14b3] pas bhā ni 'od zer 'aṁ gzi brjid darṁ nyi ma la bya'o | de med pa ni mun pa'o |

- [15a1] ॐ || siddhiḥ | sarvadharmasūnyatāpratipādakatvād gambhīraḥ  
 sarvasatvārthakaraṇād uhāraḥ | satām bodhisatvānām dharmas tadbhāvanayā  
 advaye dhīkrpe yasya || manjuśobhanā śrī laukikalokottarā sampattir yasya |  
 yogaḥ samādhis tasyācaraḥ śikṣaṇam tadrūpaṁ yac catuḥśatakaṁ tasya |  
 pratolikathanārtham ādau mūle ślokadvayaṁ candrakīrtir eva |  
 paramārthadeśenety ante arcākavineti bhāvinā yojyam\* |
- [15a2] hetv ityādinā lokikavastv evāha | pūrveṣāṁ ācāryāṇām nyāso vyākhyā |  
 tadanupūrvivyākhyayā ya tatvāvatāraṇam tenopakartavyās teṣām āryadevaḥ |  
 catuḥśabdalopena śatam avasthita | kalpanāsātanāt\* kakāro 'vasthitaḥ |  
 grāhakatvaśāsanāt\* śāstram iti śatakaśāstram iti niṣpadyate | ādityādināsyā  
 vicaraṇam ādiśabdaḥ catuḥśabdaḥ | yathāvasthitavastu niḥsvabhāvatvaṁ |  
 avidyamānaḥ
- [15a3] kārako yasya mṛtyoḥ | so kārakaḥ svatantra ity arthaḥ | dāruṇam bhayānakaṁ |  
 dharmatā sa nāmācāryaḥ | kaścit\* parīkṣakāḥ | pareṇa na yukta ity  
 aparaprayuktaḥ param na prayuṅgate ity aparaprayoktā martavyam itīty  
 upamāryā | utthāpakasya vartakaḥ | samayos tulyayoḥ videśo 'nyadeśaḥ pīḍety  
 asyānte yadīty adhyādhāryam | parasya yā apīryamānatā sampattis tām  
 asahamānasyānyasyāśra=
- [15a4] yaṁ asadhāraṇapīḍā yady upahanti īrṣām apekṣya | tadāsadhāraṇatvād abādha  
 syāt\* | upaghāto vināśa abhāvo ity arthaḥ | dṛṣṭāntāś ca kvāpi vaidharmyeṇa  
 jñeyāḥ | eteṣām madhye 'ham eva vadhya iti irṣyā teṣām sarveṣām vadhas  
 tadvadhaḥ | teneti kāraṇena prativyuhate samādhatte prativyuhitum ity  
 antenaike | evam ityādinā tv anye | sātivāhanaṁ | śālavāhanaṁ |
- [15a5] vināśavivarṇikṛtya | dakṣiṇety āmantraṇe | mate 'tīte |  
 samarthavācyalaṁśabdayoge caturthī | śūnā vadhyaśālā | pratyayaṁ |  
 sampratyayaṁ | aparejyaḥ kanni | upanīya | ātmānaṁ upasthitikṛtya |  
 maṅgaleti maṅgalakoṭaḥ | deyaṁ ceti bahv iti yojyam | deyaṁ paśyati paścād  
 bahuvyayaṁ kṛtvā dāridrād duḥkḥīsamvṛtaḥ | śauṇḍapānāsaktaḥ | viṭo ++  
 dyūtakārādiḥ | mūliketi śauṇḍyādi=
- [15a6] vikrayi | yaś cāyam ityādy avatāraṇī | ālambane iti | devatādi  
 cittasyānavasthānāt\* | saṁhātaḥ karaṇam | tad alaṁ | tad avaśyam | bālaṁ

taruṇaṃ | putrādīnāṃ kṛtena tava maraṇadharmaṇaḥ śokaḥ kaḥ na yuktaḥ ity  
arthaḥ | adhamato 'dhamatvena kathaṃ na vācyaṃ «|» kāryaṃ kleśakṣayaḥ |  
mṛtyo«ḥ» sakaśāt\* svayam ativr̥ttam ātmānam avagamya | parasya mṛtunā  
sāmyārthināśāt\* | śama«ḥ» śāntir vi=

[15a7] nāśaḥ | glānir mlānimā | anāpriccha apratipādyā | upāmantritāḥ | āmantritāḥ  
vahanam vahitraṃ | ekapada ity avyayaṃ\* | ekakṣaṇe | adha iti putre | tato  
naptari | tataḥ prati naptarītyādi | śuddho advitīyaḥ | anurudhyate |  
snehenānuvadhnāti | yadi sneha syāt\* tadā na duḥkhopaśamaḥ syāt\* | tatas  
tena sūcitām | lokajñena lokavyavahārajñena | abhitaḥ samīpe | yogaś ce=

[15a8] d iṣṭas tadā viyogo pi tatsahacārīpariṣṭa eva yogahetutvād viyogasya  
durantatvād duḥkhaheutvāt\* tasmin iti sute || 1 || samrakṣate pratipālyate |  
bhaktir bhañjanaṃ raktir ity arthaḥ | yogataḥ paripālanayogāt\* adhyavasānam  
āsaṅgiḥ | sukham iti manyate na tatvataḥ sukhaṃ | kutaḥ sukhasya  
duḥkhenābhibhavāt\* | anyattvāc ca kūpārdhaṃ gatvety adha iti śeṣaḥ |  
bhāvayitum vāsayitum |

[15b1] na sakkito na pācitaḥ kalpanākhyasyeti sukhahetoḥ prativadhavṛttitvād iti  
duḥkhe kalpanāvaśyaṃ | kasya duḥkhasya duḥkhaṃ karṭṭu-bhayaṃ upahanti |  
bahv āpīti mahad api | vaiśramaṇasya duhitṛharaṇārthaṃ māndhātṛa yuddhaṃ  
prārabdhaṃ | ganjasthanaṃ «|» ekakāye | rajjurūpatṛṇasamūhe |  
karmasamyogaḥ | śubhāśubhakarmaṇaśārīrotpādanaṃ | utkṣepayati | paraṃ  
preryotthāpayati | karmāñīti caṅkramādīni |

[15b2] hetus tarkaśāstraṃ | arthaśāstraṃ nītiḥ | iṣvaśtraṃ dhvantur vidyā |  
gandharvaṃ geya vidyā | tasyeti sukhasya | vṛtdhir upacayaḥ | sarvathā  
sukhābhāvād ārambha eva tasya nāsti bhāvena rūpeṇa bodho mūrkhah |  
śadyādīti niśadyādi | dukhopaśamam iti khedādineti śeṣaḥ | prahārān iti  
ghoṭakasya | sukhasya | mṛduduḥkharūpasyārambhena utpādena  
pūrvaduḥkhasya ubhayor vṛddhiḥ sā 'paitiviśayām evety ahaṃ

[15b3] vetreṇa carmaṇā vaddhaḥ | vetraṃ varṣodakena sthūlibhūtaṃ paḍīyate |  
carmaśukkaṃ pīḍayati | mānuṣyam evārdhapathatvena rūpitaḥ | vācya eveti  
duḥkham etac charīram ity anena | sugrihītam iti | māmedhyety akṣāmi || 2 ||  
maryādā iyantā | kārṣṇe sāmastaṃ | na cāsyeti dvīpicarmāvṛtasya |  
udvegakālaniyamo nāsti | sadā eva udvegakaravāt\* na vyavasthāne

attāparasyāpīti | sarveṣā=

- [15b4] m eva strīrūpaṁ bhogyaṁ | tatrāsaktir na yuktā | asadarthakalpanā  
viṣaparyāśakalpanā asyeti puruṣasya | viṣayaṁ nīcaiḥ kṛtvā parakyaṁ  
parakīyaṁ | sa ceti rāgī | sarvaś ced anyo pi | udayanavatsarājeti nāma dvayam  
anyavyavachedārthaṁ | śakradeva indravat\* kumāre kumārabhāve  
samenānurūpeṇā | viparitāṁ dr̥ṣṭvā | viparyayo bhavati | duṣṭaṁ  
bhinnāṁ guṇadarśanaṁ | kuṭyā bāhye saundaryaṁ | naivaṁ kurvīti | mā ya=  
[15b5] theṣṭaṁ maithunaṁ kuru | adhyāyanavicārayan\* | hādhikāṣṭhānāṁ  
hādhikāṣṭhaśabdānāṁ | avichedo ceti nirantaraṁ vā | sakalaṁ nirmalacittaiḥ  
pūrvam ācaritaṁ yataḥ | bhūtāviṣṭena grahāgrihītena | striyā idaṁ straiṇam  
iminaṁ\* | sa ceti rāgaḥ | bahir mano nikṣiptaṁ manaḥ pravartate bhavati |  
tato 'nyatra | svarūpād anyatrāsvarūpe | sukhavṛddhiś ca viparyāśād eva |  
mahilāvacāraḥ  
[15b6] strīparvaṇīsāsamvatsare 'nte bhavati | striyaḥ sambhūyagrihādau bhramanti |  
strīnimittaṁ | pratikoṣṭhakaḥ svagrihasyaiva | abhisamayaḥ prāptiḥ | yaḥ  
straiṇe mukhe rāgaṁ raktatvaṁ tatva«ta» na paśyati | tasya kutaḥ sukhaṁ |  
vibhaktāviraktāḥ | rāgaḥ strīsewayā virāgo nāsti strībhiḥ prayojanaṁ |  
sukhābhilāṣiṇaḥ striyā saha dvandvaṁ yugmaṁ | strīdvandvaṁ | varcaskuṭāv  
iti | kasyacit\* strīndriyaṁ saṁsthānasādharmyā  
[15b7] varco vigame kuṭimārge | moho 'jñānaṁ | pratīkārasugandhādīḥ | rakta iti  
pāṭho ~~da~~ na saṅgataḥ saṅgatatve rakta iti tasyā evānurāgāt\* | yatra hetor  
evāsambhavas tatra kim\* vakṣati na kiñcita | avidyāvaśād evety arthaḥ |  
anyatreṭi śarīrāt\* | antaḥ paryantaḥ vārtajīvanaṁ | bījād ity āsuceḥ | syandanād  
āsuceḥ śravāt\* | suhr̥deti grāmīṇena | etāny apīti | vṛkṣasthitāny api |  
evamvidhānīti  
[15b8] punyāpunye ca | yathākuṣṭhīvarjyo sa 'sādharatvāt tathā yadi strīśarīram apy  
asādharaṇaṁ syāt tadā syāt varjyaṁ | paraṁ yathā mūtrī sarvaḥ sarvasamo na  
bhavati | kuṣṭhīty ato varjate | na vainacana na parihāriharaṇīyo  
mūtrīsalīyamānaḥ pīḍyamānaḥ vyāpinaṁ sahajaṁ | lasunaṁ na kenacit\*  
vāsayitum śakyate abhijāto+tpannaṁ | adhiṣṭhānaṁ gr̥haṁ | krīḍate duhitā |  
adhītya śrutvā | teneti kartā  
[16a1] tasyāḥ piśyācyāḥ svabhāvo dr̥ṣṭa iti sambandhaḥ | bhartuduḥkham utpādayati

anātyantikam | yadṛcchā || 3 || adhikṛte vargate | tadāyam iti dāsaḥ | nārhatīty  
 anarhaḥ diśanam deśaḥ tena carati daiśikaḥ | māsenā bhūtaṁ māsikam |  
 vyasanam aiśvaryam | viparītam abhyudayasthānam | coranigrāhako  
 duḥsādhah | hīnakarma māraṇam | asyeti rājñah | vijita iti deśaparyāyah |  
 varṇāśrami=

[16a2] ṇo brahmānādayaḥ | te ity asyānte kuryur iti śeṣaḥ | padurabhrāgurās tasyeti  
 rājñah sampādanam abhipretakaraṇam āraḥṣaṇam ity āha |  
 māraṇāpratipādakāgamadarśanadvāreṇāpi kriyāmāṇasyānunyasya na  
 vināśo 'sti | daṇḍabhetṭā duṣṭasādhakaḥ | adharmapāṭharāmaṇādih |  
 upamānam api jñeyam tuṣṭyātūṣṭyārtham | paradvāreṇātmasamjñāptyartham |  
 ātmasvarūpābodbhārtham | vijñāpya=

[16a3] vyavasthāpya hinsā kurvataḥ pāpam cet\* nāstīti yojyam | saṁsāramocakānām  
 rājñām dharmā«ḥ» karmān na bhavati | kāruḥ śilpī gāsmīr eti  
 duḥkhitayopādānam | jentākam | snānaśālām | pramādāt\* | pramattāt\* | gaṇe  
 sthito guṇavān api sthānam rājyāpadaṁ | prāptam daṇḍam daṇḍārham\* |  
 śvamāmsam kśukkurāmāmsam | nirjihīṣuṇā āchidya grahaṇe cchunā |  
 prāyaścittam pratikaraṇīyam | asmad vi=

[16a4] śeṣāt\* | asmākam viśiṣṭaḥ tvāt\* | uttamā vayam yataḥ | yamadagner apatyam  
 yāmadagniḥ | paraśu nāmā | sa ca śividhanuḥ śikṣārtham gataḥ | tadā ca  
 kārtāvīryārjunena rājñā tanmātā pitroḥ sakaśāt\* kāmādhenvor  
 vatsāpaharaṇam kṛtam | tat pitā ca vyāpāditaḥ | tena ca mātṛo tejitena  
 kārtavīryārjuno ca pāritaḥ | āheti kaścit\* | muneḥ parṣurām asya manaḥ  
 vyutkrā=

[16a5] ntadhairyam kriyate | kaiḥ durjanaiḥ kartṛbhiḥ | vyalikam apakārah | sa eva  
 vṛṇabhūtaḥ | tapasvinā | matpitṛā sahā{}}have saṁgrāme kriyamāne taiḥ  
 parair ājabhrir asya jagato vināśakāraṇam kaḥ tvam ekam api na vyapekṣitam |  
 anena prakāreṇa sarvaṁ jagat\* pralayaṁ yāsyati | adṛśyo 'pakārah kṛtas tena  
 tādrśye na kṛte | na śobhate balavān\* | adhikan tu kartavyam | ~~ya~~ yutsā | yu=

[16a6] ddhecchā | dasyuś cauraḥ | aparisaṁjātam apariniṣpannam | rakṣakair ājabhiḥ |  
 ākṛtam anumataṁ | tena pūjā sukhitā bhavanti | tacchāstram sukṛtam |  
 viśiṣṭam ity arthaḥ | rājeva taskaras tasmāt\* | dhanārakṣakā gr̥hasthāḥ manye  
 śaṅke | kimpūjito naivety arthaḥ | duṣṭayoge anucitakāritvam | bhavān\*

saṃsārān\* parāna ārān\* | tv api rājani nairguṇyam ākhyāti kāraṇam asti svake  
ca yaśo py asti | tasmā=

[16a7] n nāviśeṣaḥ | śvasu | kukkureṣu tannindeti | āhāraṇiṣyandaḥ nirvṛhaṇaṃ |  
nirgamaṇaṃ | prathamakalpokto atītaḥ | saṃvartaḥ pralayaḥ | nyāso nikṣepaḥ |  
kenacid iti nirdeśaḥ | kālyaṇ\* prāptaḥ | andhakārārthaṃ kvahediṃ\*  
sprṣṭvātām grhītavān\* | tato jātaḥ | āpadhyāṃ ca dhamāpahīvartaṃ | teneti  
vāsulena || 4 || nirgataya trimāsim\* kṛtvā calitāya | bhito adhikārabhransena |  
ahita=

[16a8] kāriṇīm\* vācaṃ na bhāṣatīty ekāmśa evaikānta eva | apriyabhāṣane tu  
kāmacāraḥ | khaṇḍapaṭo jaratpaṭaḥ atīśāyitā pātraṃ | atipātrā | bhṛtasya  
sevakatvena dhṛtasya | tīrthikā eva | te bījabhāvena bodhesatvāḥ | śravaṇa na  
ca muṇḍitatvāt muṇḍaḥ | dāraṇeti balavatā | lokavat\* lokadhātuvāt\* |  
sthūpakarta«ḥ» sakasāt\* vinetāśreyān\* puṇyādhiko bhavati | śaṅkhaśikhe=

[16b1] ty ekam padaṃ | chatrālpevartulatvāt\* piṇḍavinaya eva cārī |  
hastibandhārthaṃ khoḍakaḥ | upanīyate āryasamīpam anenetyupanayanam |  
vrataṃ | ~~da~~ tad eva pāśaḥ | yat\* kṛtaṃ yat\* kleśaprayuktaṃ te kleśaḥ tena  
guruṇā nihantavyāḥ | jātaṃ eva jātaṃ | vṛtaṃ ity arthaḥ |  
viśrambhanārthaṃ ityādi | viśvāsaṃ nītvāsācinītety arthaḥ | adhyavasānam  
āsaktiḥ | margotkrṣṭam āhāraṇaṃ na dadatīty upā=

[16b2] dhyāye | pratighato dveṣaḥ tena satyadarśanaṃ tasya notpadyati  
tadanuvṛtyartham | tasya śiṣyasyānuvartanārthaṃ | śiṣyena svasminn  
ekasmin\* pātre ya ādhāra ānītaḥ | so aparāparaśiṣyabhājane vibhaktaḥ | tasya  
ca praṇīto dantaḥ | tena prasannacittanārhattvaṃ sākṣātkṛtaṃ | asatsu  
asatpuruṣeṣu | caṇḍāly āryā sā | śaṣṭhiprithakjanaḥ | hantavyeṣu māraṇam  
akurvanto mārītāḥ | ṣaṣṭhas tu māraṇam

[16b3] kurvan narakam yāsyatīti | vaidyādir bhūtveti sambandhaḥ | asādhye  
durlabhaḥ | sarva eva sādhye ity arthaḥ | aneyo avineyaḥ | śamita iti  
adarśaṇaviśayo mitvaṃ | seṭhaniṣṭhāyāṃ ṇilopaḥ | sthāmaprabhavātīśayaḥ |  
balaṃ kāyapuṣṭiḥ | bodhim āhāraṇti upadhokayantīti bodhyāhāraḥ |  
kṛpaṇaḥ dukhinaḥ | vanīpāgā nagnācāryādayaḥ | yācakā gāyanādayaḥ  
pratihanyante

[16b4] pratihatā bhavanti | dviṣṭa ity arthaḥ sthānam asthānam | vāme tāvad asti



- dakṣiṇe pi yadi syāṇḍa tadā mahad duḥkhaṁ | gauś ca eḍakakā ca gava-eḍakaṁ  
| sarvasmin ity utpāditabodhicitte dviṣṭamanaso yāvat\* pāpaṁ piṇḍīkṛtaṁ |  
tāvat pāpaṁ ekasmin\* mune sute bhūmipraviṣṭo bhavati |  
nirvedabhāgīyādyavasthātaḥ prabhṛti pañcāpy abhijñā bhavantīty evaṁ  
mahato py asya tiryagādyutpādo duskaraḥ | kṣāntir anutpādajñāna=
- [16b5] kṣāntiḥ | taṁ carmabhakṣakaṁ | pramāṇīkṛtya mukhīkṛtya | pañcāpīty  
apiśabdaḥ kārsnyem\* sampūrṇatvam āsām āha | satvārthaṁ  
adhamapakṣitājātim utpannaḥ | kapiñjalaḥ | puṇyarāśīn\* buddhakṣetrān\* |  
truṭisarṣapamātrā | tyāgam ādadānās tyāgaṁ svīkurvantaḥ | tan nirvartayanti |  
tyāgaṁ kurvanti | yeṣāṁ bodhisatvānāṁ dharmāṇāṁ sambaddhāny āvaraṇāni  
| prahīṇāṇi teṣāṁ prahīṇatvān nirvāṇa=
- [16b6] nāṁ nirvāṇaprāptānāṁ | nirvedyante | padadvayaṁ | tathāgatasarvajñau |  
nānārthatve asarvajño śabdenānya eva ucyate | tathāgatasya kim āyātaṁ |  
avācyam ity ekārthanānārthābhyāṁ | vācyatā «'»bhāvo abhāvo anuktatvaṁ |  
jātyuttaram ity ucyate | yac codyam ātmany api lagati sati parihāra iti |  
samapakṣābhāvāt\* kutaḥ | padadvayaṁ | tathāgatasarvajñau | nānārthatve  
asarvajñaśabdenānya eva
- [16b7] ced ucyate | tathāgatasya kim āyātaṁ | avācam ity ekārthanānārthābhyāṁ |  
vācyatā «'»bhāvo 'nuktatvaṁ | jātyuttaram ucyate | yac codyam ātmany api  
lagati | sa parihāra iti | sapakṣābhāvāt\* kutaḥ<sup>1</sup> parihāraḥ | anyathā pravṛttir iti  
| upapatyāṁ tvāṁ māna na khaṇḍayāmi | lokas tu namāni | tena  
tadvacanenaiva bodhayāmi | vedarūpaśabdo vedaśabdaḥ | hetuviśeṣād iti  
dānādīḥ avibhāvyamāno
- [16b8] anirūpyamāṇaḥ || 5 || śataraseti mṛdvādibhedena jñeyaṁ | sukhīyaḥ sa kena  
kāraṇena | tapasvī duḥkhiṭaḥ | kena kāraṇena tapasvī | dhutās ca te tyaktā  
ajñair guṇās ceti | dhutaguṇās ta eva saṁlekhāḥ saṁlikhanti | pratipakṣatvena  
vyapanayanti | kleśān iti kṛtvā | tadupadeśād rāgiṇāṁ api kuto rāga utpattiḥ  
praṇītā viharādi sevayā dveṣavipakatvāt\* | kuto dveṣotpattiḥ dveṣiṇāṁ |
- [17a1] pātyāḥ kṣapaṇādayaḥ | lasitā kiñcit\* ghaṇatvaṁ phāṇitīm\* | phenāder  
ghanatvaṁ | rāgāgnir āsaṅgānalaḥ | paramatvāt\* śreṣṭhatvāt\* | na dukhīti  
tapasvīti yojyaṁ | tasyāsty āsaṅgāgnir yataḥ | kleśatāpaduḥkhitvābhyāṁ |

<sup>1</sup> Reduplicated.

vaidharmyata virodhāt\* | iṣṭadvābhyā{m}m eva tapasviteceta cha ichetyādi |  
eṣām iti rāgādīnām saṁgraho vastusaṁgrahaḥ | rāgakrodhayoḥ dīpanam  
preraṇam | mo=

[17a2] hasya karma | praśamāyeti | caṇḍasya śatror iti śeṣaḥ | balaṁ  
sāmantādimamāvyabhicārīti | darpyo baladarpyaḥ | mama rocata iti  
sambandha vipakṣāyām śaṣṭi | pacati «|» patati | puruṣam apriyam | evam  
anyebhyo pīti dāṇṭāntikam uktaṁ | eṣām rāgādīnām prasravam utpattam |  
vivṛte pīti nayane | anāyataṁ saṁkucitaṁ | prasaraḥ praśrayaḥ tata iti tena | na  
syatha tena vyathām manyate | pinagneti vinaṣṭam |

[17a3] dharmarucibhikṣuḥ | jaṭāsu mateḥ jñeyā | parśukeva parśukā | pārśugulikā |  
gandharvo gāyanaḥ | dhātuvāde lagnaḥ | piśāca iva piśācaḥ | saṁlagnatvāt\* |  
kanyāṇam śreṣṭhatvam | tadvarjitaṁ | apraṇītaṁ vihārādikaṁ ity arthaḥ |  
manaḥpratikūlāni | rāgacaritacittān anukūlāni | avagraho gurvavapaṣṭabdhīḥ |  
tam eva mānasya yena kāraṇena kleśāḥ śāntim\* yānti tena kāraṇena tatra se=

[17a4] vitavyam | avedanīyam | jaraś cāmsau gauś cetiṭa ca | duhitur iti kartari ṣaṣṭhī |  
hetāv iti | yuktatvakaraṇe | ataḥ pūjāpi yuktatvād eva yujyate | anuktaṁ apīti  
dṛśyamānatvād eva | mṛṣāvāde asatyavādenaiva svayam upahataḥ kim\* tatra  
krodhena | evam anyatrāpi satyāsatyayor vaktavyam jñātavyam | nīcāt\*  
maraṇādyanarthakarād apriyabhāṣaṇam | lābhayā ca | sūratāḥ priyāḥ |  
vatsanābho

[17a5] viṣavrikṣaḥ | ruṣṭasyety ākroṣakartaḥ | nālaṁ na samadvaḥ | klībo 'śaktaḥ |  
bhāvanaiti maitrādeḥ | lauko nāhaṁ samartho haṁ iti mantavyam iti bhayam\*  
| kṣamārahitānām yady api doṣakaraḥ krodhaḥ api tu | tathāpi  
sukhakṛtsnaviduṣām buddhānām | yato hetur bhavaty ato guṇakaraḥ krodhaḥ |  
teṣāṁ avadhūtaḥ parābhūtaḥ | aparyāpto 'samarthaḥ | pratividheyam  
āmukhīkāryam\* | upasthānam cikitsā | śamaprāpte śāntim\* gate |

[17a6] nirhāragocarajñaḥ | sāksātviṣayajñaḥ || 6 || ṣaṭtriṁśad iti  
cakṣu«ḥ»sparśajatrṣṇādayaḥ | upāyāsau daurmanasa buddhīḥ | lulitaṁ  
malinaṁ\* | lokam iti | duḥkhaṁ pratipadam mārgaṁ | sthitasyety  
akatvādhyavasayāt\* | tadātmatayā gatidharmātmatayā | tata iti gateḥ |  
sarvathā prthagjano 'sitvam\* | ato yatnas tavārhatīti  
svabhāvābhāvādisaṁsārasyeti śeṣaḥ | vidyāvaśenāntatvam\* | pratyāyānām iti

vidyāpratyayānām |

- [17a7] satyavacanānukūlavacanam iti | āryasatyoktyau nukūlaśabdam\* | prathv iti bahuprithak prithaktvaṁ yathā bhavati tathā gatiṁ\* yānti | pr̥thugatir itīti śeṣaḥ śabdenoktatvāt na dvitīyā | akṣaṇatvātad asugatitvād alpeśvaro<sup>1</sup>lpeśva ity ākhyāyasya | śreṣṭhiputro bhaviṣyāmīti kām̐kṣate na punar indrayatvam ity arthaḥ | asati | avidyamāne py avadyo viḍambanāpadasyārtho vipatir iti | pradīptaraṁ | duḥsaham | paraṁ kintu | amī satvāḥ śiloccaya iva ~~ma~~ sphuranti
- [17a8] pratibhāṣante | palāśabhir vṛkṣair sārdham\* dāvāgnisamālim\*gītāḥ | unmattir iti mahīharṣakṣaye | unmadād ity unmadāt sakāsāt\* | citraṁ nānāprakāraṁ | bhaja ity atra kṣīyanta iti yojyam\* | āśrayaḥ śarīrasthānaṁ | ūrdhāvasthānaṁ | nivṛtiḥ punar āgamaṁ | bhautikasyeti bhutasamadāya kṛtasya | jālinī tṛṣṇā | bhayaṁkaro yo bhavo na bhavati sa bhavas teṣāṁ durlabhaḥ | sa eva bhayaṁkara ity arthaḥ | avakārā santa | āmukhaṁ kurvantaḥ |
- [17b1] ~~ma~~ jyotir devamanu(ś)yagatī | tamo 'pāyagatiḥ sugate«ḥ» sugatir agacchan\* jyotirjyotiparā(ya){+}ṇaḥ | apāyād apāyam\* gacchan tamastam(o)parāyaṇaḥ | tamojyoti«ḥ»parāyaṇaḥ | y(o)t(i)stamaḥparāyaṇa iti caturdhā putgalāḥ | vai(pa)r(ī)tyam\* | bhapāsaṅgaḥ | labhyata iti karmakartari svayam eva viśayaḥ | sampadyata iti tena tena kāraṇena lokenāṅgakṛta iti dharma iti śeṣaḥ | dū(ra)+ ++.r.ya +++(ta)syāpi | dharm. + l. gapar(i)bh.(h̐m)
- [17b2] kriyata iti loko balīyān\* | udvahanam | vivāhaḥ | yavano deśaviśeṣaḥ | vidyāyā (m)anteṇa | sām̐vatsarika jyā<sup>u</sup>otiṣikaḥ | gamayīṣyāmi | siddho jyoṣikatvena pratipādayīṣyāmi | hato mārītaḥ | na cāta iti dānanivṛtteḥ | viparyayāpattir apuṇyam || 7 || sambhāvayata iti ṇyantas-yobhayapa(st)itvāt\* cet\* | pitur bhrātā pitṛvyāḥ | parityaktaṁ | poṣaṇādinā dātumā rabhaṁ\* | rajyata iti divādiḥ | rakto bhavati |
- [17b3] duṣyati duṣṭo bhavati | vivartante | nivartanti | tasyeti | dharmasya | yaiyasyeti madyasya | pānīyarupatvāt\* pīyate | madyakāryam\* pānīyam na karoti viparītatvāt\* | utsrṣṭo dattaḥ | upasnigdha iti snehapuṭeneti śeṣaḥ | snehena śarīrasyākulatvāt\* kim auśadham ityādi sandehaḥ | duḥkham āntaram\* | upadravo bāhyam\* sa eva snehas tena dravīkṛtā durbalīkṛtāḥ samvegāt\* | abhijñādarśanamārgaḥ | parijñābhāvanāmārgaḥ | duḥkhe
- [17b4] dharmajñānakṣāntyā ekadhātukleśaprahāṇe sarvadhātau prahāṇam syāt\* |

snehaḥ | chandaḥ | anyatrety akuśale | ekasyauṣadhasyekā koṣṭhigabhājanam |  
 aparasyānyā | pṛthivyādidhātava evāśīviṣaḥ | agnyādīnām śārīrabhakṣakatvāt\*  
 | pūrvataram eva | prathamam eva | yasmin eva nagare amukasthāne yadyas  
 tiṣṭhate | gamanāya tam yācasva | gantapyanagarasamīpe puroṣo bhikṣurūpaḥ |  
 putra iti yo vimānena nītaḥ |

[17b5] gr̥hītety atiṣṭhitā | ibhyakulam īśvarakulam | niṣyanto  
 viśiṣṭaparamārthajñānam | āsvādo vināśena | abhiyukteti coratvena dūṣitā |  
 virāgadharmaḥ tyaktvā gamanam | pāgeti dhātuvādaḥ || 8 || kūṭe sāmagryān  
 tiṣṭhatīti kūṭasthaḥ | sāmagryabhāvād anutpattir ity arthaḥ | yatheva bhāvasya  
 svabhāvas tathevāgato buddhavān\* yaḥ sa tathāgatād ṛte nānyaḥ | tathāgatām  
 eva param\* syāt\* | gata iti gantariktaḥ | vedanīyam

[17b6] anubhavanīyam\* | tair iti deśādiviśeṣaiḥ | tārīkā bhāvivekādayaḥ | kārīkāyāḥ  
 kathitavyākhyānād anyataiva vyācakṣate | pareṇa tīrthikena | anutpannatvena  
 nityatvena | utpannakāryam | ghaṭādīnā | kīrtir dūṣayati | svata eveti  
 bhāvivekasya | parasya prasiddho yaḥ hetuḥ | tena mayāṅgīkṛtam ity uktau  
 cātiprasaṅgaḥ | aneneti hetunā | avidyamānam abhyupagamyataḥ  
 svaprasiddhena bādhety akauśalam | asmād uktam eva sukhapratipādyajñe=

[17b7] yaḥ | śaddhātur ayaḥ puruṣapudgala ity atrākāśasya kāraṇatvapratipādanē pi  
 notpannatvam uktaḥ | avayavatritayasyeti hetor iti śeṣaḥ | parebhya iti  
 tādārthe caturthī | viparītadarśī lokād anyathādarśī | ubhayam utpādabhaṅgo |  
 sac ceti sadrūpaḥ | na pratipadyata iti vikṛta iti śeṣaḥ | āvattavyam iti  
 kṛtibhave pi karma vivakṣate | tenāvasthām ity atra dvitīyā | sannikarṣaḥ  
 sannidhiḥ | bhinnam vināśitam | bhinno yadi mokṣo 'sti tadā | yathāvad  
 bhavate 'stitvāna=

[17b8] kāraṇamatis tathāmokṣasyāpi astitve kāraṇena bhāvyam | na cāsti | ato na  
 tasmāj jāyata kiñcit kāryam\* | ato na tasyāstitve kāraṇam asti | bandho  
 bhāvamātram | nānartham iti kriyā | viśeṣaṇam\* | dvitīyavyākhyāne trayāt\*  
 kāśātmo kā iti kiñcit\* vastu na jāyate iti viśeṣaḥ | kāraṇād iti mokṣaheto«r  
 u»pāyāt\* | vaiparītyam\* | praveśaḥ | guṇeti sadvādayaḥ | teṣām hīti  
 sām̐khyānām | tṛṣṇasti tasyeti | mokṣāpasthāyām iti śeṣaḥ āma |

[18a1] yo rogaḥ | pūrvapakṣenety ārthapratīśidhaprakaraṇa eva sambandhatvāt\*  
 pūrvaprakaraṇe kathitaḥ | ātmaniśidhena ca sidhānta uttaraprakaraṇa eva

prastutaḥ | tena uttaraprakaraṇe kathitaḥ || 9 || piriśaṅkitasya  
sarvathocchedadarśanāt\* | syād etad evam iti sambandhaḥ | pratitantraṁ  
pratiśāstraṁ | tatpratikūlapravṛttatvātad apakārī | ahinsā cābhyupagamyate |  
atha cātmā śvāśvata iṣyate ity atra manyate kiṁ prakāraṇam | cakṣurādinā  
buddhya=

[18a2] bhivyakteḥ sakāsāc cetanyavṛttir abhivyagatā bhavati | cetanyavṛttātmikā ca  
kriyopabhuktiḥ ucyate | yadi caitanyavṛttiḥ kṛyārūpā ātmanaḥ svarūpaṁ  
tadāsyā kriyāyā dharmeṇa bhāvyam | kriyā yathā calā na tathā dravyam calam |  
anyatra caisataneti rūpādiviṣaye cetanā | śakter anyatra cetanā | cetanā  
dhātoḥ prithag ity vyākhyā | etat prithakpravartanam ayuktaṁ | yataś  
cetanetyādi | bījāṁkurayor yathābhinnadeśatā | tathā cetanā dhātvor api

[18a3] bhaviṣyatīty āha | pījetyādi | āṁkura«ḥ» śaktirūpabījāvasthāyām tirohitaḥ  
paścād āvirbhūtaḥ | manomātrasanyogād bhavati manomātraṁ cetanyam\* |  
tatvātmavarūpaṁ\* | tadabhinnadeśam yatra viṣaye manaḥ pravṛttaṁ  
taddeśam | iva | ādhāraṇe | ahaṁ śabdavācyātmā yadi sarvagataḥ | so ham iti  
mām kin na ceti | sarveṣāṁ eva cātmanāṁ vyāpakatvāt\* | na ca paraśarīre  
mahātmāna āvaraṇam iti sambandhaḥ | ekadeśatvāt\* parātmaiva svātmā |  
atho 'vaga=

[18a4] myate ebhir iti kṛtvā śrotrādayo buddhīndriyāṇi | ubhayātmakam manaḥ |  
buddhikarmendriyarūpatvāt\* | pāṣaṇḍāḥ sarvaliṅginaḥ || 10 || anāgato  
vartamānatān na gacchaty anāgataḥ | atīto vartamānatām atikrānta ity  
atikramaḥ | tābhyāṁ niyatavādinah | svabhāvavādinah |  
puruṣakārapuruṣavyāpārah | dvayavādo bhāva eva abhāva eva ceti |  
dvayavādān atikramaḥ | dvayavādād atikramas tu nāsti | na

[18a5] tasya nāstitvam ity anena nāstitvaṁ pratiśiddham\* | astitvam api tathety  
ubhayaḥ hitādvayavādaḥ eva siddhiḥ |  
nāstitvaniṣedhenānāgatadarśanaviruddham\* | astitvaniṣedhena  
cānāgatavyapadeśo na virudhaḥ | na tv ity asya paśyantītyādinā sambandhaḥ |  
pūrvadharmādyānutpannatvaṁ | tenetyādi niyamena | rāgo raktāśreyaḥ |  
raktasyānāgatasyābhāve rāgo nirhetukaṁ syāt\* | samagrāṇāṁ dharmāḥ  
sāmagryam\* tasya cāvastheva phalam | tasyā eva utpatya=

[18a6] bhyupagamāt\* | sahotpāda iti | smritinirvigalpayor iti śeṣaḥ | tasyām iti

vartamānāvasthāyām «kārya»sāmpattiḥ || 11 || ātmavaśād iti svavaśaḥ |  
prathamāḥ prathamaphalastha ityādi vyapadeśo nāsti tīrthikānām dhruvaṁ |  
nāhyatra viśeṣaḥ jagato netuḥ | tathāgatasyāśato 'haṁkāro sti yuktapudgalasya  
| sāradyaṁ stambhitatvaṁ | utkālyamāna | utthāpyamānaḥ | na vyāpadyate | na  
pratikṣepaṁ karoti | śīlavipattinām asaṁkheyaśatasahasrair a=

[18a7] pi na tulyaṁ\* | svāyattam iti dharmānām | aparāyattam iti pudgalasya |  
viśeṣaṇamālebhāti | nirvāṇam iva śāntyādi | kṛtenety asminn arthe kṛtiśam iti |  
avetya | avagamya | anvety asmāt\* kāryam ity anvayaḥ kāraṇaṁ | kṛcchra  
saṁkaṭa | samvāda iti mṛdvādinoddeśādinā vā | sthūladarśanāḥ | saugatānām |  
vihārādyupabhogaṁ upalabhya viparyastadarśanāḥ santaḥ | saṁskṛtasya  
svapnādirūpadarśinaḥ | kleśamalam avadhūya | tathābhūtā eva ye

[18a8] samāhitāstair avaseyāgamyāḥ || 12 || indhanam eva ced agnis tadā nirindhana  
eva dīptaḥ syāt\* | saṁcitetyādi sidhāntaḥ | ālocanaṁ darśanaṁ |  
vijñānasamudāya iti | cakṣuḥ srotrādijñānasamūhaḥ | adhyāropya svīkṛtya |  
ayam iti tārkikaḥ | padārtheti svabhāvatvaṁ\* | vivakṣitaḥ | ādiśabdena  
kathayitavyādi grāhyaṁ\* | añjanaṁ nīlāditvenopalambhaḥ | rūpaviśaye  
indriyaṁ rūpīndriyaṁ | cakṣurādi | rūpetyādi kāyendrayaṁ

[18b1] grāhyam ity antenna | parābhimatam anūdya | tad yadīty uktaṁ | dṛśye  
padārthāntare utpanne dṛśyatvaṁ nāma ghaṭavat\* sāmānyaviśeṣaḥ | netarat\*  
paśyatīty akṣamāyām | darśaṇāc cakṣuvispharaṇāt\* | cakṣurālocanaṁ  
cakṣurvyavalokanaṁ | grahaṇeneti sahārthe tṛtīyā | athādrṣṭva gacchati |  
tathāda iṣṭaṁ dravyaṁ niyameneti vṛthaiva jāyate | avaśyaṁ darśanam  
anupapatteḥ | yady aprāptakāritvaṁ nābhyupagamyate | tadā 'gamavirodhaḥ |  
sa ca prāptetyādinā

[18b2] niṣiddhaḥ | agatvety aprāpya | parāñīty uṣṭāñīti śeṣaḥ | ādi prathamam  
mukhanirgataḥ | paścāt kramena srotradeśaṁ prāpnoti | tasyeti  
mukhadeśasthasya | cakṣurādīndriyadvāraṁ tiraskṛtaṁ paśya | asyeti cittasya |  
anantatvād arthāvabodhasyānivṛttāv ātmasthānāgamane | saṁskārā«ḥ»  
karma | sa eva pratyayaḥ | ādinā nāmarūpaṁ | bāhyena pṛthivyādinā saha  
bāhyaṁ rūpaṁ || 13 || āyattaṁ | āyattatvaṁ | ātmatā svabhāvaḥ | na syur ity  
atra yadīti yojyaṁ |

[18b3] eka iti ekā saṁkhyā yadi ghaṭo na bhaveta | tēto bhinna eva yadi ghaṭa«ḥ»

syāt tadā ghaṭo py eka iti nisidhyati | padārthabhedāt\* |  
 ekatvaguṇapadārthasya bhinnatvāt\* | yathādvitīyādi | naikam tadvat\* |  
 samayor eva ghritamadhuno sanyoge saty ekatvam nānyatra | ekasya sanyogo  
 naiṣyate | gaṇe gaṇāntarābhāvāt\* | syāt tattraivetyādi prāptam ity antam  
 paravacanam | rūpādiṣu madhye ekaismīn\* rūpādaḥ ghaṭo nopalabhyate | ato  
 bahutvam api ghaṭasya nāsti | aparam ityādi

- [18b4] nāvyaḥkhyānāntaram āha | śuklaḥ paṭo na bhavatīti guṇo guṇaḥ ghaṭo na  
 bhavatīty arthaḥ | śuklalakṣaṇaprāptaḥ śuklasvarūpatām gataḥ | tadā ghaṭaḥ  
 śuklatvam eva kevalam na ghaṭaḥ | vikalpāḥ viśeṣāḥ | nīlādiprabhṛtayo tathā  
 jñeyāḥ | sarveṣām nīlādirūpāṇām sambandhābhāvena kvena rūpeṇa ghaṭaḥ  
 paṭo bhavata | sadasat\*bhyām iti | satvāsatsavikalpābhyām  
 ekatvānyatvānyatvalakṣaṇāprāptatvenāvastutvāt\* | śuklaḥ śuklo na bhavati
- [18b5] tathā paṭo pi paṭo na bhavatīti || 14 || bhinnam vikṛtam | na hy asatā kiñcit  
 vikṛyate | dvābhyām iti sthitivināśābhyām | ekasyety utpattaḥ |  
 janmaśabdenotpādaḥ | asatbhāva iti | bhāvarūpasyeti śeṣaḥ | nirodhānantaram  
 yo jātas tu prāgavasthā pūrvakoṭiḥ | tata rūpo rtho jātaḥ pragavasthārūpaḥ |  
 etac ca yathā kathañcit pracchādanamātram parasya | anumīyetety atra  
 pareṇeti śeṣaḥ | tasya tarhīti | jāyamānasya | jātajāyamā=
- [18b6] nayo abhedād ity arthaḥ | jāta evotpanna eva yadā jāyamāna ity ucyate | tadā  
 jāyamānaḥ | bhasmād utpadyata ity ucyate | jāyata ity asyānte ity arthaḥ syād  
 iti yojyam\* | sa ca na yujyate | jāyamāno 'jāto yaḥ sa jāta ity evam kutaḥ |  
 prāgabhāvena | pūrvam abhāvarūpatvena | naiva bhedaḥbhāva iti | bheda evety  
 arthaḥ | saced ityādi siddhāntaḥ | akātaro bhavatīti kṛyā yojyā kim\*bhūtaḥ  
 samutsāhita utpādita eko bījakṣaṇo yasya | tena ca punar a=
- [18b7] pi bhavam utpādayitum yuktaḥ || 15 || tasyām iti śūnyatāyām | pañcadaśa ca  
 parimāṇam eṣām iti tranna tvayā hīti paraḥ | yasmāt karaṇāt sam\*jñā vidyate  
 ataḥ sadvastv astīti jñeyam\* || 16 || catuḥśatakaḥ ||

*Unidentified Sanskrit Notes and Reduplicaed Text*

- [18b7] ॐ || ānavati yāvad viṃ\*śatyādyā ekatve stitve ca vartante tena yuktiśaṣṭika iti  
 | abhyupeyannā ity antena codyam\* | svabhāveti yādinaḥ siddhāntaḥ |  
 satyadvayabhraṃśenonmukha iva na tu unmukhā eva | yatas tadapadeśato

'durlabham | munīndratvaṃ ("yan niṣṭham yat prakarṣam\* | yo=  
[18b8] gaḥ prayogaḥ | paripācanaṃ dharmakathanam | momurhāḥ mūrkhāḥ |  
anunayasnehaḥ pravṛttīti saṃsārasya saṃkleśāditrayam arthākṣiptatvāt\*  
ślokenoktam | saṃkleśādihetuḥ saṃkleśāśabdenoktaḥ | vyutthānam dhyānāt\* |  
ghoṣo vyavadānavācakaḥ | dṛṣṭisatkāyādiḥ paryuttiṣṭhanti kleśāsmād iti  
paryutthānām styānamiddhādayaḥ samāsādyā | ālambyanirodhāt\* bhūtaḥ  
sakaśāt\* vyuttisthate samādhe mukham upasaṃharati | samādhau  
prathamadhyānato sthitaḥ | samāpattim ārūpyasamāpattim\* | sambhedo  
mīśribhāvaḥ | ārambaṇata<sup>1</sup>

[END]

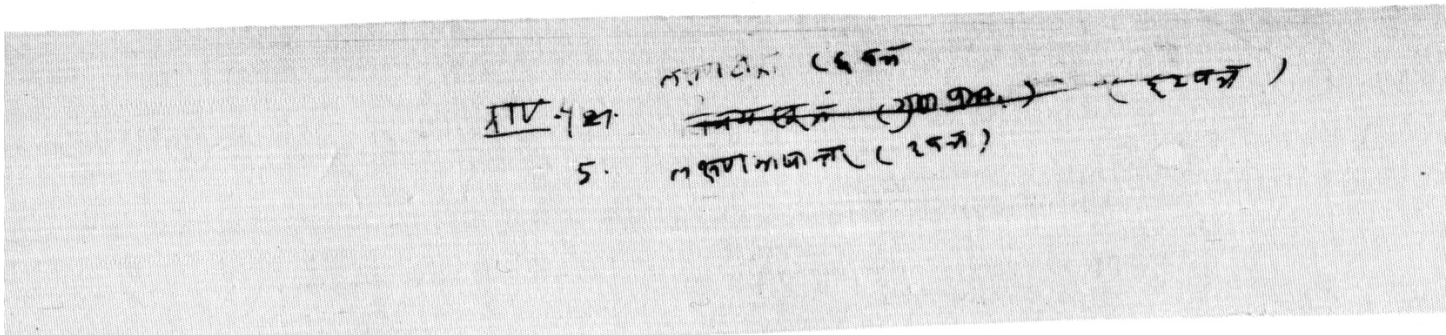
---

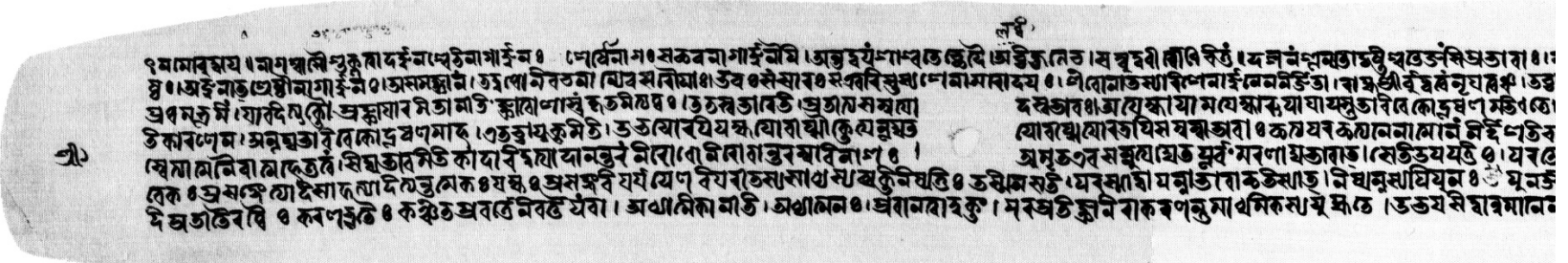
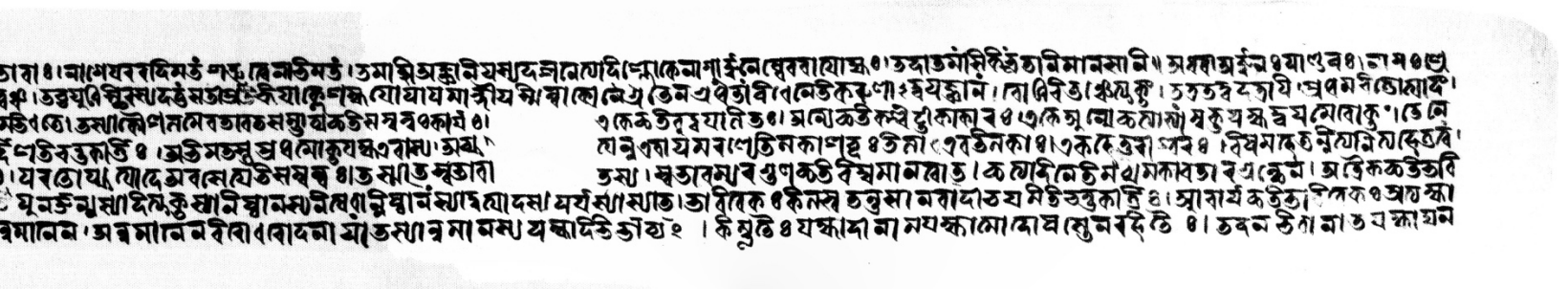
<sup>1</sup> = 14a1-3.



# Appendix C Photo-Images of the \*LT

The photo-images below are scanned from the *dBu med* MSS.

|     |                                                                                                                                                                                                                                                                |
|-----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 1aM |  <p>Handwritten text on a piece of paper, likely a label or note. The text includes "ATV-421", "5.", and some crossed-out text. The handwriting is in Devanagari script.</p> |
|-----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

|     |                                                                                             |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------|
| 1bL | <p>  </p> |
| 1bR | <p>  </p> |



|                                                                           |                                                                           |                                                                            |
|---------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------|
| <div data-bbox="271 229 430 549" data-label="Text"> <div>2bL</div> </div> | <div data-bbox="430 229 1834 549" data-label="Text"> <div>१७</div> </div> | <div data-bbox="1834 229 1991 549" data-label="Text"> <div>८९</div> </div> |
| <div data-bbox="271 549 430 943" data-label="Text"> <div>2bR</div> </div> | <div data-bbox="430 549 1834 943" data-label="Text"> <div>८९</div> </div> | <div data-bbox="1834 549 1991 943" data-label="Text"> <div>८९</div> </div> |









[illegible]



[illegible]



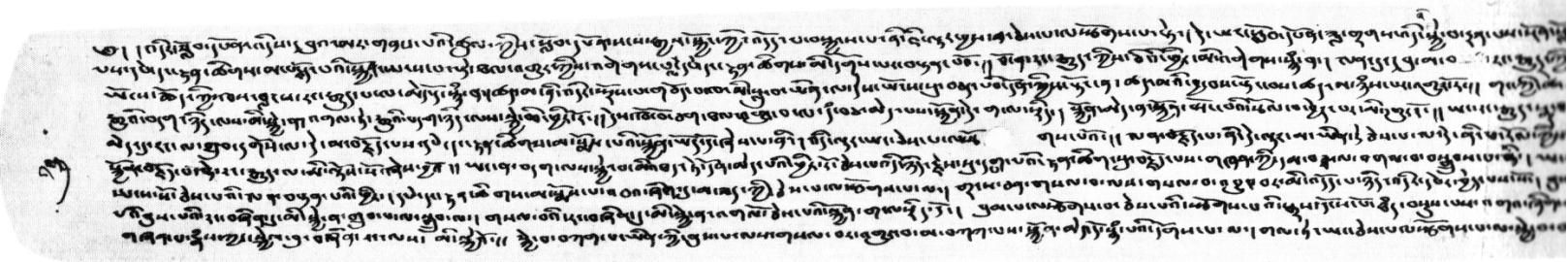
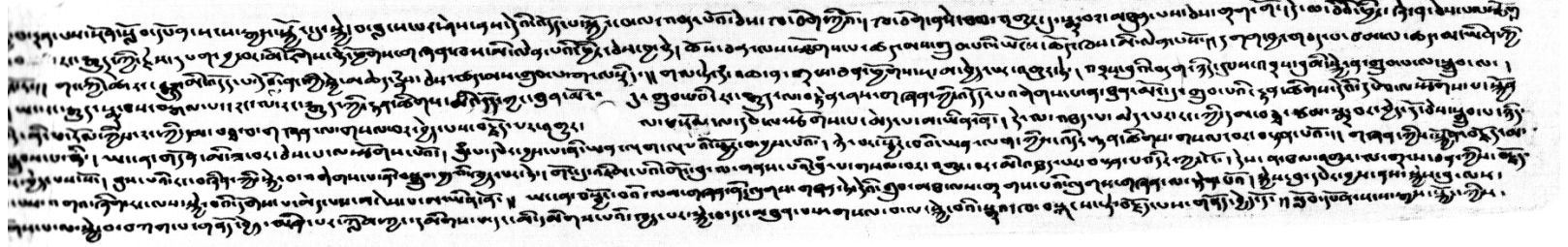




[illegible]



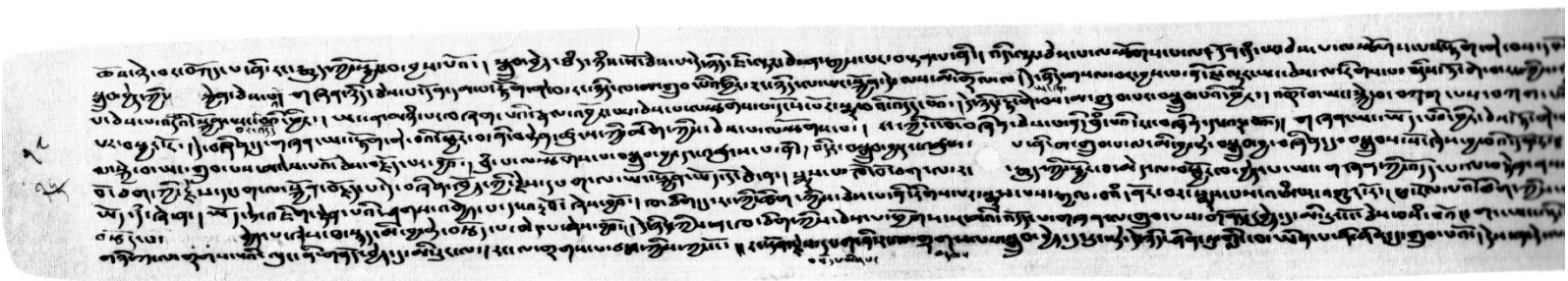
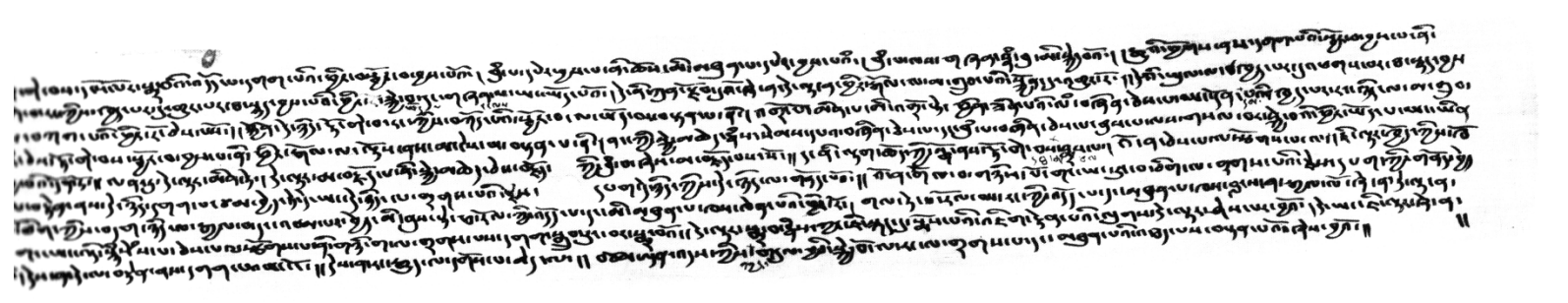


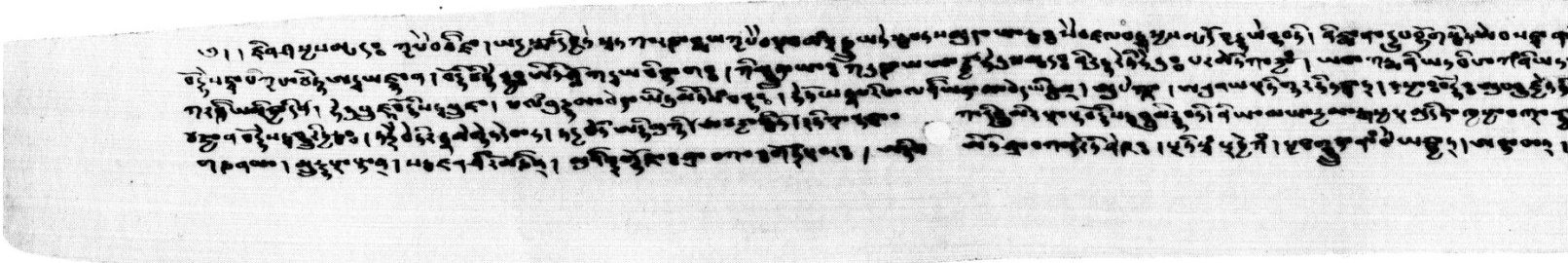
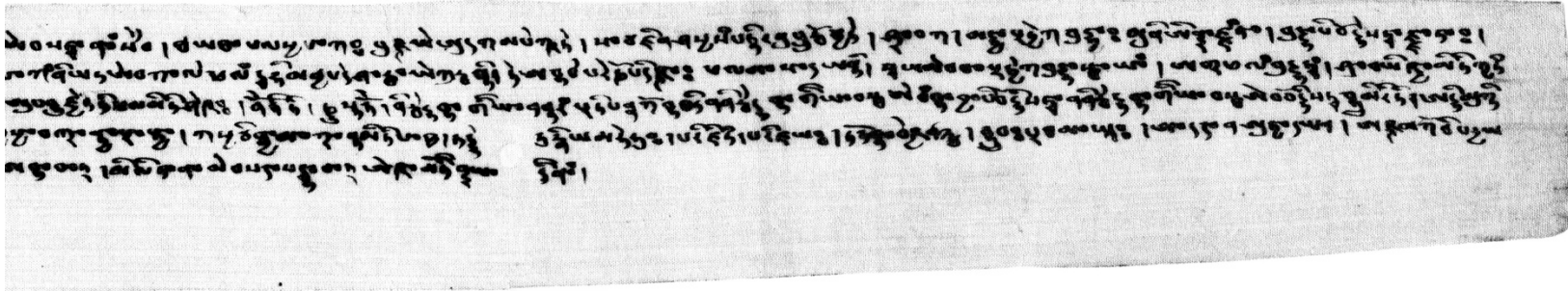
|            |                                                                                     |
|------------|-------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>8aL</p> |   |
|            |                                                                                     |
| <p>8aR</p> |  |



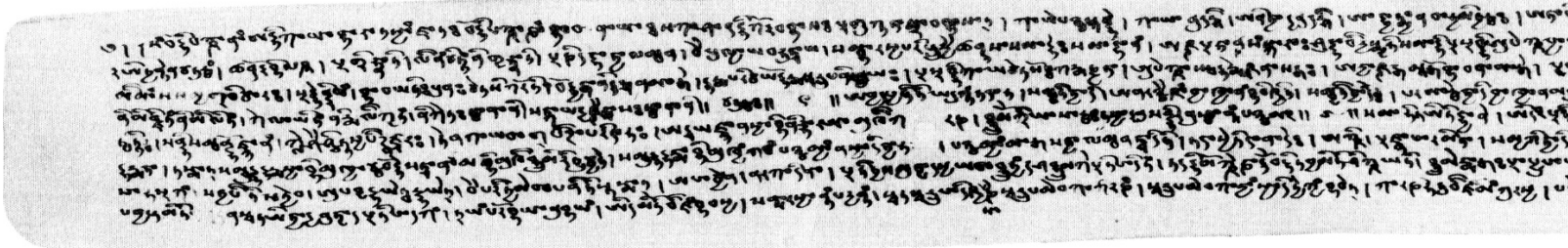
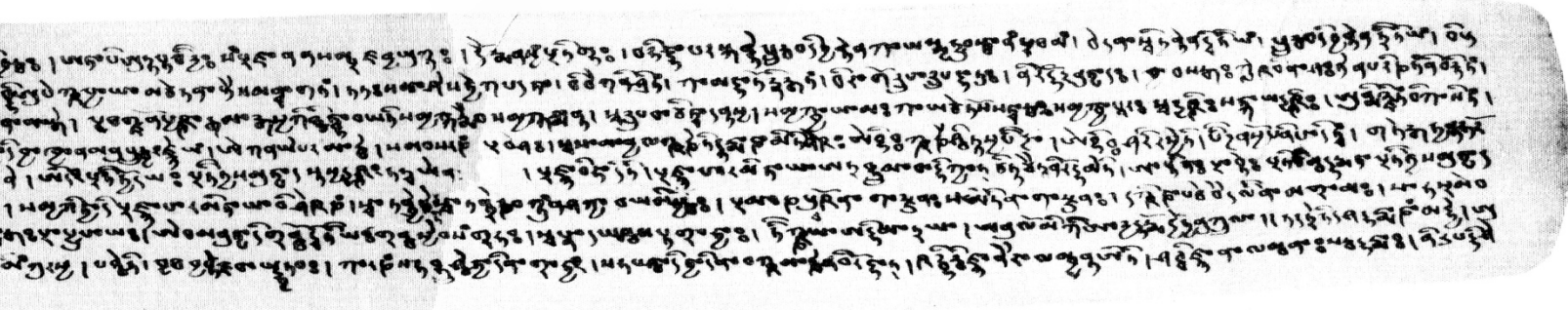


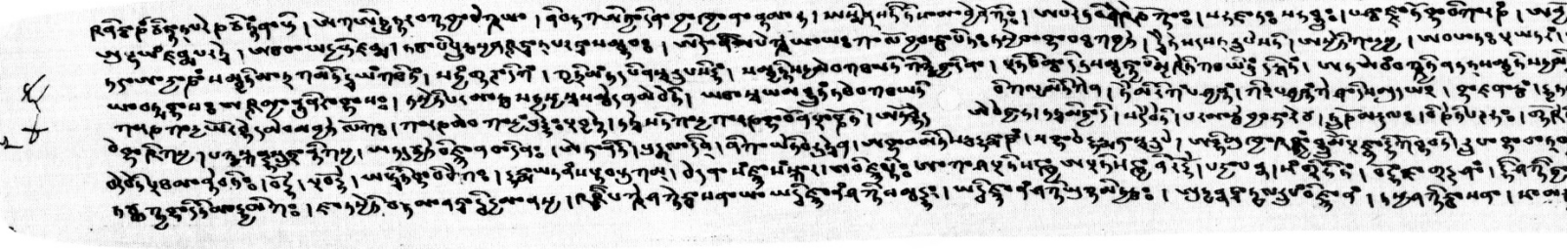
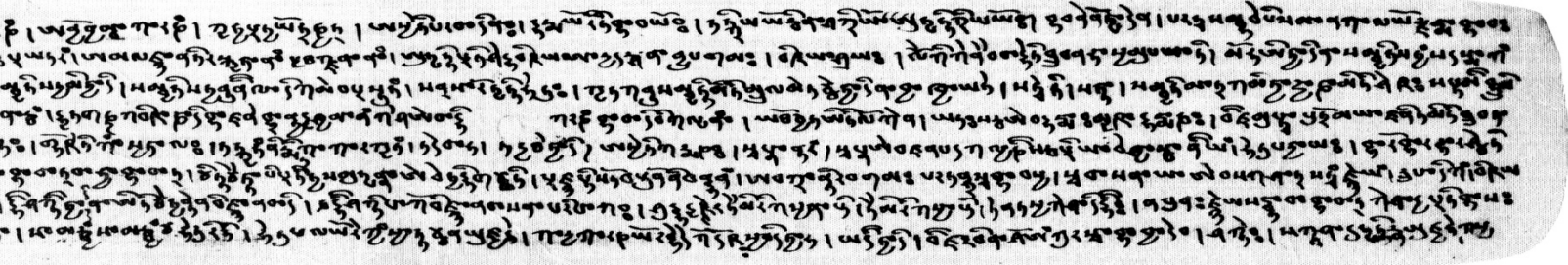


|     |                                                                                    |
|-----|------------------------------------------------------------------------------------|
| 9bL |  |
|     |                                                                                    |
| 9bR |  |

|      |                                                                                     |
|------|-------------------------------------------------------------------------------------|
| 10aL |   |
| 10aR |  |



|      |                                                                                    |
|------|------------------------------------------------------------------------------------|
| 11aL |  |
| 11aR |  |

|             |                                                                                             |
|-------------|---------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>11bL</p> | <p>  </p> |
| <p>11bR</p> | <p>  </p> |

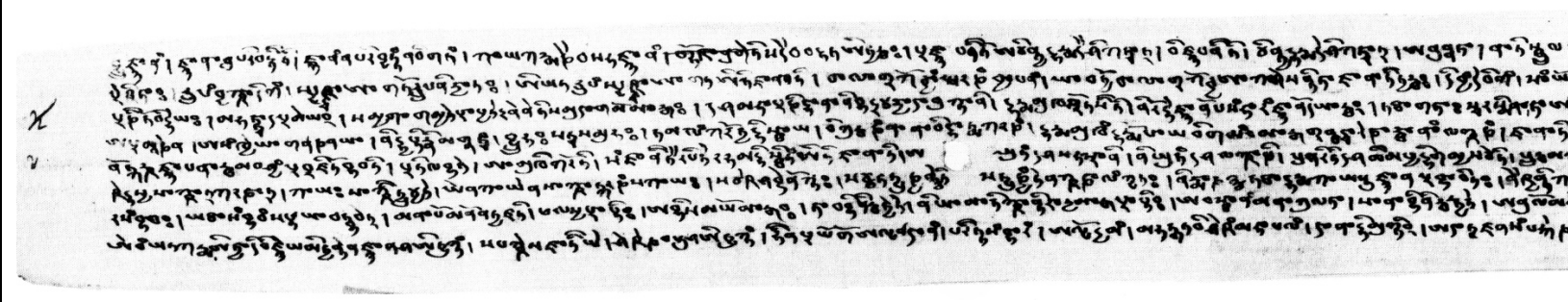
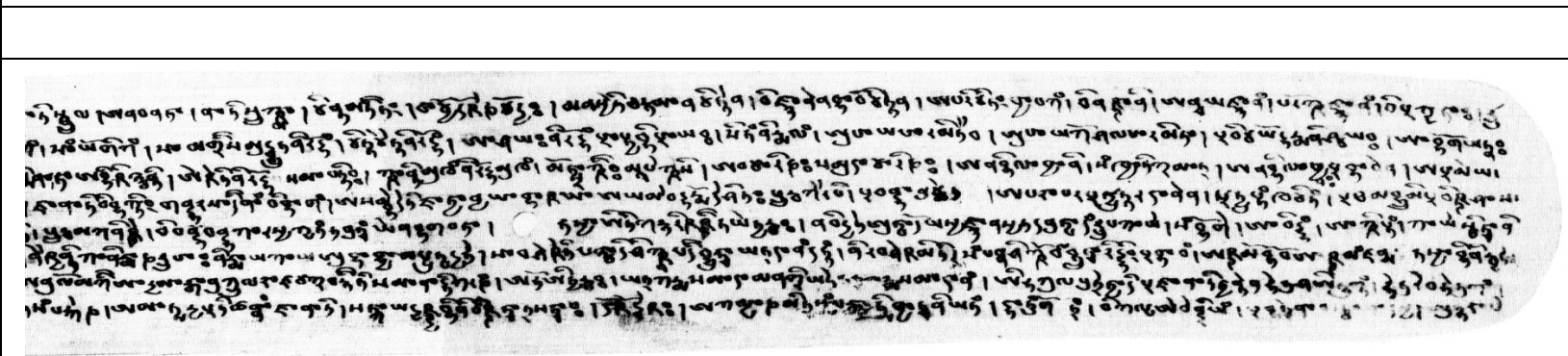


[illegible]

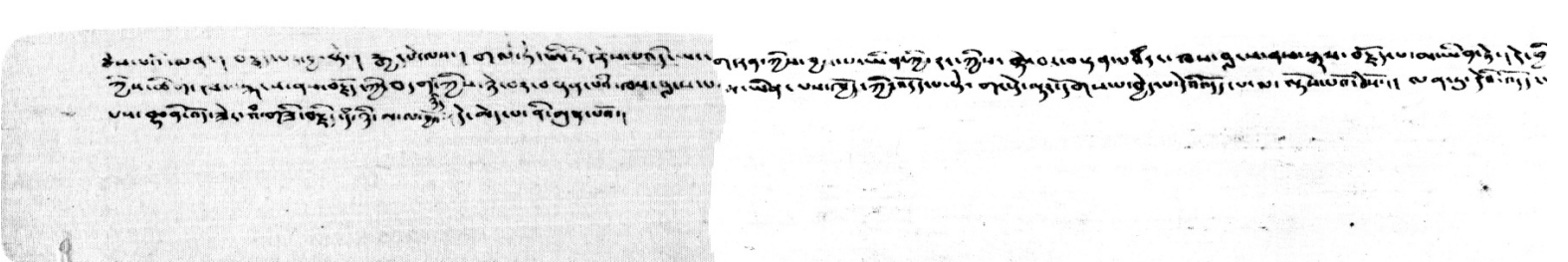
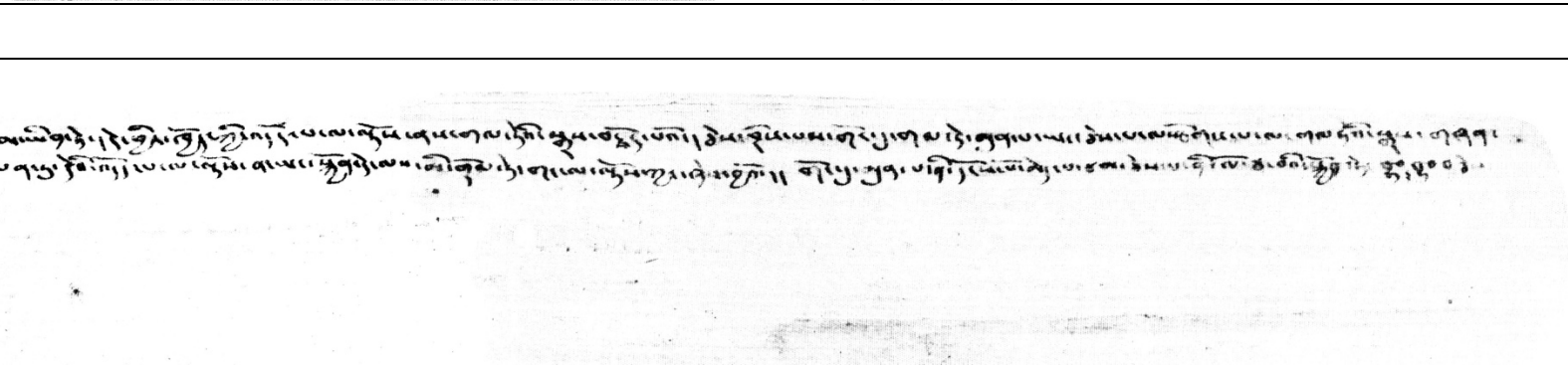




[illegible]

|             |                                                                                             |
|-------------|---------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>13bL</p> | <p>  </p> |
| <p>13bR</p> | <p>  </p> |



|      |                                                                                    |
|------|------------------------------------------------------------------------------------|
| 14bL |  |
| 14bR |  |





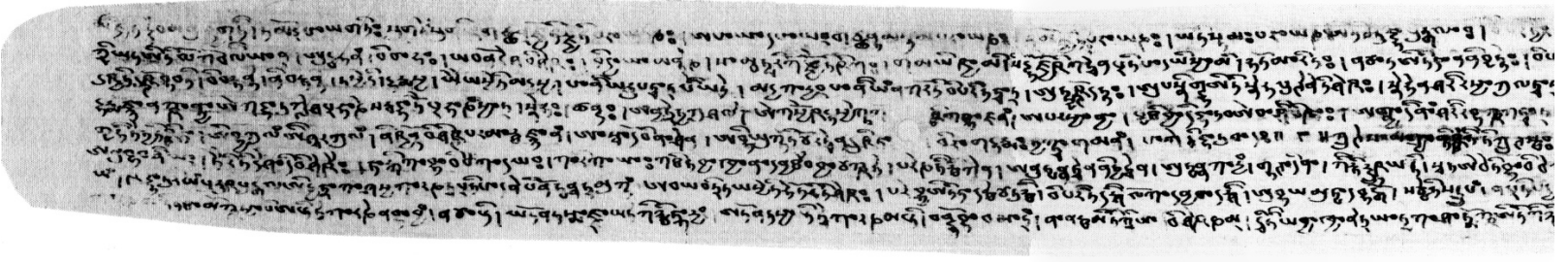
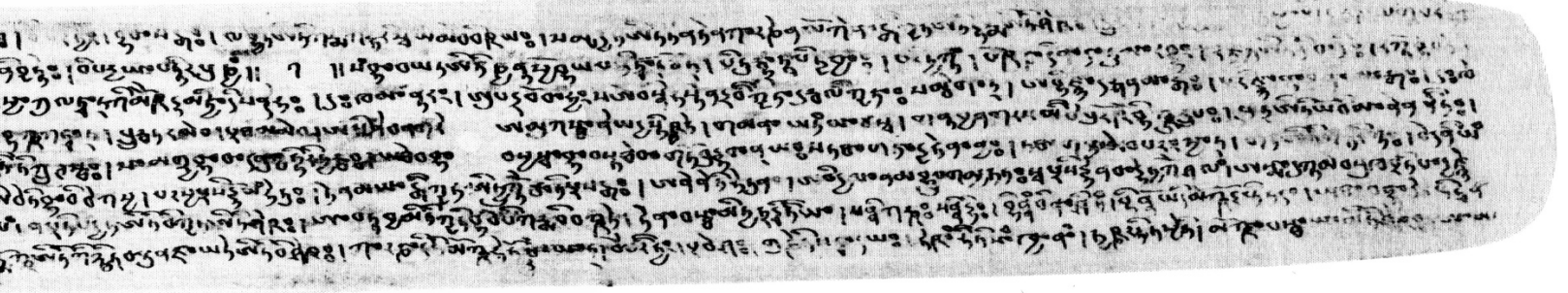
|                                                                    |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|--------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <div style="position: absolute; top: 10px; left: 10px;">16aL</div> | <p>၁။ ၂။ ၃။ ၄။ ၅။ ၆။ ၇။ ၈။ ၉။ ၁၀။ ၁၁။ ၁၂။ ၁၃။ ၁၄။ ၁၅။ ၁၆။ ၁၇။ ၁၈။ ၁၉။ ၂၀။ ၂၁။ ၂၂။ ၂၃။ ၂၄။ ၂၅။ ၂၆။ ၂၇။ ၂၈။ ၂၉။ ၃၀။ ၃၁။ ၃၂။ ၃၃။ ၃၄။ ၃၅။ ၃၆။ ၃၇။ ၃၈။ ၃၉။ ၄၀။ ၄၁။ ၄၂။ ၄၃။ ၄၄။ ၄၅။ ၄၆။ ၄၇။ ၄၈။ ၄၉။ ၅၀။ ၅၁။ ၅၂။ ၅၃။ ၅၄။ ၅၅။ ၅၆။ ၅၇။ ၅၈။ ၅၉။ ၆၀။ ၆၁။ ၆၂။ ၆၃။ ၆၄။ ၆၅။ ၆၆။ ၆၇။ ၆၈။ ၆၉။ ၇၀။ ၇၁။ ၇၂။ ၇၃။ ၇၄။ ၇၅။ ၇၆။ ၇၇။ ၇၈။ ၇၉။ ၈၀။ ၈၁။ ၈၂။ ၈၃။ ၈၄။ ၈၅။ ၈၆။ ၈၇။ ၈၈။ ၈၉။ ၉၀။ ၉၁။ ၉၂။ ၉၃။ ၉၄။ ၉၅။ ၉၆။ ၉၇။ ၉၈။ ၉၉။ ၁၀၀။</p> |
|                                                                    |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| <div style="position: absolute; top: 10px; left: 10px;">16aR</div> | <p>၁။ ၂။ ၃။ ၄။ ၅။ ၆။ ၇။ ၈။ ၉။ ၁၀။ ၁၁။ ၁၂။ ၁၃။ ၁၄။ ၁၅။ ၁၆။ ၁၇။ ၁၈။ ၁၉။ ၂၀။ ၂၁။ ၂၂။ ၂၃။ ၂၄။ ၂၅။ ၂၆။ ၂၇။ ၂၈။ ၂၉။ ၃၀။ ၃၁။ ၃၂။ ၃၃။ ၃၄။ ၃၅။ ၃၆။ ၃၇။ ၃၈။ ၃၉။ ၄၀။ ၄၁။ ၄၂။ ၄၃။ ၄၄။ ၄၅။ ၄၆။ ၄၇။ ၄၈။ ၄၉။ ၅၀။ ၅၁။ ၅၂။ ၅၃။ ၅၄။ ၅၅။ ၅၆။ ၅၇။ ၅၈။ ၅၉။ ၆၀။ ၆၁။ ၆၂။ ၆၃။ ၆၄။ ၆၅။ ၆၆။ ၆၇။ ၆၈။ ၆၉။ ၇၀။ ၇၁။ ၇၂။ ၇၃။ ၇၄။ ၇၅။ ၇၆။ ၇၇။ ၇၈။ ၇၉။ ၈၀။ ၈၁။ ၈၂။ ၈၃။ ၈၄။ ၈၅။ ၈၆။ ၈၇။ ၈၈။ ၈၉။ ၉၀။ ၉၁။ ၉၂။ ၉၃။ ၉၄။ ၉၅။ ၉၆။ ၉၇။ ၉၈။ ၉၉။ ၁၀၀။</p> |

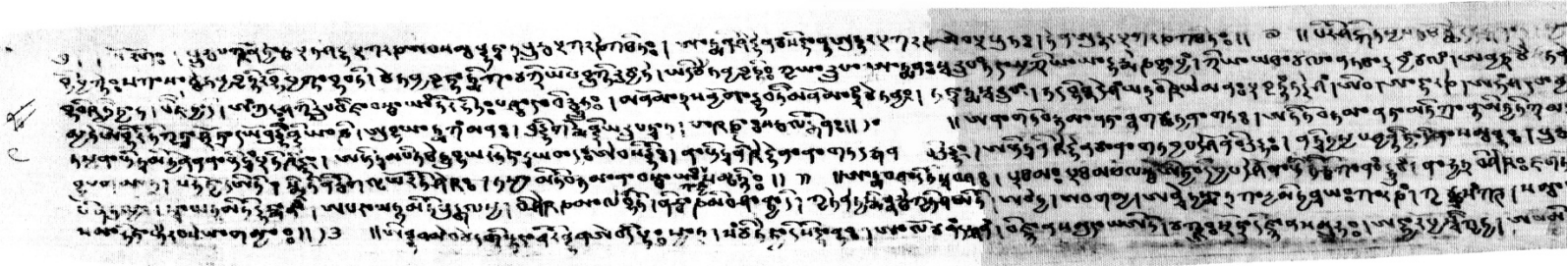
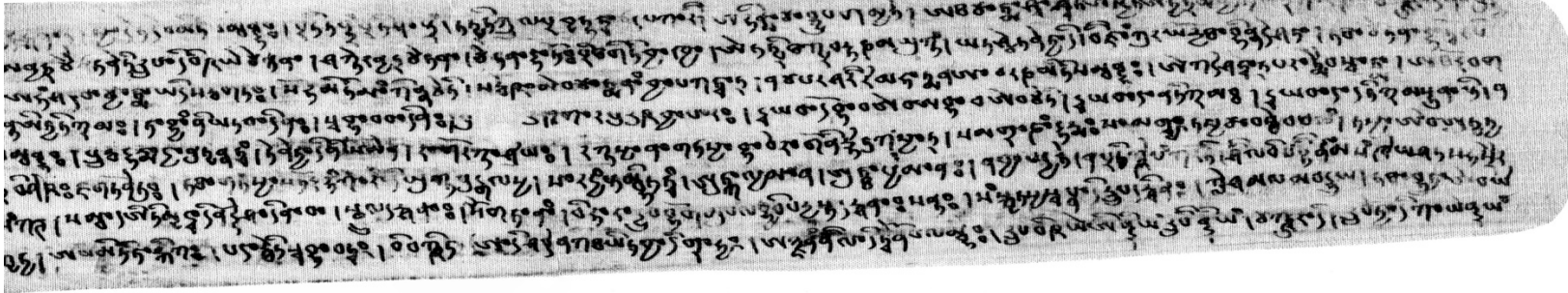


[illegible]





|      |                                                                                     |
|------|-------------------------------------------------------------------------------------|
| 17bL |   |
| 17bR |  |

|      |                                                                                     |
|------|-------------------------------------------------------------------------------------|
| 18aL |   |
|      |                                                                                     |
| 18aR |  |

18bL

18bR